खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 04 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-244

भले नहीं शरीर हो, पर रूह बा'बुलंद है, इसमें तू यकीन कर
तू उनके दिखाए स्वर्ग को उतार ला जमीन पर...

प्रभात रंजन दीन

मशहूर गीतकार शैलेंद्र ने लिखा था... तू जिंदा है तो जिंदगी की जीत में यकीन कर, कहीं भी हो स्वर्ग तो उतार ला जमीन पर। शुभ-लाभ प्रकाशन समूह के अभिभावक परम श्रद्धेय श्री गोपाल जी अग्रवाल के व्यक्तित्व को प्रतिमा की तरह साक्षात सामने रख कर उनकी स्मृतियों को साक्षी बनाएं तो शैलेंद्र की उन पंक्तियों में स्वाभाविक बदलाव कुछ यूं हो जाता है... तू जिंदा है तो जिंदगी की जीत में यकीन कर / भले नहीं शरीर हो, पर रूह बा'बुलंद है, इसमें तू यकीन कर / तू उनके दिखाए स्वर्ग को उतार ला जमीन पर...

श्री गोपाल जी अग्रवाल से मेरी मुलाकात वर्ष 2021 में अक्टूबर महीने के उत्तरार्ध में हैदराबाद के एक रेस्तरां में हुई थी। उन्होंने दिल्ली प्रवास के दौरान शुभ-लाभ अखबार में पत्रकारीय-बेहतरी की चिंता अपने एक पत्रकार मित्र रजत अमरनाथ से साझा की थी। रजत ने उन्हें मेरा नाम सुझाया। गोपाल जी ने मुझे फोन किया और मुझे हैदराबाद बुलाया... सब कुछ ऐसे हुआ कि जैसे प्रकृति ने पहले से इसका आयोजन कर रखा हो। आज गोपाल जी नहीं हैं और रजत भाई उनके पहले ही प्रयाण कर चुके। हैदराबाद के चटनी रेस्टोरेंट के कक्ष में आदरणीय गोपाल जी से परिचय की औपचारिकता के बाद मैंने उनसे बेसाख्ता पूछा था, अखबार तो घाटे का व्यापार होता है, तो किस शत्रु ने आपको अखबार निकालने की सलाह दी थी? मेरी पत्रकारीय-विधा ने उन्हें कुरेदा और मुझे उसी पल गोपाल जी के विराट व्यक्तित्व की झलक मिल गई। उन्होंने कहा, अखबार निकालना मेरा व्यापार नहीं, मेरा सरोकार है, मेरा जुनून है जिसे अंग्रेजी में पैशन कहते हैं। उनका ध्यान से कहना जारी था और मेरा ध्यान से सुनना... उन्होंने कहा, अगर यह जुनून न हो तो भावी पीढ़ियां जान ही नहीं पाएंगी कि अखबार क्या होता है। सुबह-सुबह अखबार पढ़ने का संस्कार ही समाज से विलुप्त हो जाएगा। पीढ़ियों को सूचित और शिक्षित करने का प्रथम दायित्व तो अखबार का ही होता है। सुबह अखबार पढ़ना और अखबार के जरिए देश-दुनिया और समाज के साथ-साथ साहित्य को जानना हमने अपने बुजुर्गों से ही तो सीखा है! फिर वह दायित्व हम कैसे छोड़ दें! मैंने तत्काल और तत्क्षण यह निर्णय ले लिया कि मुझे गोपाल जी के साथ काम करना है... और मैंने उन्हें फौरन ही अपना निर्णय सुना भी दिया।

इस तरह हिंदी दैनिक शुभ-लाभ, अंग्रेजी दैनिक सिटिजंस ईवनिंग और तेलुगु दैनिक ध्वनि के साथ मेरी यात्रा शुरू हो गई। वही प्रतिबद्धता, वही अनुशासन, वही जुनून जो गोपाल जी में था, मैंने उसे अखबार में हूबहू उतारने की कोशिश की। वह कोशिश आदरणीय गोपाल जी के दिवंगत होने के बाद भी जारी है। यह एक मशाल है जो एक के बाद दूसरे में फिर तीसरे में और क्रमानुसार हस्तांतरित होती हुई अपनी प्रकाश-यात्रा जारी रखती है। मैंने अपने पत्रकारीय जीवन में तमाम बड़े और मझोले अखबारों में काम करने के अनुभव बटोरे हैं। तमाम पदों की जिम्मेदारियां सीखी हैं। कई अखबारों के शुभारंभ का यज्ञ किया है और दर्जनों अखबारों के मालिकों का संरक्षण और विश्वास जीता है... लेकिन आदरणीय गोपाल जी अग्रवाल की तो बात ही अलग रही। अखबार में खबरों के चयन से लेकर विज्ञापन के स्थान-चयन तक का सम्पूर्ण दायित्व आज के युग में कौन चैयरमैन किसे सौंपता है! खबरों को लेकर साहस इतना कि वे कहते,

शुभ-लाभ शपथ

मैं जेल जाने को तैयार हूं... राष्ट्र और धर्म को लेकर उनकी व्यापक विचारधारा शुभ-लाभ प्रकाशन समूह के अखबारों की प्राण-ऊर्जा के रूप में प्रकाशित और प्रसारित हो रही है।

स्वस्थ हों या अस्वस्थ, गोपाल जी सदैव एक जैसे रहे। स्वस्थ में भी मस्त और अस्वस्थ में और भी ज्यादा मस्त... ताकि दूसरों के मनोबल में कोई कमी न रहे। उनकी किडनियों ने जब काम करना बंद कर दिया, तब भी गोपाल जी ने अपना काम नहीं रोका, बल्कि काम की गति और बढ़ा दी। हैदराबाद के साथ-साथ दिल्ली, बेंगलुरु, तिरुपति, गुवाहाटी, लखनऊ और पटना से शुभ-लाभ का संस्करण शुरू करने को लेकर योजना-बैठकों का सिलसिला चलने लगा। लखनऊ से शुभ-लाभ टाइटल को जिला प्रशासन और दिल्ली स्थित समाचार पत्रों के महानिबंधक की औपचारिक मंजूरी भी मिल गई। बेंगलुरु प्रशासन ने भी औपचारिक मंजूरी देकर उसे पंजीयन के लिए दिल्ली भेज दिया। दिल्ली से तो प्रकाशन शुरू भी हो गया। हैदराबाद से शुभ-लाभ के साथ-साथ अंग्रेजी दैनिक सिटिजंस ईवनिंग और तेलुगु दैनिक ध्वनि का भी प्रकाशन साथ-साथ गतिमान रहा। गोपाल जी डायलिसिस कराते और निकल पड़ते। कभी दिल्ली, कभी मुंबई, कभी बेंगलुरु, कभी तिरुपति, कभी राजस्थान तो कभी नागपुर। हां, नागपुर से भी शुभ-लाभ का संस्करण निकालने के लिए गोपाल जी बड़े उत्साही दिखते और कहते, नागपुर मेरी ससुराल है, वहां से भी संस्करण निकालना है।

देश-दुनिया की खबरों को लेकर गोपाल जी की संलग्नता आत्मिक स्तर पर दिखती। कभी किसी मसले पर अत्यंत उत्तेजित होकर कहते इसे खूब हाईलाइट करिए और कभी अपने अखबार में प्रकाशित खास खबर या विश्लेषण पर प्रसन्न होकर फोन करते और उत्साह बढ़ाते। अपने अखबारी सहकर्मियों का मनोबल बनाए रखने के लिए गोपाल जी उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं का भी ख्याल रखते। अखबार के सहकर्मियों की जरूरत के समय उनकी आर्थिक मदद करने का जज्बा तो देश के तमाम अखबार मालिकों को सीखना चाहिए। यहां तक कि अखबार छोड़ कर जा चुके पूर्व सहयोगी भी उनसे आर्थिक मदद मांगने से नहीं शर्माते थे और गोपाल जी उनकी मदद करने से नहीं चूकते थे। व्यक्तिगत स्तर से लेकर सांगठनिक स्तर तक गोपाल जी समाजसेवा के विभिन्न आयामों से बेहद सक्रिय तौर पर जुड़े रहे और समर्थ लोगों को सेवाधर्म के प्रति प्रोत्साहित (मोटिवेट) करते रहे।

आदरणीय गोपाल जी ने 20 अगस्त की रात को दफ्तर से वर्चुअल मीटिंग की। मैं लखनऊ में था। संपादकीय विभाग के सारे स्टाफ उस मीटिंग में मौजूद थे। उसमें भी गोपाल जी के सामने अखबार का प्रकाशन ही मुद्दा था। वे प्रिंटिंग के समय को लेकर कुछ परिवर्तन चाहते थे। अखबार के विभिन्न पृष्ठों के समाचार-संयोजन से लेकर उसकी बनावट पर लगने वाले समय पर बात की, अपने सुझाव दिए और मेरे सुझाव सुने। विस्तृत वार्ता के बाद फिर एक सुस्पष्ट समय-नीति (डेड-लाइन) निर्धारित हुई। 21 अगस्त की रात को भी गोपाल जी के साथ कुछ नए संपादकीय सहयोगियों को लाने के मसले पर बात हुई। ...और गोपाल जी एवं मेरे भौतिक शरीर के बीच वही आखिरी बात हुई। यानि, गोपाल जी का जज्बा उनकी जिजिविषा के साथ अन्योन्याश्रित था। 22 अगस्त को आदरणीय गोपाल जी ने अपना भौतिक शरीर त्याग दिया... अचानक मिली इस खबर ने हम सबको झकझोर कर रख दिया। भौतिक रूप से माता-पिता और अभिभावक का होना कितना जरूरी होता है, यह उनके विदा होने के बाद अनुभव होता है और बहुत सालता है।

हम उसी अनुभव के व्यथा-काल से गुजर रहे हैं। शुभ-लाभ परिवार के हम सभी सदस्य श्री गोपाल जी अग्रवाल के प्रति अपनी आत्मिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनकी मशाल को हमेशा प्रज्ज्वलित रखना हम सब का समवेत संकल्प हो... इसे व्यवहार में उतारना ही उस 'ग्रैंड-गार्डियन' के प्रति सच्ची और नैष्ठिक श्रद्धांजलि होगी...

भारत-जर्मनी के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस

भारत और यूरोपीय संघ के बीच जल्द होगी फ्री-ट्रेड डील

भारत और जर्मनी में सहयोग की अपार संभावनाएं : वेडफुल

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान डेविड वेडफुल के साथ बातचीत के बाद भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की पूरी संभावना है। जयशंकर ने जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ बातचीत के बाद एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री ने कहा कि वार्ता में अर्थव्यवस्था, जलवायु परिवर्तन, रक्षा, और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत दौरे पर आए जर्मन विदेश मंत्री जोहान डेविड वेडफुल ने नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर से मुलाकात की। हैदराबाद हाउस में दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई, जिसमें जर्मन विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और जर्मनी में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। इससे पहले मंगलवार को जर्मनी के विदेश मंत्री वेडफुल बेंगलुरु पहुंचे और वहां उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा किया।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, हम भारत के साथ व्यापार को दोगुना करने संबंधी जर्मनी के लक्ष्य की सराहना करते हैं। विदेश मंत्री ने निर्यात नियंत्रण के मुद्दों को सुलझाने के लिए भी जर्मनी की प्रशंसा की। जयशंकर ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग के लिए जर्मनी की दिलचस्पी का भी स्वागत किया। विदेश मंत्री ने कहा कि जर्मन विदेश मंत्री

▶10पर

भारत और रूस के बीच हुई रक्षा और तेल डील पर चर्चा

एस-400 घातक मिसाइलों की बड़ी खेप आएगी

नई दिल्ली/मॉस्को, 03 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की मिसाइलों को ढेर करने वाली एस-400 मिसाइलों की बड़ी खेप भारत आने वाली है। एस-400 मिसाइल सिस्टम की अतिरिक्त आपूर्ति को लेकर भारत और रूस के बीच बातचीत चल रही है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ का बोझ लादे जाने के जवाब में रूस ने भारत को तेल पर छूट देने की घोषणा की है।

ट्रंप-टैरिफ के जवाब में रूस ने भारत को दी तेल पर छूट

रूस की फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कोऑपरेशन के प्रमुख दिमित्री शुगायेव ने कहा, भारत के पास पहले से ही हमारा एस-400 सिस्टम है और इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावना है। इस पर बातचीत हो रही है। उल्लेखनीय है कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में एस-400 मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल किया था और पाकिस्तान एवं पीओके में आतंकी ठिकानों पर हमला किया। यह सिस्टम भारत को हवाई हमलों से बचाने के लिहाज से काफी अहम है। भारत ने 2018 में रूस के साथ 5.5 अरब (लगभग 45,000 करोड़) की डील की थी, जिसके तहत पांच एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल सिस्टम मिलने थे। भारत का कहना है कि यह सिस्टम चीन से खतरे का मुकाबला करने के लिए जरूरी है। इस डील की डिलीवरी में कई बार देरी हुई। अब माना जा रहा है कि अंतिम दो सिस्टम 2026 और 2027 में भारत को मिलेंगे।

हाल ही में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) की बैठक के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रिय मित्र कहा। इसके जवाब में मोदी ने कहा, भारत और रूस ने मुश्किल समय में भी एक-दूसरे का साथ निभाया है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी कहा कि भारत ने अमेरिका के दबाव में आकर रूस से संसाधन (जैसे कि हथियार और तेल) खरीदना बंद नहीं किया, रूस इसकी सराहना करता है।

▶10पर

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में मची भारी अफरातफरी

निलंबन के एक दिन बाद ही कविता ने छोड़ी पार्टी

पिता केसीआर और भाई केटीआर को गद्दारों से किया आगाह

हैदराबाद, 03 सितंबर (एजेंसियां)। पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में बीआरएस से निलंबित की गई के कविता ने आज हैदराबाद में पार्टी और एमएलसी पद छोड़ने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा, मेरा निलंबन पूरे बीआरएस को नियंत्रित करने की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने हरीश राव और संतोष राव पर गंभीर आरोप लगाए। दोनों पर हमला तेज करते हुए उन्होंने कहा कि हरीश राव और संतोष राव के भ्रष्टाचार के कारण केसीआर के खिलाफ सीबीआई जांच हो रही है। के. कविता ने अपने पिता केसीआर और भाई केटीआर को आगाह करते हुए कहा कि हरीश राव और संतोष राव उनके शुभचिंतक नहीं हैं।

कविता ने कहा, तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद मैंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और बीआरएस का झंडा

▶10पर

पाक-बांग्लादेश-अफगानिस्तान में प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को राहत

हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन और ईसाइयों को भारत में रहने की अनुमति

पासपोर्ट या वीजा के बिना भी देश में रहने की इजाजत

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। धार्मिक उत्पीड़न के कारण पाकिस्तानी, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को भारत में रहने की अनुमति दी जाएगी। भारत सरकार ने यह महत्वपूर्ण फैसला लिया है। गृह मंत्रालय की ओर से इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। गृह मंत्रालय ने कहा है कि धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को पासपोर्ट या अन्य वीजा दस्तावेजों के बिना भी देश में रहने की अनुमति दी जाएगी। पिछले साल लागू हुए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के अनुसार, 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए इन उत्पीड़ित

▶10पर

वोट चोरी का आरोप लगाने वाले कांग्रेसियों की करतूतें उजागर

पहले पवन खेड़ा, अब उनकी पत्नी के भी मिले दो वोटर कार्ड

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के बड़बोले प्रवक्ता पवन खेड़ा के बाद अब उनकी पत्नी कोटा नीलिमा पर भी दो वोटर आईडी रखने का मामला उजागर हुआ है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने तथ्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि राहुल गांधी के करीबी सहयोगी खुद वोट चोरी में शामिल हैं। पवन खेड़ा के दो वोटर आईडी के मसले पर चुनाव आयोग ने खेड़ा को नोटिस भेज कर जवाब मांग रखा है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा पर दो वोटर आईडी रखने का मामला अभी थमा भी नहीं था कि अब उनकी पत्नी को लेकर भी ऐसा ही आरोप सामने आया है। पवन खेड़ा को चुनाव आयोग ने नोटिस भी भेजा था। पवन खेड़ा की पत्नी कोटा नीलिमा के पास भी दो वोटर आईडी हैं, एक तेलंगाना की खैरताबाद सीट से और दूसरी काका नगर नई दिल्ली सीट से। यानि दोनों पति-पत्नी के नाम दो-दो जगहों पर वोटर लिस्ट में मौजूद हैं।

▶10पर

उमर, शरजील समेत नौ आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज

दिल्ली के हिंदू विरोधी दंगों की साजिश में शामिल थे

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा आरोपियों की भूमिका गंभीर

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2020 में दिल्ली में हुए हिंदू विरोधी दंगे के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम समेत 9 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। यह फैसला जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शालिंदर कौर की बेंच ने सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि इस स्टेज पर यह साफ तौर पर दिखाई देता है कि उमर खालिद और शरजील इमाम ने सीएए और एनआरसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की योजना बनाने और उसे फैलाने में अहम भूमिका निभाई। हाईकोर्ट ने यह भी कहा, हम अभी केस के पूरे तथ्यों में नहीं जा रहे, लेकिन इस समय उनके खिलाफ जो सबूत हैं, वो उनकी भूमिका को बाकी आरोपियों से अलग और ज्यादा गंभीर दिखाते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने पाया कि दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन विधेयक

▶10पर

लंदन में कदम रखते ही तमिलों ने स्नेह से मुझे गले लगा लिया : मुख्यमंत्री स्टालिन

लंदन, 03 सितंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन अपनी जर्मनी की यात्रा पुरी कर लंदन पहुंच गए हैं। लंदन में भारतीय मूल के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके बुधवार को इसकी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने अपने पोस्ट में लिखा, इंग्लैंड (लंदन) में कदम रखते ही भारतीय मूल के नागरिकों और तमिलों ने स्नेह से मुझे गले लगा लिया। समुद्र पार की इस यात्रा में मुझे घर जैसी खुशबू मिली। मैं इस उत्साहपूर्ण स्वागत से बहुत प्रसन्न हूं।

उन्होंने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, इंग्लैंड में कदम रखते ही मुझे गर्मजोशी और स्नेह से गले लगाया गया, ऐसा स्वागत जिसने दूर-दूर तक घर की खुशबू फैला दी।

मुख्यमंत्री स्टालिन लंदन में कई निवेशकों के साथ बैठक करने वाले हैं। वे यहां रहने वाले तमिलों के साथ भी बैठक करेंगे और उनसे तमिलनाडु में निवेश करने के लिए आग्रह करने वाले हैं। आत्मसम्मान आंदोलन की शताब्दी के उपलक्ष्य में स्टालिन 4 सितंबर को यूनाइटेड किंगडम की अपनी यात्रा के दौरान ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय में आत्म-सम्मान आंदोलन और उसकी विरासत सम्मेलन 2025 को संबोधित करेंगे। वह विश्वविद्यालय परिसर में समाज सुधारक पेरियार ई.वी. रामासामी के चित्र का अनावरण भी करेंगे। इस बीच तमिलनाडु सरकार ने घोषणा की है कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में टीएन राइजिंग इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव के तहत जर्मनी में आयोजित तमिलनाडु निवेशक सम्मेलन में 26 कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए हैं। अब हस्ताक्षरित निवेश बढ़कर 7020 करोड़ रुपये हो गया है और इससे 15,320 लोगों के लिए रोजगार का सृजन हुआ है। सरकार की ओर से बताया गया कि हस्ताक्षरित समझौते इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, एयरोस्पेस, हरित ऊर्जा और ऑटो कंपोनेंट्स सहित कई रणनीतिक क्षेत्रों को कवर करते हैं, जिससे तमिलनाडु की एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थिति और मजबूत होती है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से एक सप्ताह के जर्मनी और इंग्लैंड दौरे पर हैं। इसी कड़ी में उन्होंने 2 सितंबर को अपनी जर्मनी यात्रा समाप्त की और अपने यूरोपीय दौरे के अगले चरण में इंग्लैंड पहुंच गए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

महिला के भेष में पुरुषों के साथ निजी पलों को किया रिकॉर्ड, आया भूचाल

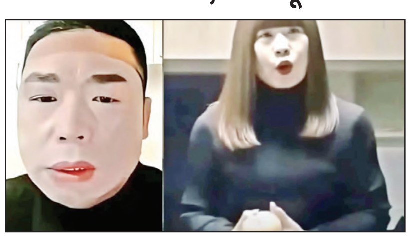

बीजिंग। पडोसी देश चीन के नानजिंग शहर में एक शख्स, जिसे लोग 'सिस्टर हॉन्ग' या 'नानजिंग अंकल रेड' के नाम से जानते हैं। 'नानजिंग अंकल रेड' पर आरोप है कि उसने महिला का रूप धारण कर 1,000 से ज्यादा पुरुषों के साथ निजी पलों को गुप्त रूप से रिकॉर्ड किया और फिर उन्हें ऑनलाइन बेच दिया। आरोपी लंबे गाउन, विग और भारी मेकअप करके खुद को महिला बताता था। सोशल मीडिया पर वह ब्यूटी फिल्टर और बदली हुई आवाज का इस्तेमाल करता था, ताकि पुरुषों को यह यकीन हो सके कि वे किसी महिला से बात कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, आरोपी जियाओ ने अपने घर में हिडन कैमरा लगाया हुआ था। वह पुरुषों को प्यार और नजदीकी रिश्तों का झांसा देकर घर बुलाता और उनके साथ बिताए पलों को रिकॉर्ड कर लेता। इसके बाद वह इन वीडियो को ऑनलाइन ग्रुप्स में शेयर करता था। बताया जा रहा है कि उसने मेंबरशिप के लिए लोगों से 150 युआन चार्ज भी किया। कुछ रिपोर्ट्स का दावा है कि जियाओ की उम्र 60 साल के करीब है और उसने लगभग 1691 पुरुषों के साथ संबंध बनाए। हालांकि, पुलिस ने इस संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया कहा और साफ किया कि आरोपी की उम्र 38 साल है। दिलचस्प बात यह है कि जियाओ पुरुषों से पैसे की मांग नहीं करता था। इसके बजाय वह उनसे छोटे-छोटे गिफ्ट लेता था- जैसे दूध, फल, स्नैक्स या यहां तक कि आधी बोतल कुकिंग ऑयल। इस घोटाले ने कई परिवारों और रिश्तों में तूफान ला दिया। वीडियो और तस्वीरें इतनी डिटेल में शेयर हुईं कि कई पुरुषों की पहचान उनके परिवार और दोस्तों ने कर ली। एक मां को पता चला कि उसका बेटा, जो किंडरगार्टन में इंग्लिश टीचर है, इस वीडियो में शामिल है। वहीं, एक महिला को झटका तब लगा जब उसने अपने मंगेतर को भी इन वीडियो में देखा। नानजिंग पुलिस ने जियाओ को गिरफ्तार कर लिया है ।

सींग वाले इंसान की खोपड़ी मिली, वैज्ञानिक हैरान

लंदन। हाल ही में शोधकर्ताओं को ग्रीस में एक ऐसी खोपड़ी मिली है जिसने विज्ञान जगत को चौंका दिया है। यह खोपड़ी न तो पूरी तरह इंसान की प्रतीत होती है और न ही निएंडरथल की। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इसमें सींग जैसी संरचना मिली है, जिसने वैज्ञानिकों के सामने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि यह जीवाश्म यूरोप के मानव विकास के इतिहास में एक अहम कड़ी हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह संभवतः होमो हाइडलबर्गेंसिस नामक समूह से जुड़ा है, जो करीब 300,000 से 600,000 वर्ष पहले यूरोप में मौजूद था। इस समूह की उत्पत्ति अफ्रीका में हुई थी और लगभग पांच लाख साल पहले इसके कुछ सदस्य यूरोप आ गए थे। खोपड़ी सबसे पहले 1960 के दशक में ग्रीस के उत्तरी हिस्से में पेट्रालोना गुफा में मिली थी। हालांकि, तब इसकी सही आयु और संरचना का पता नहीं चल सका। आधुनिक तकनीक और यूरेनियम सीरीज डेटिंग विधि की मदद से अब यह निष्कर्ष निकला है कि यह खोपड़ी 600,000 से 300,000 साल पुरानी है। अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एक युवा वयस्क पुरुष की खोपड़ी है। लंदन के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के पैलियोएन्थ्रोपोलॉजिस्ट क्रिस स्ट्रिंगर, जो इस शोध से जुड़े हैं, का मानना है कि यह खोज मानव विकास की समझ को नई दिशा दे सकती है।

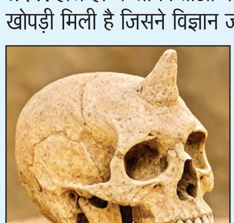

यूएन का 2231 नंबर का प्रस्ताव बढा सकता है मुश्किल, ईरान के छिन सकते हैं हथियार

जिनेवा। यूरोपियन देश नहीं चाहते कि ईरान के पास हथियारों का जखीरा हो। इसके लिए हर वक्त् कुछ न कुछ पैंतरेबाजी चलती रही है। यूएन सिक्योरिटी काउंसिल का प्रस्ताव नंबर 2231 ईरान और दुनिया के बीच भरोसे की डोर था। लेकिन अब जब यूरोपीय देश खुद स्नेपबैक का सहारा ले रहे हैं, तो इसका मतलब है कि ईरान पर फिर से पुराने प्रतिबंधों का खतरा मंडरा रहा है। अगर ऐसा हुआ तो न सिर्फ ईरान बल्कि पूरी दुनिया पर इसका असर पड़ेगा। दरअसल, 2015 में ईरान और छह बड़े देशों अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के बीच एक समझौता हुआ, जिसे ज्वाइंट कांप्रेहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन (जेसीपीओए) यानी ईरान परमाणु समझौता कहा जाता है। इस समझौते के तहत ईरान ने वादा किया कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करेगा, ताकि वह परमाणु हथियार न बना सके। बदले में, उस पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटाए जाएंगे और उसकी अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी।

गाजा में इजराइली हमले में 105 फिलिस्तीनी भी मारे गए, बच्चों और पत्रकारों की भी मौत

भोजन और पानी लेने निकले लोग भी अब सीधे निशाने पर

अब तक 270 से ज्यादा पत्रकार मारे गए

गाजा सिटी, 03 सितंबर (एजेंसियां)।

इज़राइल ने गाज़ा सिटी पर मंगलवार को भीषण हमला तेज कर दिया, जिसमें कम से कम 105 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। मारे गए लोगों में 32 लोग वे थे जो मदद पाने के लिए लाइन में खड़े थे, जबकि कई बच्चे और पत्रकार भी इस हमले की चपेट में आ गए। सबसे ज्यादा तबाही अल-सबरा इलाक़े में हुई, जहां कई दिनों से लगातार बमबारी जारी है। गाज़ा प्रशासन का कहना है कि सिर्फ भोजन और पानी लेने निकले लोग भी अब सीधे निशाने पर हैं।

खान यूनिस के पास अल-मवासी इलाके में, जिसे पहले सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया था, पानी भरने के लिए खड़े 21 लोगों पर ड्रोन से हमला किया गया। इनमें 7 बच्चे शामिल थे। घटनास्थल से मिले वीडियो में खून से सने पानी के डिब्बे और मासूमों के शव दिखाई दिए। फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस के प्रवक्ता महमूद बसाल ने कहा की वे लोग सिर्फ पानी लेने लाइन में खड़े थे, तभी उन पर हमला कर दिया गया। जिंदगी की तलाश अब मौत में बदल गई है।

गाज़ा सिटी में अल-अफ़ परिवार के घर पर भी इज़राइली हमला हुआ, जिसमें 10 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। हमले में दो पत्रकार अल-मनारा के रस्मी सालेम और ईमान अल-ज़ामली की मौत हो गई। अक्टूबर 2023 से अब तक 270 से ज्यादा पत्रकार मारे जा चुके हैं, जिससे यह युद्ध दुनिया का सबसे खतरनाक संघर्ष पत्रकारों के लिए बन गया है।

इज़राइल की नाकाबंदी के कारण लोग सिर्फ हमलों से ही नहीं, बल्कि भूख से भी मर रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 13 लोग भूख से मरे, जबकि युद्ध शुरू होने के बाद अब तक 361 लोग भुखमरी के शिकार हो चुके हैं। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि युद्ध निर्णायक चरण में है और सेना गाज़ा सिटी पर कब्ज़े की तैयारी कर रही है। इस बीच हजारों रिजर्व सैनिकों को बुलाया गया, हालांकि इज़राइली मीडिया के अनुसार 365 सैनिकों ने ड्यूटी पर आने से इनकार कर दिया है।

बेल्जियम ने मंगलवार को फिलिस्तीन को मान्यता दी और अन्य देशों से भी ऐसा करने की अपील की। फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह कदम नरसंहार और जबरन विस्थापन रोकने के लिए ज़रूरी है। इस बीच यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने इज़राइल के कई ठिकानों और एक कार्गो जहाज़ को ड्रोन और मिसाइल से निशाना बनाया है।

भारत से पंगा लेकर फंस गए राष्ट्रपति, अमेरिका में लग रहे ट्रंप वापस जाओ के नारे

वॉशिंगटन। भारत पर अनावश्यक टैरिफ लगाकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुरी तरह फंस गए हैं। उनका पूरी दुनिया में विरोध हो रहा है और तो और अमेरिका में ट्रंप वापस जाओ के नारे भी गूंज रहे हैं। उनके खिलाफ विरोध-प्रदर्शन होने लगा है। 'ट्रंप वापस जाओ' के नारे लगाए जा रहे हैं। ट्रंप की नीतियों से परेशान हजारों श्रमिकों ने विरोध प्रदर्शन किया। श्रमिक दिवस के मौके कामगार उनके न्यूयॉर्क स्थित आवास के बाहर जुटे और ट्रंप वापस जाओ के नारे लगाए। एक साथ कई शहरों में अमेरिकी राष्ट्रपति के विरोध में प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लहराए जिन पर कथित फासीवादी शासन को खत्म करने की मांग लिखी थी। शिकागो और न्यूयॉर्क में वन फेयर वेज संगठन के तत्वाधान में प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य श्रमिकों को होने वाली परेशानी और न्यूनतम मजदूरी की ओर ध्यान खींचना था। जहां न्यूनतम संघीय मेहनताना 7.25 डॉलर प्रति घंटा है। शिकागो में ट्रंप टॉवर के बाहर प्रदर्शनकारियों ने नेशनल गार्ड नहीं चाहिए और उसे जेल में डालो के नारे लगाए। वॉशिंगटन डी सी और सैन फ्रांसिस्को में भी लोग सड़कों पर उतरे। वॉशिंगटन में भी बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए। उनके हाथों में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट का अतिक्रमण बंद करो लिखे पोस्टर और डीसी को मुक्त करो, नकाबपोश गुंडे नहीं चाहिए लिखे बैनर लहराए। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने मंगलवार को कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में आव्रजन प्रवर्तन के विरोध में प्रदर्शनों के दौरान ट्रंप प्रशासन द्वारा नेशनल गार्ड सैनिकों का इस्तेमाल करना अवैध है।

जिनपिंग ने रखा जीजीआई का प्रस्ताव....अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को मिर्ची लगना तय

पुतिन ने इस प्रस्ताव का कर दिया समर्थन

बीजिंग, 03 सितंबर (एजेंसियां)।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शंघाई सहयोग संगठन की बैठक को संबोधित कर ग्लोबल गवर्नेंस इनिशिएटिव (जीजीआई) का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में बहुपक्षीय व्यवस्था होनी चाहिए और किसी एक देश को ही सर्वशक्तिमान नहीं मानना चाहिए है। जिनपिंग ने एससीओ नेताओं को संबोधित कर कहा यह बात कही, जिस पर रूस ने तत्काल सहमति जाहिर की है। इसके अलावा भारत भी इस पर सहमत है, क्योंकि लंबे समय से पीएम नरेंद्र मोदी भी कहते रहे हैं कि वैश्विक संबंध समानता के आधार पर तय होने चाहिए। जिनपिंग का यह फॉर्मूला सीधे तौर पर अमेरिका के लिए खुला चैलेंज है, जो इन दिनों तमाम देशों पर टैरिफ लगा रहा है।

अमेरिका ने सबसे बड़ा टैरिफ भारत पर लगाया है। इसके बाद जिनपिंग का बयान अहम है। शी ने कहा, मैं आप लोगों के समक्ष ग्लोबल गवर्नेंस इनिशिएटिव का प्रस्ताव रखना चाहता हूं। मैं सभी देशों के साथ काम करने के लिए तत्पर हूं। यह संबंध समानता के आधार पर होनी चाहिए और मानव सभ्यता के साझा भविष्य के निर्माण के लिए सहयोग की भावना पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के लिए यह जरूरी है। जिनपिंग ने कहा कि यह विजन वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक व्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। जिनपिंग ने कहा, सबसे पहले हमें समानता के आधार पर बात करनी होगी। हम सभी को यह मानना होगा कि क्षेत्रफल, क्षमता, संपदा से परे सभी देशों को एक समान माना जाए। सभी को ग्लोबल गवर्नेंस में निर्णय लेने का मौका मिले तो वहीं लाभार्थी के तौर पर भी बराबर हों। हमें वैश्विक संबंधों में अधिक लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रोत्साहित करना होगा। इसके अलावा विकासशील देशों को भी शामिल करना होगा। उन्होंने कहा कि हम सभी अंतरराष्ट्रीय नियमों से बंधे हुए हैं, लेकिन इनका सही ढंग से और यूएन चार्टर के अनुसार पालन होना चाहिए।

विरोध प्रदर्शन

साओ पाउलो में ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनेरो प्रदर्शनकारियों के पीछे खड़े नजर आ रहे।

चीन के विक्ट्री डे परेड में सबसे बड़ा सैन्य प्रदर्शन शी जिनपिंग ने कहा-चीन किसी से नहीं डरता

बीजिंग, 03 सितंबर (एजेंसियां)।

दूसरे विश्वयुद्ध में जापानी आक्रमण के खिलाफ मिली जीत की 80वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में चीन का विक्ट्री डे परेड बुधवार को थियानमेन चौक पर हुआ। इस बहाने चीन ने बड़ा सैन्य परेड का प्रदर्शन करते हुए दुनिया को लड़ाकू विमानों, मिसाइलों और न्यू इलेक्ट्रानिक वारफेयर सहित आधुनिक हथियार दिखाए।

इस मौके पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन, बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको सहित मलेशिया, म्यांमार, मंगोलिया, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, नेपाल, मालदीव सहित 26 देशों के शीर्ष नेता मौजूद रहे।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस अवसर पर कहा कि चीन को आगे बढ़ने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि उनका देश किसी धौंस जमानेवाले से डरता नहीं है और हमेशा आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने कहा कि यह एक नई यात्रा, नया युग है।

इस अवसर पर चीन ने अबतक का सबसे बड़ा सैन्य परेड करते हुए आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया। जिसमें जे 20 और जे 35 जैसे लड़ाकू विमान, डीएफ 31 एजी और डीएफ 41 बैलिस्टिक मिसाइलें, डीएफ-जेडएफ हाइपरसोनिक मिसाइल, एयर डिफेंस सिस्टम, टैंक और बख्तरबंद वाहन शामिल हैं। परेड में 10 हजार से ज्यादा सैनिक शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जापान ने अमेरिका के परमाणु हमले के बाद 15 अगस्त 1945 को समर्पण किया था जिसके बाद 2 सितंबर 1945 को चीन के खिलाफ भी हार स्वीकार कर ली। इसी उपलक्ष्य में चीन विक्ट्री डे परेड मनाता रहा है।

नेपाल में विदेशी नागरिकों पर निगरानी रखने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत

काठमांडू, 03 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में विदेशी नागरिकों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए नेपाल सरकार ने ट्रैकिंग प्रणाली की शुरुआत की है। विदेशी नागरिकों द्वारा धर्म परिवर्तन, मानवतस्करी जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल होने से लेकर वीजा की अवधि से अधिक दिनों तक रहने वाले विदेशी नागरिकों पर नजर रखने में यह प्रणाली कारगर साबित होगी।

गृह मंत्रालय के अंतर्गत रहे आव्रजन विभाग ने नेपाल में आने वाले सभी विदेशी नागरिकों पर नजर रखने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत करने जा रही है। इसके लिए विमान से हवाई अड्डे पर आने के बाद सभी विदेशी नागरिकों को एक ऐप डाउनलोड करके उसमें अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा। आवज्रन विभाग सबसे पहले इसकी शुरुआत काठमांडू से करने जा रहा है।

आवज्रन विभाग के महानिदेशक रामचंद्र तिवारी ने बुधवार को घोषणा की है कि वह नेपाल में विदेशियों के प्रवेश, ठहरने और गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 17 सितंबर, 2025 से विदेशी नागरिकों के पंजीकरण और ट्रैकिंग प्रणाली (एफएनआरटीएस) को लागू करेगा।

महानिदेशक तिवारी के अनुसार, इस प्रणाली को चरणों में लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया पहले चरण में, इसे 17 सितंबर से काठमांडू के भीतर सभी स्टार होटलों में लागू किया जाएगा। दूसरे चरण में, 16 नवंबर से शुरू होने वाले, इस प्रणाली का विस्तार सभी स्टार होटलों, एयरलाइनों, पर्यटन और ट्रैवल एजेंसियों, मनी एक्सचेंज तक किया जाएगा।

महानिदेशक रामचंद्र तिवारी ने कहा कि इस वर्ष के अंत तक धीरे-धीरे अन्य होटलों, अतिथि गृहों और सेवा प्रदाताओं तक विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली को विदेशी नागरिकों के रिकॉर्ड को बनाए रखने, उनकी सुरक्षा बढ़ाने, आपात स्थितियों में खोज और बचाव कार्यों को सुविधाजनक बनाने और सुरक्षा एजेंसियों और पर्यटन हितधारकों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसके साथ ही विदेशी नागरिकों द्वारा नेपाल में मानवतस्करी एवं संगठित अपराधों सहित कई गैर कानूनी गतिविधि में शामिल होने, धर्म परिवर्तन जैसे असंवैधानिक कार्य में लिप्त होने और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद लंबे समय तक यहां छिप कर रहने वाले विदेशी नागरिकों पर निगरानी रखने के लिए यह प्रणाली कारगर साबित होने वाली है।

विदेशी नागरिकों की सेवा करने वाले सार्वजनिक और निजी संस्थानों को इस प्रणाली के साथ एकीकरण करना आवश्यक है। पंजीकरण और उपयोगकर्ता नियमावली के बारे में विवरण आप्रवासन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा ने मोदी की नीतियों को सराहा, लिखा पत्र

ट्रंप की टैरिफ नीति अनुचित मोदी की कूटनीति सराहनीय

भारत अपने मूल्यों के साथ दुनिया में नई पहचान बनाएगा

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवगौड़ा ने अमेरिका के टैरिफ वार को अनुचित बताया है। उन्होंने पीएम मोदी की मल्टी-अलाइनमेंट नीति को भविष्य में भारत के लिए फायदेमंद बताया। इसके साथ ही उन्होंने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने में भारत की भूमिका की सराहना की। देवगौड़ा ने कहा, मोदी सरकार की दूरदृष्टि और सक्रिय कूटनीति से आने वाले समय में भारत को बड़े लाभ होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने इस बारे में मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी पत्र भी लिखा है।

> अमेरिकी टैरिफ अनुचित और अन्यायपूर्ण है, अमेरिका को अपना रुख बदलना होगा। प्रधानमंत्री मोदी की नीति से भारत नए विश्व क्रम का केंद्र बनेगा और सरकार की दूरदृष्टि और सक्रिय कूटनीति से आने वाले समय में भारत को बड़े लाभ होंगे।
>
> *टैरिफ वॉर पर बोले एचडी देवगौड़ा*

देवगौड़ा ने उस पत्र में कहा है कि अमेरिकी सरकार यह टैरिफ पॉलिसी जल्द ही धर्म और न्याय के दबाव में बदलने पर मजबूर होगी क्योंकि भारत के पास दुनिया में सबसे अनोखा आर्थिक, जनसांख्यिकीय और लोकतांत्रिक संतुलन है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत अपने मूल्यों के साथ दुनिया में नई पहचान बनाएगा।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने पीएम मोदी के हालिया जापान और चीन दौरे की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, मुझे राहत है कि आपने अमेरिका के अनुचित टैरिफ वार के बाद विकल्प तलाशने की दिशा में सक्रिय प्रयास किए हैं। मुझे भरोसा है कि इन दौरों और आपकी बातचीत का भारत को बड़ा फायदा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया में मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ जो तस्वीरें और वीडियो सामने आए, वे सिर्फ औपचारिकता नहीं बल्कि एक नए विश्व क्रम की शुरुआत का संकेत देते हैं, जिसमें भारत केंद्र में होगा। पूर्व प्रधानमंत्री ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए मोदी की पहल की सराहना करते हुए कहा, आप इस मुद्दे पर लगातार सक्रिय रहे हैं। भारत के शब्द दुनिया में गंभीरता से लिए जाते हैं क्योंकि वे ईमानदारी और ऐतिहासिक मूल्यों से भरे होते हैं।

देवगौड़ा ने कहा, पहले भारत की विदेश नीति असहभागिता पर आधारित थी, लेकिन बदलते समय में मोदी की असहभागिता नीति ज्यादा व्यवहारिक और रचनात्मक है। उन्होंने कहा हमें दुनिया से अपने हिसाब से जुड़ना चाहिए, अपनी शर्तों पर, लेकिन अपने सांस्कृतिक और सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखते हुए। यही भारत को अलग और खास बनाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में लिखा, पीएम मोदी मौजूदा चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। राष्ट्र को इस मोड़ से निकालने के लिए धैर्य और आत्मविश्वास की जरूरत है। भगवान ने आपको यह दोनों खूब दिए हैं। मेरी शुभकामनाएं हैं कि आपको और शक्ति तथा अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिले।

विकास महोत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में आचार्य श्री तुलसी के व्यक्तित्व और कार्यों को समर्पित 'विकास महोत्सव' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. साध्वीश्री गवेषणाश्री ने आचार्य तुलसी को एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में वर्णित किया, जिनकी ख्याति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में फैली हुई है। उन्होंने कहा कि आचार्य तुलसी ने धर्म को एक नई परिभाषा दी और वह वास्तव में विकास के एक अग्रणी पुरुष थे। उन्होंने 'अणुव्रत' के माध्यम से धर्म की एक नई व्याख्या प्रस्तुत की, जिससे लोगों में नई ऊर्जा और शक्ति का संचार हुआ।

साध्वीश्री ने आगे कहा कि आचार्य तुलसी एक क्रांतिकारी आचार्य थे, जिन्होंने तेरापंथ धर्मसंघ की छवि को सात समुंदर पार तक पहुंचाया।

साध्वी मयंकप्रभा ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ एक विकासशील संघ है, जिसने 250 वर्षों में विकास की कई मंजिलों को तय किया है।

साध्वी मेरुप्रभा ने कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए आचार्य तुलसी को एक कुशल साहित्यकार, प्रवचनकार और लेखक बताया।

साध्वी दक्षप्रभा ने एक मधुर गीतिका प्रस्तुत कर विकास महोत्सव के महत्व को उजागर किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती चांद बैद के मंगलाचरण से हुआ, जिसके बाद महिला मंडल ने गीतिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशील जी संचेती, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के उपाध्यक्ष निखिल कोटेचा, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बोथरा, महिला मंडल की अध्यक्ष नमिता जी सिंघी, उपाध्यक्ष सुशीला जी मोदी और उपासिका रीता सुराणा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

भूटान के जे खेंपो और प्रधानमंत्री तोबगे राजगीर में शाही मंदिर समारोह के लिए भारत यात्रा पर

नई दिल्ली, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भूटान के जे खेंपो, मुख्य मठाधीश ट्रुलकु जिग्मे चोएद्रा और भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे बुधवार को चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर भारत आ रहे हैं जहां वे गुरुवार को बिहार के राजगीर में शाही भूटान मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। भूटान के प्रधानमंत्री के साथ उनकी पत्नी ओम ताशी डोमा भी आ रही हैं। ये सभी आज सीधे बिहार के गयाजी पहुंचेंगे। विदेश मंत्रालय ने आज बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद भूटान के प्रधानमंत्री अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर भी जाएँगे। राजगीर स्थित शाही भूटान मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा भारत और भूटान के बीच बौद्ध धर्म की साझा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इस मंदिर के लिए भूमि बिहार सरकार द्वारा प्रदान की गई है। परम

पावन जे खेंपो और भूटान के प्रधानमंत्री की यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा के अनुरूप है, जो इस विशेष साझेदारी की एक पहचान है।

विदेश मंत्रालय ने बताया है कि श्री तोबगे का विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से भी मिलने का कार्यक्रम है।

श्री तोबगे गुरूवार को गयाजी में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। शुक्रवार सुबह वह अयोध्या जायेंगे और दोपहर बाद राजधानी दिल्ली के लिए रवाना होंगे। शाम को डॉ. जयशंकर से मुलाकात के बाद श्री तोबगे शनिवार को वह भूटान रवाना हो जायेंगे।

श्री तोबगे इसी वर्ष फरवरी में भारत की आधिकारिक यात्रा पर आये थे। उन्होंने 'स्कूल ऑफ़ अल्टीमेट लीडरशिप' सम्मेलन में हिस्सा लिया था। बाद में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक भी की थी।

भारी बारिश में जम्मू कश्मीर सीमा पर कई जगह तारबंदी ध्वस्त

बार्डर पर बाड़ और चौकियां क्षतिग्रस्त, घुसपैठ का खतरा बढ़ा

जम्मू, 03 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू फ्रंटियर के कई स्थानों पर बाढ़ ने तारबंदी को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया है। बीएसएफ की कई सीमा चौकियां पानी में डूबी हुई हैं। इसके बावजूद सीमा सुरक्षा बल ने हार नहीं मानी और कुदरती कहर के साथ ही दुश्मन के नापाक इरादों से निपटने को सीमा पर पीछे से कड़ी निगरानी रखकर और नावों के जरिए गश्त आरंभ की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाकिस्तान इस स्थिति का फायदा उठाकर घुसपैठियों को इस तरफ न भेज सके।

बाड़ और सीमा चौकियों को हुए नुकसान का तुरंत आकलन करना संभव नहीं है क्योंकि कई जगहों पर वे अभी भी पानी में डूबी हुई हैं। हालांकि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ज्यादातर जगहों पर बाड़ और अग्रिम चौकियों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन चिनाब के कहर के कारण अखनूर के परगवाल द्वीप पर काफी नुकसान हुआ है। बाढ़ का पानी कम होने पर बाड़ और सीमा चौकियों को हुए नुकसान का सही आकलन किया जाएगा क्योंकि फिलहाल कुछ इलाकों का दौरा करना संभव नहीं है। इन सभी नुकसानों के बावजूद, सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने के लिए बीएसएफ द्वारा अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गश्त और कड़ी निगरानी में कोई कमी नहीं की गई है।

बीएसएफ द्वारा सीमा पर गश्त के लिए हर संभव तरीके अपनाए जा रहे हैं, जिसमें बाढ़ग्रस्त इलाकों से कुछ दूरी तक गश्त, कई जगहों पर नावों का इस्तेमाल, निगरानी कैमरे लगाना आदि शामिल हैं। बीएसएफ के अधिकारी कहते हैं कि पानी कम होने और बाड़ को हुए नुकसान का आकलन पूरा होने के बाद, जहां भी जरूरत होगी, नई बाड़ लगाने या मरम्मत का काम शुरू किया जाएगा। जहां बाड़ की मरम्मत की जा सकती है, वहां काम तुरंत शुरू किया जाएगा और जहां नई बाड़ लगाने की जरूरत होगी, वहां औपचारिकताएं पूरी होने के बाद काम शुरू किया जाएगा।

याद रहे जम्मू, सांबा और कठुआ पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं और जम्मू क्षेत्र के अन्य जिलों के अलावा ये तीनों जिले भारी बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। अखनूर और बसंतर के विभिन्न हिस्सों से होकर बहने वाली चिनाब नदी और उसकी सहायक नदियां और सांबा में उसकी सहायक नदियां 26 अगस्त और उसके बाद के दिनों से ही खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इसके अलावा, जम्मू, सांबा और कठुआ में कई नाले उफान पर थे, जिससे बाड़ और सीमा चौकियों के अलावा सरकारी बुनियादी ढांचे और नागरिक सम्पत्ति को भारी नुकसान हुआ। जबकि मानसून के प्रकोप से पहले ही, हीरानगर सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा और कठुआ जिले के कुछ अन्य इलाकों के अलावा पंजाब के पठानकोट जिले से घुसपैठ की कोशिशों की खबरें आती रही हैं।

टीटीडी ने गौ संरक्षण के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया

तिरुमाला, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने अपनी गौशालाओं में पशु कल्याण, स्वास्थ्य, पोषण और प्रबंधन के स्तर में सुधार के लिए एक गौ संरक्षण विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। यह समिति टीटीडी की सभी गौशालाओं के संचालन में विशेषज्ञता आधारित सुधार लाने के लिए अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी।

इस समिति के गठन की घोषणा 14 अगस्त 2025 को टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी के आदेश पर एक आधिकारिक विज्ञप्ति के माध्यम से की गई। समिति के सदस्यों में पशु स्वास्थ्य, पोषण और प्रबंधन के क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल हैं:- श्रीधर कोटी - श्री कृष्णा गौसेवा ट्रस्ट, तेलंगाना,

डॉ. साईबाबा - सेवानिवृत्त डीडी ग्रेड वैज्ञानिक एवं एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के सह-विकल्पित सदस्य, सी. वामसी कृष्णा - प्रबंध निदेशक, वीके डेयरी एसेंशियल्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद और डॉ. के.

वीरा ब्रह्माईआह - डीन, एसवीवीयू, तिरुपति।

समिति के सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। यह समिति हर तीन महीने में एक बार बैठक करेगी और अपनी सिफारिशें टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी को प्रस्तुत करेगी। सदस्यों को कोई मानदेय नहीं दिया जाएगा। आधिकारिक दौरे के दौरान सदस्यों को निःशुल्क आवास, भोजन और स्थानीय परिवहन की सुविधा प्रदान की जाएगी। गृह नगर से तिरुपति आने-जाने का वास्तविक यात्रा व्यय बिल जमा करने पर वापस किया जाएगा। आधिकारिक दौरे पर आने वाले सदस्यों और उनके साथ आने वाले परिवार के सदस्यों को श्री वेंकटेश्वर स्वामी के प्रोटोकॉल ब्रेक दर्शन की सुविधा सशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी को किसी भी सदस्य को समिति में जोड़ने या हटाने का अधिकार होगा।

टीटीडी के एस.वी. गौ संरक्षण शाला के निदेशक को इस समिति से संबंधित सभी आवश्यक कार्रवाइयां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

यह कदम टीटीडी द्वारा गौ संरक्षण और पशु कल्याण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आशा है कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों से गौशालाओं की स्थिति में सुधार होगा, पशुओं के स्वास्थ्य और पोषण के स्तर में वृद्धि होगी और प्रबंधन प्रणाली अधिक पारदर्शी एवं कुशल बनेगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट : अरुण कुमार को दिलाई गई शपथ, जजों की संख्या हुई 65

प्रयागराज, 03 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता अरुण कुमार ने न्यायमूर्ति पद की शपथ ली। बुधवार को हाईकोर्ट के न्यायकक्ष में आयोजित समारोह में मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने जस्टिस अरुण कुमार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस समारोह के चलते न्यायिक कार्य 10.45 बजे से

शुरू हुआ। अब हाईकोर्ट की प्रधान पीठ में मुख्य न्यायमूर्ति को छोड़ कर अन्य न्यायमूर्तियों की संख्या 65 हो गई है जबकि लखनऊ खंडपीठ में 19 न्यायमूर्ति हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति के 160 पद स्वीकृत हैं। दो दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने 26 अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारियों को न्यायमूर्ति बनाए जाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार के नाम को लगभग दो साल बाद सरकार की स्वीकृति मिली है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने नौ मई 2023 को उनकी उम्मीदवारी को दोबारा अनुशंसित करते हुए उन्हें इस पद के लिए योग्य और उपयुक्त बताया था। 51 वर्षीय अधिवक्ता अरुण कुमार को लगभग 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने संवैधानिक, दीवानी और राजस्व क्षेत्राधिकार से जुड़े कई महत्वपूर्ण मामलों की पैरवी की है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बावजूद उनकी नियुक्ति करीब दो साल बाद हुई है।

जमुई में कार से भारी मात्रा में शराब जब्त, बक्सर बॉर्डर पर कार्टन खोलते ही पुलिस वाले हैरान

जमुई, 03 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में शराब तस्करों की दिमाग अख से भी ज्यादा तेज काम कर रहा है। मगर, बिहार की पुलिस भी तस्करों के पीछे पड़ी हुई है।

ज्यादातर साजिश को नाकाम करने की पुरजोर कोशिश में जुटी हुई है। जमुई के चंद्रदीप थाना क्षेत्र के पिपरा गांव से उत्पाद पुलिस और जिला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो नंबर प्लेट वाली कार से 40 पेटी यानी 360 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है। वहीं, बक्सर में शराब लदी पिकअप को छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया। पिकअप तिरपाल से ढंककर शराब की तस्करी की जा रही थी।

जमुई के उत्पाद अधीक्षक सुभाष कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पिपरा मोड़ से पिपरा गांव जाने वाली सड़क की निगरानी करते हुए एक संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही चालक ने जंगल की ओर कार लेकर भागने लगा। इस दौरान पुलिस ने काफी तेज गति से उसका पीछा किया। लेकिन, वो पुलिस को चकमा देकर और कार को बीच सड़क पर छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने कार की तलाशी ली, उससे 40 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई।

जांच के क्रम में यह पता चला कि कार में दो नंबर प्लेट लगा हुआ है और पुलिस को चकमा देने के लिए असली नंबर प्लेट को नकली नंबर प्लेट से ढंक दिया गया है।

फिलहाल कर और शराब को जब्त करके मामला दर्ज कर लिया गया है।

पापा, आपके मुंह से बदबू आती है, बेटी की बात सुनकर ऋषि कपूर ने छोड़ दी थी स्मोकिंग

बॉलीवुड में बहुत से सितारे आए और गए, लेकिन कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जो सिनेमा से कहीं आगे हमारे दिलों में बस जाते हैं। ऋषि कपूर उन्हीं सितारों में से एक थे। एक जमाना था, जब हर युवा उनके जैसा दिखना चाहता था और लड़कियां उनकी मुस्कान पर फिदा थीं। फिल्मों के परदे से बाहर ऋषि कपूर की जिंदगी भी आम इंसानों जैसी ही थी, जिसमें प्यार, रिश्तों की गर्माहट और कुछ बुरी आदतें शामिल थीं।उन्हीं आदतों में एक थी सिगरेट पीना। वो चेन स्मोकर थे, पर एक दिन, एक मासूम सी बात ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी। यह बात ऋषि कपूर के दिल को गहराई से लगी और उन्होंने उसी दिन सिगरेट को हमेशा के लिए छोड़ दिया।

ऋषि कपूर का जन्म 4 सितंबर 1952 को मुंबई के मशहूर कपूर खानदान में हुआ था। उनके पिता राज कपूर हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े नामों में से एक थे। फिल्मों का माहौल उन्हें बचपन से ही मिला। उन्होंने पहली बार पर्दे पर 1970 की फिल्म 'मेरा नाम जोकर' में बाल कलाकार के रूप में काम किया और इसके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता। लेकिन, असली स्टारडम उन्हें 1973 में मिली, जब 'बॉबी' फिल्म आई। 21 साल के ऋषि ने एक कॉलेज बॉय का किरदार निभाया और पूरे देश में रोमांस के नए पोस्टर बॉय बन गए।

इसके बाद उन्होंने 'कर्ज', 'सरगम', 'प्रेम रोग', 'चांदनी', 'नगीना', 'नसीब', 'कुली', 'सागर' और 'अमर अकबर एंथोनी' जैसी कई हिट फिल्में दीं। 70 और 80 के दशक में वह सबसे व्यस्त और सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सितारों में शामिल थे। रोमांटिक हीरो की छवि से बाहर आकर भी उन्होंने कई किरदारों को निभाया। कभी वह खलनायक बने तो कभी कॉमेडियन। 'अग्निपथ', 'कपूर एंड सन्स', '102 नॉट आउट' जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र के साथ खुद को फिर से साबित किया। सिगरेट छोड़ने वाला किस्सा भी उनकी इसी शख्सियत को दिखाता है। वह सिर्फ बड़े पर्दे पर हीरो नहीं थे, अपने परिवार के लिए भी एक जिम्मेदार इंसान थे। उन्होंने इस बात को अपनी आत्मकथा 'खुल्लम खुल्ला' में भी बयां किया है, जिसे मीना अय्यर ने लिखा और हार्पर कॉलिन्स ने प्रकाशित किया। इसमें ऋषि कपूर ने अपने करियर से लेकर निजी जिंदगी तक के कई अनकहे पहलुओं पर खुलकर बात की। किताब के जरिए ऋषि कपूर ने बताया, मैं बहुत ज्यादा स्मोकिंग करता था, लेकिन मैंने तब सिगरेट छोड़ दी, जब उसने (बेटी ने) कहा, 'मुझसे आपको सुबह-सुबह किस नहीं होगा, क्योंकि आपके मुंह से बदबू आती है।' उस दिन के बाद से मैंने सिगरेट को हाथ नहीं लगाया।'' बता दें कि रिद्धिमा ऋषि की पहली संतान हैं। 1980 में उनका जन्म हुआ था। 'खुल्लम खुल्ला' में ऋषि ने बताया कि जब रिद्धिमा का जन्म हुआ तो वह और नीतू खुशी के चलते सातवें आसमान पर थे। बाद में रणबीर का जन्म हुआ और उनकी फैमिली पूरी हो गई।

पिता के तौर पर ऋषि कपूर अपने बेटे रणबीर कपूर से थोड़े सख्त थे। उन्होंने खुद माना कि वह दोस्त जैसे पिता नहीं बन पाए। इस बात को भी उन्होंने दिल से स्वीकार किया और कहा कि रणबीर अपने बच्चों के साथ जरूर अलग तरीके से पेश आएगा।

दमदार एक्टिंग के लिए ऋषि कपूर को कई अवॉर्ड मिले। उन्हें 'बॉबी' के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला, 'दो दूनी चार' के लिए क्रिटिक्स अवॉर्ड और 'कपूर एंड सन्स' के लिए बेस्ट को-स्टार का अवॉर्ड मिला। उन्होंने अपने करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और हर भूमिका को बखूबी निभाया। 2018 में उन्हें कैंसर का पता चला और इलाज के लिए वह न्यूयॉर्क चले गए। लगभग एक साल इलाज के बाद जब वे भारत लौटे तो एक बार फिर फिल्मों में काम करने लगे। लेकिन, बीमारी ने उन्हें ज्यादा समय नहीं दिया। 30 अप्रैल 2020 को ऋषि कपूर ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

सलाकार की सफलता से लेकर नॉन-स्टॉप शूटिंग तक : मौनी रॉय के पास प्रोजेक्ट्स की भरमार

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कभी भी ठहराव नहीं आता, और मौनी रॉय के लिए, जो इन दिनों सफलता की लहर पर सवार हैं, यह रफ्तार अब एक व्यस्त शूटिंग शेड्यूल में तब्दील हो चुकी है। हाल ही में रिलीज़ हुई सीरीज़ 'सलाकार' में मरियम के अपने आकर्षक किरदार के लिए मिली आलोचनात्मक प्रशंसा के बाद, इस बहुमुखी अभिनेत्री ने खुद को एक व्यस्त शेड्यूल में पाया है, जहाँ वह एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट में सहजता से आगे बढ़ रही हैं।

मरियम के रूप में उनकी भावपूर्ण अभिनय ने न केवल एक कलाकार के रूप में उनकी अभिनय क्षमता को प्रदर्शित किया, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री की सबसे विश्वसनीय और बहुप्रतिभाशाली कलाकारों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को भी मजबूत किया, इसके चलते उन्हें कई नामी निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है।

फिलहाल मौनी रॉय मशहूर फिल्मकार मधुर भंडारकर की अगली फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर सेट से एक बिहाइंड-द-सीन्स पल साझा किया, जिसमें उन्होंने कैप्शन में लिखा चलो चलो – जो उनके शेड्यूल की रफ्तार और ऊर्जा को बखूबी दर्शाता है।

मधुर भंडारकर, जो समकालीन भारतीय समाज की यथार्थवादी कहानियों के लिए जाने जाते हैं, एक बार फिर ऐसे कलाकारों के साथ काम कर रहे हैं जो उनके किरदारों में गहराई और प्रामाणिकता ला सकें, और इस प्रोजेक्ट में मौनी का शामिल होना इंडस्ट्री में उनके बढ़ते कद और विश्वास को दर्शाता है। यह बैक-टू-बैक शूटिंग शेड्यूल इस बात का उदाहरण है कि मनोरंजन जगत में सफलता किस तरह प्रतिभाशाली कलाकारों के लिए नए अवसरों का सिलसिला बन जाती है।

मौनी रॉय के पास इस समय कई प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं और निर्देशक उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं – यह उनके करियर का सुनहरा दौर कहा जा सकता है। मौनी अगली बार टॉलीवुड मेगास्टार चिरंजीवी के साथ उनकी अगली फिल्म 'विश्वंभर' में एक विशेष भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसके बाद फिल्म 'सिला' में एक और स्पेशल डांस नंबर में दिखाई देंगी।

जहां वह फिलहाल 'द वाइव्स' की शूटिंग कर रही हैं, वहीं मौनी ने मई 2025 में वरुण धवन अभिनीत फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की शूटिंग पूरी कर ली है। चार बड़े प्रोजेक्ट्स की रिलीज़ के साथ, मौनी रॉय ने यह साबित कर दिया है कि वह एक भरोसेमंद और प्रतिभाशाली कलाकार हैं, जो किसी भी प्रोजेक्ट में अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से जान डाल सकती हैं।

डू यू वाना पार्टनर में अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर श्वेता तिवारी बोलीं, मैं कांप रही थी

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे।सीरीज में दो लड़कियों की कहानी है, जो अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करने निकली हैं। इसके लिए उन्हें निवेशकों की जरूरत है।

'डू यू वाना पार्टनर' में अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी हैं। उनके किरदार का नाम लैला है। वह एक दबंग महिला गैंगस्टर है। अपने किरदार को रियल बनाने के लिए उन्हें कुछ अभद्र भाषा का प्रयोग भी करना पड़ा।इस सीन को करते समय श्वेता को काफी मुश्किलें हुई। ऐसे में तमन्ना भाटिया ने आगे बढ़कर उनकी मदद की, उस पल को वो कभी नहीं भूल पाएंगी।

श्वेता तिवारी ने सीन को याद करते हुए कहा, सीरीज में एक सीन है, जहां मुझे खूब अभद्र भाषा का प्रयोग करना था। इसे करते समय मैं वाकई में कांप रही थी। सबके सामने ऐसा करना मेरे लिए सहज नहीं था। मैं कोशिश कर रही थी, लेकिन मुझसे हो नहीं रहा था। तभी, तमन्ना भाटिया आगे आईं और मेरा हाथ पकड़कर जोर-जोर से डायलॉग बोलने लगीं।

तमन्ना भाटिया ने ही उन्हें उस सीन को पूरा करने के लिए प्रेरित किया, वह उस मुश्किल वक्त में श्वेता के साथ खड़ी रहीं। अभिनेत्री ने बताया कि तमन्ना की वजह से ही मैं यह सीन कर पाई। जिस तरह से उन्होंने श्वेता को सीन करने में मदद की, उसे वो कभी नहीं भूल पाएंगी।श्वेता ने कहा कि यह सीरीज बहुत ही दिलचस्प है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आएगी।

यह सीरीज धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इस सीरीज का निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। इसकी पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है।शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। 'डू यू वाना पार्टनर' का प्रीमियर 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

लहंगे में इतराईं अमायरा दस्तूर, राधा गोरी गोरी भजन के साथ दिखा पारंपरिक अंदाज

अमायरा दस्तूर उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो न सिर्फ अपनी खूबसूरती और अदाकारी से लोगों को प्रभावित करती हैं, बल्कि अपने पहनावे और स्टाइल से भी फैशन की दुनिया में एक खास पहचान रखती हैं। उनकी हर पोस्ट, हर लुक और हर वीडियो में आत्मविश्वास साफ झलकता है, जो उन्हें बाकी अभिनेत्रियों से अलग बनाता है।

बुधवार को अमायरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जो न सिर्फ उनके लुक को बल्कि उनके अंदाज को भी खूबसूरती से दर्शाता है।

वीडियो में अमायरा ने एक बेहद खूबसूरत ग्रीनिश-ग्रे कलर का लहंगा पहना है, जो बारीक कढ़ाई और चमकीले वर्क से सजा हुआ है। उनका ब्लाउज डीप नेकलाइन वाला है और उस पर की गई जरी की कढ़ाई देखने लायक है। इस लुक के साथ उन्होंने एक हल्की लेकिन एलीगेंट चोकर ज्वेलरी पहनी है और लंबे झुमकों से इसे पूरा किया है। उनका मेकअप काफी नेचुरल है। बाल खुले और स्ट्रेट हैं, जो इस पूरे ट्रेडिशनल अवतार के साथ बिल्कुल फिट बैठते हैं।

वीडियो में अमायरा कभी बैठकर कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए पोज देती हैं, तो कभी खुशी में घूमती हैं। उनका आत्मविश्वास और खुशी इस वीडियो में साफ नजर आता है। खास बात यह है कि इस वीडियो में अमायरा ने बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर 'राधा गोरी गोरी' भजन का इस्तेमाल किया है।

अमायरा दस्तूर ने महज 16 साल की उम्र में ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा था। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने मॉडलिंग में किस्मत आजमाई और फिर एक्टिंग की दुनिया में एंट्री की। साल 2013 में उन्होंने फिल्म 'इश्क' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ प्रतीक बब्बर नजर आए थे। हालांकि, फिल्म को खास सफलता नहीं मिली, लेकिन अमायरा ने हार नहीं मानी। उन्होंने लगातार मेहनत की और धीरे-धीरे फिल्मों की दुनिया में अपनी जगह बनानी शुरू की। 2017 में उन्हें जैकी चेन के साथ 'कुंग फू योगा' में काम करने का मौका मिला, जो उनके करियर के लिए बड़ा अवसर साबित हुआ।इसके बाद अमायरा ने न सिर्फ हिंदी बल्कि तमिल, तेलुगु और पंजाबी फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने इमरान हाशमी के साथ फिल्म 'मिस्टर एक्स' में भी अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा वे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी नजर आ चुकी हैं। वे 'तांडव' और 'मुंबई मेरी जान' जैसे शोज का हिस्सा रह चुकी हैं।

8 साल की रिजेक्शन और रिप्लेसमेंट की जर्नी में धैर्य ही मेरा सबसे बड़ा शिक्षक रहा : साची बिंद्रा

व्योम और साची बिंद्रा की मुख्य भूमिकाओं से सजी क्यूरियस आईज़ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म मन्नू क्या करेगा?, अपने गीत-संगीत से दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर रही है। फिल्म के ट्रेलर और संगीत को दर्शकों का अपार प्यार मिला है और इसके साथ ही जो बात सबसे अधिक प्रभावित करती है, वह है व्योम और साची बिंद्रा की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री। उनकी नई और ताज़गी भरी जोड़ी ने युवाओं के दिलों को छू लिया है।

अपने किरदार की तैयारी पर बात करते हुए, डेब्यू कर रही अभिनेत्री साची बिंद्रा ने इस पर कहा, चुनौतियाँ तो शुरुआत से ही थीं लेकिन इस मुकाम तक पहुँचने में बहुत कुछ लगा है। अराम नगर की लाइनों में खड़े होने से लेकर शॉर्टलिस्ट होने तक लगभग 8-9 साल हो गए मुझे ऑडिशन देते हुए। रिजेक्ट होने से लेकर रिप्लेस किए जाने तक, मैंने सब कुछ देखा है। इस पूरी जर्नी ने मुझे सबसे बड़ी चीज़ सिखाई वो है धैर्य। इसमें दो राय नहीं कि साची बिंद्रा के लिए मन्नू क्या करेगा? में डेब्यू करना धैर्य और विश्वास से बनाई गई वर्षों की मेहनत का नतीजा है।

फिल्म में विनय पाठक, कुमुद मिश्रा, राजेश कुमार और चारु शंकर भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। यह फिल्म 2025 में भारत के रोमांटिक म्यूज़िकल जॉनर को नया आयाम देने की ओर बढ़ रही है। नई स्टारकास्ट के साथ सच्ची भावनाओं और संगीत की धड़कनों से सजी मन्नू क्या करेगा? इस साल की सबसे आत्मीय सिनेमाई यात्रा साबित होने का वादा करती है। तो इस जादू को बड़े पर्दे पर महसूस कीजिए और देखना न भूलिए 12 सितंबर 2025 को देशभर में रिलीज़ हो रही फिल्म मन्नू क्या करेगा।

श्राद्ध पक्ष की शुरुआत में लगेगा चंद्र ग्रहण

साल की शुरुआत में मार्च माह में एक बार चंद्र ग्रहण लग चुका है। लेकिन सितंबर महीने में साल का दूसरा चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। बड़ी बात यह है कि इसे भारत में देखा जा सकेगा। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य एवं चंद्र ग्रहण का विशेष महत्व है। इस दौरान शुभ कार्य और पूजा-पाठ करने की मनाही होती है। लापरवाही करने या बरतने से शारीरिक और मानसिक सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण पितृ पक्ष की शुरुआत में लगेगा और यह भारत में दिखाई देगा, जिससे इसका सूतक काल मान्य होगा। जिन जगहों पर ग्रहण दिखाई देता है, वहां-वहां चंद्र ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले सूतक शुरू हो जाता है। चंद्र ग्रहण के सूतक के समय में पूजा-पाठ नहीं किए जाते हैं, मंदिर बंद रहते हैं। ग्रहण खत्म होने के बाद सूतक खत्म होता है। मंदिरों का शुद्धिकरण होता है और फिर पूजा-पाठ आदि धर्म-कर्म किए जाते हैं।

वर्ष का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को भाद्रपद मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह रात्रि 21:57 बजे शुरू होकर 1:26 बजे तक प्रभावी रहेगा और भारत समेत संपूर्ण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका के पूर्वी क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह चंद्र ग्रहण भारत में भी नजर आएगा इसलिए इसका सूतक काल मान्य होगा और धार्मिक दृष्टि से इसका महत्व होगा। इस ग्रहण का सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12:57 बजे से आरंभ होगा और ग्रहण की समाप्ति तक रहेगा। यह ग्रहण अंटार्कटिका, पश्चिमी प्रशांत महासागर, ऑस्ट्रेलेशिया, एशिया, हिंद महासागर, युरोप पूर्वी अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। रुस और प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में चन्द्रास्त के समय उपच्छाया का प्रारम्भ दिखाई देगा। आइसलैंड, अफ्रीका के पश्चिमी हिस्से और अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में उपच्छाया का अन्त चन्द्रोदय के समय दिखाई देगा।

7 सितंबर से पितृ पक्ष का आरंभ

इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 7 सितंबर से हो रहा है और 21 सितंबर तक चलेगा। लेकिन पूर्णिमा का श्राद्ध 7 सितंबर को होगा और उसी दिन साल का अंतिम चंद्र ग्रहण भी लगेगा। भारत में चंद्र ग्रहण दिखाई देगा इस कारण सूतक लगेगा। ये चंद्र ग्रहण भारत में दिखेगा। यूरोप, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत, अटलांटिक, हिंद महासागर, आर्कटिक और अंटार्कटिका में भी यह दिखेगा।

7 सितंबर को दूसरा चंद्र ग्रहण (पूर्ण चंद्र ग्रहण)

वर्ष का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को भाद्रपद मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह रात्रि 21:57 बजे शुरू होकर 1:26 बजे तक प्रभावी रहेगा और भारत समेत संपूर्ण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका के पूर्वी क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह चंद्र ग्रहण भारत में भी नजर आएगा इसलिए इसका सूतक काल मान्य होगा और धार्मिक दृष्टि से इसका महत्व होगा। इस ग्रहण का सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12:57 बजे से आरंभ होगा और ग्रहण की समाप्ति तक रहेगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में लगेगा, जिसमें चंद्रमा के साथ राहु और सप्तम भाव में सूर्य, केतु और बुध विराजमान होंगे। इस संयोजन का कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में जन्मे व्यक्तियों पर विशेष प्रभाव पड़ सकता है। इन जातकों को सावधानी बरतने का आवश्यकता रहेगी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

उपच्छाया प्रवेश रात्रि 08:57,
ग्रहण प्रारम्भ (स्पर्श) :- रात्रि 09:57,
पूर्णता प्रारम्भ : मध्यरात्रि 11:00,
ग्रहण मध्य: मध्यरात्रि 11:41,
पूर्णता समाप्त मध्यरात्रि 12:23,
ग्रहण समाप्त (मोक्ष):-मध्यरात्रि 01:27,
उपच्छाया अन्त: मध्यरात्रि 02:27,
ग्रहण की अवधि:- 03 घंटे 30 मिनट,
पूर्णता की अवधि:- 01 घंटे 23 मिनट

भारत में दिखाई देगा चंद्र ग्रहण

यह चंद्र ग्रहण मुख्य रूप से भारत सहित एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफ्रीका, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका तथा दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में भी देखा जा सकेगा। यह पूर्ण चंद्रग्रहण भारत के सभी हिस्सों से दिखाई देगा। पूरे देश में ग्रहण की शुरुआत से लेकर अंत तक उपच्छाया सहित ग्रहण के सभी चरण दिखेंगे।

सूतक काल का समय

चंद्र ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले हमेशा सूतक काल लगाता है। ऐसे में 7 सितंबर 2025 को लगने वाला चंद्र ग्रहण रात 9:57 मिनट से शुरू होगा। इसलिए इससे 9 घंटे पहले से सूतक काल लग जाएगा। इसका सुतक दोपहर 12:57 पर प्रारम्भ हो जायेगा।

प्राकृतिक आपदाओं की आशंका

चार ग्रहणों की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का समय से ज्यादा प्रकोप देखने को मिलेगा। इसमें भूकंप, बाढ़, सुनामी, विमान दुर्घटनाएं का संकेत मिल रहे हैं। प्राकृतिक आपदा में जनहानि कम ही होने की संभावना है। फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। व्यापार में तेजी आएगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आर-ोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

भारत में दिखाई देगा चंद्र ग्रहण

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि यह चंद्र ग्रहण मुख्य रूप से भारत सहित एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफ्रीका, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका तथा दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में भी देखा जा सकेगा। यह पूर्ण चंद्रग्रहण भारत के सभी हिस्सों से दिखाई देगा। पूरे देश में ग्रहण की शुरुआत से लेकर अंत तक उपच्छाया सहित ग्रहण के सभी चरण दिखेंगे।

न करें ये काम

ग्रहण लगने पर मंदिरों में मूर्तियों को स्पर्श करने से बचें। कैंची, सुई-धागे और धारदार वस्तुओं का उपयोग न करें। यात्रा करने से बचें। ग्रहण को देखने की भूल न करें। महिलाएं ग्रहण के दौरान श्रृंगार न करें। गर्भवती स्त्रियों को ग्रहण के दौरान घर के अंदर रहना चाहिए। ग्रहण समाप्त होने के बाद ही ताजा बना हुआ भोजन करें।

7 सितंबर से 21 सितंबर तक चलेगा पितृपक्ष

देवी-देवताओं के अलावा पितर भी हमारे जीवन के लिए, मंगलकार्यों के लिए बहुत जरूरी हैं। हमारे ये पूर्वज पितृ लोक में वास करते हैं और श्राद्ध पक्ष के 15 दिनों के लिए वे धरती पर आते हैं। इसीलिए उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण, अर्पण और दान देने की परंपरा है। ऐसा करने से पितरों की आत्मा तृप्त होती है और उन्हें मोक्ष मिलता है। वह हमें आशीर्वाद देकर जाते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 7 सितंबर से हो रहा है और 21 सितंबर तक चलेगा। लेकिन पूर्णिमा का श्राद्ध 7 सितंबर को होगा और उसी दिन साल का अंतिम चंद्र ग्रहण भी लगेगा। भारत में चंद्र ग्रहण दिखाई देगा इस कारण सूतक लगेगा। ये चंद्र ग्रहण भारत में दिखेगा। यूरोप, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत, अटलांटिक, हिंद महासागर, आर्कटिक और अंटार्कटिका में भी यह दिखेगा। पितृपक्ष में पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध और तर्पण आदि क्रम किए जाते हैं। पितृ पक्ष के दौरान पितर लोक से पितर धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इस दौरान उनके नाम से पूजा पाठ करना उनकी आत्मा को शांति देता है। साथ ही उन्हें मोक्ष मिलता है। पितृपक्ष जिसे श्राद्ध भी कहा जाता है अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए किया जाता है। पितरों की पूजा और तर्पण आदि कार्यों के लिए श्राद्ध पक्ष बहुत ही उत्तम माना जाता है। पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज पितृ लोक से धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इन दिनों में उनके श्राद्ध, तर्पण, और पिंडदान आदि करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि पितरों का श्राद्ध आदि करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पितृपक्ष पितरों को समर्पित है। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरुआत भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि से होती है और अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर इसका समापन होता है। पितृपक्ष यानी श्राद्ध का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है। पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों को श्रद्धा-पूर्वक याद करके उनका श्राद्ध कर्म किया जाता है। पितृपक्ष में पितरों को तर्पण देने और श्राद्ध कर्म करने से उनको मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दौरान न केवल पितरों की मुक्ति के लिए श्राद्ध किया जाता है, बल्कि उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट करने के लिए भी किया जाता है। पितृपक्ष में श्रद्धा पूर्वक अपने पूर्वजों को जल देने का विधान है। पितरों की कृपा नहीं हो, तो जातक की कुंडली में पितृ दोष लगता है। ऐसे लोगों का जीवन दुखों और परेशानियों से भर जाता है। घर परिवार में सुख-शांति नहीं रहती है। आकस्मिक दुर्घटनाएं होती हैं। वैवाहिक जीवन में भी परेशानियां होने लगती हैं। लिहाजा, पितरों की शांति के लिए श्राद्धपक्ष के ये 15 दिन बहुत विशेष होते हैं।

दोपहर में करना चाहिए तर्पण-अर्पण

देवी-देवताओं की पूजा-पाठ सुबह और शाम को की जाती है। पितरों के लिए दोपहर का समय होता है. दोपहर में करीब 12:00 बजे श्राद्ध कर्म किया जा सकता है। सुबह नित्यकर्म और स्नान आदि के बाद पितरों का तर्पण करना चाहिए।

श्राद्ध की तिथियां

7 सितंबर - पूर्णिमा श्राद्ध
8 सितंबर - प्रतिपदा श्राद्ध
9 सितंबर - द्वितीया श्राद्ध
10 सितंबर - तृतीया श्राद्ध - चतुर्थी श्राद्ध
11 सितंबर - पंचमी श्राद्ध
12 सितंबर - षष्ठी श्राद्ध
13 सितंबर - सप्तमी श्राद्ध
14 सितंबर - अष्टमी श्राद्ध
15 सितंबर - नवमी श्राद्ध
16 सितंबर - दशमी श्राद्ध
17 सितंबर - एकादशी श्राद्ध
18 सितंबर - द्वादशी श्राद्ध
19 सितंबर - त्रयोदशी श्राद्ध
20 सितंबर - चतुर्दशी श्राद्ध
21 सितंबर - सर्व पितृ अमावस्या
22 सितंबर - मातामह नान श्राद्ध

चंद्र ग्रहण से 1 दिन पहले इन 4 राशियों के जीवन में लगने वाला है ग्रहण

साल का अंतिम चंद्र ग्रहण 7 सितंबर को लगेगा, लेकिन इससे एक दिन पहले 6 सितंबर को राहु और चंद्रमा शनि की राशि में युति जिससे ग्रहण योग बनेगा। ग्रहण योग सूर्य, चंद्रमा और राहु-केतु के एक साथ या एक-दूसरे के प्रभाव में आने से बनता है, जिससे व्यक्ति के जीवन में मानसिक अस्थिरता, भावनात्मक उतार-चढ़ाव, करियर में रुकावटें और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ सकती है। चंद्र ग्रहण से पहले बन रहा खतरनाक ग्रहण योग धनु राशि वालों को आर्थिक मोर्चे पर चोट पहुंचाएगा। बेवजह किसी अपने से विवाद हो सकता है, वाणी पर कंट्रोल रखें। कानूनी मामले तक बात पहुंच सकती है।

मीन राशि वालों को ग्रहण योग के प्रभाव से धन संकट गहरा सकता है, इतना कि किसी के सामने हाथ फैलाने की नौबत आ सकती है, अभी से सेविंग्स करके चलें। कोई बड़ा खर्चा न करें। परिवार के साथ रिश्ते अच्छे रखें।

कन्या राशि को करियर में कोई भी फैसला लेने में जल्दबाजी नहीं करना चाहिए, ग्रहण योग से हानि हो सकती है। मानसिक तनाव हो सकता है।

चंद्रमा राहु की युति से मिथुन राशि के लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। इस राशि के लोगों का वाद-विवाद हो सकता है, इसलिए ऐसे मामलों से दूर रहें। वहीं पैसे से जुड़े मामलों में भी सावधानी बरतें।

पितृ पक्ष में भूलकर भी न बनाएं ये दो सब्जी, भूखे लौट जाते हैं पितर

पितृ पक्ष 7 सितंबर से 21 सितंबर तक रहेंगे। इस दौरान पूर्वजों की मृत्यु तिथि पर श्राद्ध कर्म के अलावा ब्राह्मण भोजन कराया जाता है, मान्यता है इससे पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। वह तृप्त रहते हैं। पितरों के भोजन में कभी भी बंद पत्ता गोभी और कुम्हड़ा की सब्जी नहीं बनानी चाहिए। न ही इसे ब्राह्मण को खिलाएं क्योंकि पितर ये सब्जियां ग्रहण नहीं करते हैं और वह अतृप्त होकर लौट जाते हैं, ऐसे में परिवारजन को दोष लगता है।

पितृ पक्ष अश्विन माह में आते हैं। ऐसे में इस दौरान शकरकंद, मूली, गाजर, शलजम, चुकंदर, अरबी, सूरन इस तरह की सभी सब्जियों को खाने से परहेज करना चाहिए। पितृ पक्ष अश्विन माह में आते हैं। ऐसे में इस दौरान शकरकंद, मूली, गाजर, शलजम, चुकंदर, अरबी, सूरन इस तरह की सभी सब्जियों को खाने से परहेज करना चाहिए। चने की दाल, सत्तू, मसूर और उड़द की दाल भी पितृ पक्ष में खाने को मना किया जाता है। पितृ पक्ष में श्राद्ध के भोजन में भूल से भी प्याज और लहसुन का इस्तेमाल न करें। साथ ही स्वच्छता से भोजन बनाएं, स्नान करने के बाद, चप्पल न पहनें।

सर्व पितृ अमावस्या पर सूर्य ग्रहण कैसे और कब कर पाएंगे श्राद्ध ?

इस साल पितृ पक्ष की समाप्ति सूर्य ग्रहण से हो रही है, 21 सितंबर को सर्व पितृ अमावस्या पर सभी पितरों को श्रद्धांजलि दी जाएगी लेकिन इस दिन ग्रहण का साया मंडरा रहा है। सूर्य ग्रहण भारतीय समय अनुसार रात 10.59 से देर रात 3.23 तक रहेगा, रात में लगने के कारण भारत में सूर्य ग्रहण नहीं दिखाई देगा, इसका सूतक भी मान्य नहीं होगा। इसका मतलब है कि सर्व पितृ अमावस्या पर भारत में श्राद्ध कर्म करने वालों पर ग्रहण का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। सूतक न होने से पूरे दिन अमावस्या से जुड़े सभी धर्म-कर्म कर सकते हैं।

सर्व पितृ अमावस्या पर श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान के लिए सुबह 11.50 से दोपहर 1.27 तक मुहूर्त है। इस दौरान आप पूर्वजों की बिना रुकावट पूजा कर सकते हैं। ब्राह्मण भोजन करा सकते हैं। दोपहर के समय के स्वामी पितर देव माने जाते है, इसलिए गाय के गोबर से बने कंडे (उपले) जलाएं और पितरों का ध्यान करते हुए अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों को तर्पण दें। अमावस्या की शाम को पीपल की पूजा भी करें, इसके नीचे सरसों के तेल का दीपक लगाएं, और सरोवर में दीपदान करें, इससे पितरों को अपने लोक लौटन में आसानी होती है।

पितृ पक्ष में करें ये आसान वास्तु उपाय, हर काम में मिलेगी तरक्की और मानसिक शांति

पितृ पक्ष हिन्दू धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है। यह समय अपने पूर्वजों को याद करने, उनके प्रति सम्मान दिखाने और उनके आशीर्वाद पाने का होता है। इस दौरान धर्मशास्त्रों के अनुसार कुछ वास्तु उपाय करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, मन की शांति बढ़ती है और जीवन के हर क्षेत्र में तरक्की मिलती है। अगर आप भी इस पवित्र समय का पूरा लाभ उठाना चाहते हैं, तो ये आसान वास्तु टिप्स अपनाएं।

* **पूर्व या उत्तर दिशा में रखें पूजा का स्थान:** घर के पूजा स्थल को हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में बनाएं। इन दिशाओं से सकारात्मक ऊर्जा आती है। इस दौरान पितृ पक्ष में दीपक जलाना और अपने पूर्वजों की तस्वीर या स्मृति स्थल पर फूल चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है।

* **घर की साफ-सफाई और अव्यवस्था दूर करें:** वास्तु के अनुसार घर की अव्यवस्था और गंदगी नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है। पितृ पक्ष में घर के हर कोने की सफाई करें। खासकर पूजा स्थल, पूर्व और उत्तर दिशा के कमरे और मुख्य दरवाजों को साफ रखें।

* **पानी का सही स्थान और उपयोग:** घर में पानी की सकारात्मक दिशा पूर्व या उत्तर में होनी चाहिए। इस दिशा में किसी फव्वारे या वाटरप्लांट का होना शुभ माना जाता है। पितृ पक्ष में पानी में हल्का सा नमक मिलाकर इसे पूर्वजों के नाम से घर के मुख्य दरवाजे पर या पूजा स्थल में छोड़ना भी शुभ है।

* **दान और पुण्य कार्य करें:** पितृ पक्ष में किसी गरीब या जरूरतमंद को अनाज, कपड़े या पैसे का दान देना अत्यंत शुभ माना जाता है। वास्तु के अनुसार इससे घर में सुख-शांति और तरक्की बढ़ती है।

* **अवांछित चीजें घर से बाहर करें:** पुराने, टूटी-फूटी और बेकार चीजें घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ाती हैं। इस समय उन्हें दान करें या सही तरीके से निकाल दें। घर को हल्का और व्यवस्थित रखने से मन की शांति और सकारात्मकता बढ़ती है।

पितृ पक्ष सिर्फ पूर्वजों को याद करने का समय नहीं, बल्कि अपने घर और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाने का भी अवसर है। इन सरल वास्तु उपायों को अपनाकर आप अपने घर और परिवार में सुख, शांति और तरक्की ला सकते हैं। याद रखें, छोटे-छोटे बदलाव भी बड़ा असर डालते हैं।

संपादकीय

संकल्पों का सम्मान

शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक संपन्न हुई जिसमें दोनों नेताओं ने सीमा विवाद के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान की दिशा में काम करने पर जोर दिया। वैश्विक व्यापार को स्थिर करने की दिशा में काम करने का भी संकल्प लिया। इस बैठक में दोनों नेताओं ने इस बात पर भी सहमति व्यक्त की कि दोनों देश प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि विकास में साझेदार हैं। दोनों नेताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों पक्षों के बीच मतभेद विवादों में नहीं बदलने चाहिए। दोनों ही नेताओं ने अमेरिका की टैरिफ संबंधी नीति के कारण पैदा हुई आर्थिक उथल-पुथल के बीच वैश्विक व्यापार को स्थिर करने में अपनी अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को भी स्वीकार किया। दोनों देशों ने सीमा पर शांति प्रबंधन की जरूरतों पर सहमति जताई, दोनों देशों में कैलाश मानसरोवर यात्रा की शुरुआत पर सहमति तथा उड़ान फिर से शुरू करने पर सहमत हुईं। दरअसल भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए राष्ट्रपति शी ने ही अपनी समकक्ष भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे पत्र में की थी, इसलिए रविवार को हुई दोनों देशों के शासनाध्यक्षों के बीच बैठक के दौरान चीन का पक्ष बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाएगा। राष्ट्रपति शी का यह कहना कि दोनों देशों का मित्र बनना सही विकल्प है और उन्हें सीमा विवाद को अपने संबंधों को परिभाषित नहीं करने देना चाहिए। राष्ट्रपति शी ने हाथी यानि भारत और ड्रैगन यानि चीन को एक दूसरे की सफलता का मिलकर जश्न मनाना चाहिए। चीनी राष्ट्रपति ने इस वर्ष दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों को अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना एवं संभालना होगा ताकि इसका निरंतर मजबूत और स्थिर विकास सुनिश्चित हो सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति शी से कहा कि भारत आपसी विश्वास, सम्मान एवं संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि दोनों देश के बीच सहयोग 2.8 अरब लोगों के कल्याण से जुड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी से यह भी कहा कि सीमा से सैनिकों की वापसी के बाद अब शांति और स्थिरता का माहौल है। हमारे प्रतिनिधि सीमा प्रबंधन पर भी एक समझौते पर पहुंच गए हैं। सच बात तो यह है कि दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूती देने में सीमा विवाद की उपेक्षा नहीं की जा सकती। इसलिए दोनों नेताओं को एक ऐसा मैकेनिज्म विकसित करने की जरूरत है जिससे फौजी खुद कोई फैसला करने पर मजबूर न हों। राष्ट्रपति शी का यह कहना तो बहुत आसान है कि सीमा विवाद को अपने संबंधों को परिभाषित नहीं होने देना चाहिए किन्तु सीमा विवाद एक ऐसा संवेदनशील मुद्दा है जिसे नजरंदाज करना मुश्किल ही नहीं बल्कि असंभव है। यही कारण है कि राष्ट्रपति शी का यह विचार कि दोनों देशों की मित्रता का संबंध बनाकर रहना चाहिए, पूरा होते नहीं दिखता। इसलिए दोनों देशों को चाहिए कि वे ईमानदारी से सीमा संबंधी मैकेनिज्म को विकसित करने पर जोर दें और साथ अपने उपभोक्ताओं को एक दूसरे के उत्पादों की खरीद के लिए खोल दें और कोशिश करें कि व्यापार संतुलन कायम हो तथा बना रहे। यह सच है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ टेरर से भारत और चीन की नजदीकियां बढ़ी हैं किन्तु दोनों देशों को चाहिए कि वे दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाले दोनों देशों के आपसी संबंधों को स्थिर एवं भरोसेमंद बनाने के लिए दोनों देशों को एक दूसरे की जरूरतों को महसूस भी करना होगा। बहरहाल देखना यह है कि चीन ने मित्रता और सहयोग की जितनी बातें की हैं क्या उन्हें वह व्यवहार रूप में सार्थक कर सकेगा! यदि चीन पहल करता है तो भारत की तरफ से अपने संकल्पों को पूरा करने की पूरी कोशिश होगी। यदि ऐसा हुआ तो अब दुनिया में एशिया के इन दोनों देशों को कोई भी नजरंदाज नहीं कर पाएगा। इसलिए दोनों के लिए आज दिए गए वचनों एवं किए गए संकल्पों का सम्मान दोनों के हित में है।

> वैश्विक व्यापार को स्थिर करने की दिशा में काम करने का भी संकल्प लिया। इस बैठक में दोनों नेताओं ने इस बात पर भी सहमति व्यक्त की कि दोनों देश प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि विकास में साझेदार हैं। दोनों नेताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों पक्षों के बीच मतभेद विवादों में नहीं बदलने चाहिए। दोनों ही नेताओं ने अमेरिका की टैरिफ संबंधी नीति के कारण पैदा हुई आर्थिक उथल-पुथल के बीच वैश्विक व्यापार को स्थिर करने में अपनी अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को भी स्वीकार किया। दोनों देशों ने सीमा पर शांति प्रबंधन की जरूरतों पर सहमति जताई, दोनों देशों में कैलाश मानसरोवर यात्रा की शुरुआत पर सहमति तथा उड़ान फिर से शुरू करने पर सहमत हुईं। दरअसल भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए राष्ट्रपति शी ने ही अपनी समकक्ष भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे पत्र में की थी, इसलिए रविवार को हुई दोनों देशों के शासनाध्यक्षों के बीच बैठक के दौरान चीन का पक्ष बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाएगा। राष्ट्रपति शी का यह कहना कि दोनों देशों का मित्र बनना सही विकल्प है और उन्हें सीमा विवाद को अपने संबंधों को परिभाषित नहीं करने देना चाहिए।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने तेज गति पर फोड़ा सड़क हादसों का ठीकरा

सड़क हादसेः बेसुध प्रशासन, लाचार सरकार

प्रमोद भार्गव

देश में सड़क दुर्घटनाओं को लेकर 2023 की नई रिपोर्ट आई है, लेकिन हाल वही पुराना है। बीते वर्श की तुलना में 4.2 प्रतिशत हादसे बढ़ गए, इनमें जान गवांने वालों की संख्या भी बढ़ गई। षासन और प्रशासन ने बड़े हादसों का ठीकरा वाहनों की तेज रफ्तार पर फोड़कर अपनी चिंता पूरी कर ली। केंद्रिय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नीतिन गडकरी सड़क हादसों का दोशी अकर्मण्य आधिकारियों को जता देते हैं, लेकिन जब यह निकम्मे हैं, तो इन पर कार्यवाही क्यों नहीं होती। अतएव रिपोर्ट का निश्कर्श है कि प्रशासन बेसुध है और सरकार नौकरशाही के आगे लाचार है। देशभर में इस साल जनवरी से जून के बीच केवल राश्ट्रीय राजमार्गों पर हुई दुर्घटनाओं में 26,770 लोगों ने प्राण गंवा दिए हैं। नीतिन गडकरी ने संसद के मानसून सत्र में राज्यसभा में लिखित जानकारी सांसद संबित पात्रा के प्रश्न के उत्तर में दी थी। गडकरी ने बताया था कि सरकार 2022 से प्रत्येक वर्श राज्यों और केंद्र षासित प्रदेशों से मिले आंकड़ों के आधार पर भारत में 'सड़क दुर्घटनाएं' षीर्शक से रपट प्रकाशित करती है। देशभर में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों के प्रबंधन और विश्लेशण के लिए 'इलेक्ट्रोनिक डिटेल' एक्सिडेंट रिपोर्ट (ई-डार) पोर्टल विकसित किया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में 53,372 लोगों ने और 2024 में 52,609 लोगों के प्राण चले गए थे और 2025 के बीते छह माह में 26,770 लोगों की मौतें हुई हैं। देश में सड़कों पर एक्सप्रेस हाइवे, चौड़ीकरण और ग्रामों में सड़कों के विस्तार के चलते जिस अनुपात में रफ्तार की सुविधा बढ़ी है, उसी अनुपात में दुर्घटनाएं भी बढ़ रही हैं। पूरे देश में एक्सप्रेस-वे पर निरंतर दुर्घटनाएं घट रही हैं। यह चिंता की बात है कि आखिर ये हादसे क्यों हो रहे हैं? केंद्र सरकार ने नवंबर 2022 में जानकारी दी थी कि देशभर में हुई कुल सड़क दुर्घटनाओं में 32.9 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे पर घटी हैं। इनकी वजह तेज गति रही है। साल है कि जब तेज रफ्तार से हादसे हो रहे हैं, तो इन्हें रोकने के उपाय क्या किए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों में तो गति राडार लगाए गए हैं। व्यावसायिक वाहनों में भी स्पीड गवर्नर लगाने की योजना है, लेकिन वह ठंडे बस्ते में पड़ी है। यह योजना इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम है। इसे वाहन की ईंधन प्रदाय प्रणाली से जोड़ा जाता है, जो गति बढ़ाने के लिए अतिरिक्त तेल इंजन में जाने ही नहीं देती है। दुर्घटनाओं के बढ़ने का एक बड़ा कारण देश को कार और दो पहिया वाहनों से पाट देना भी है। षराब पीकर वाहन चलाना भी दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण है।

अब तक यह आम धारणा बनी हुई है कि सड़क हादसे राजमार्गों पर अधिक होते हैं। किंतु सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क दुर्घटनाओं को लेकर एक नई तस्वीर पेश की है। इससे पता चला है कि राजमार्गों से कहीं अधिक हादसे भीतरी सड़कों पर भी होने लगे हैं। यह वाकई हकीकत है। ग्रामीण इलाकों में जबसे ट्रेक्टर, बाइक और कार-जीपों की संख्या बढ़ी है, तब से इन छोटे समझे जाने वाले मार्गों पर

दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बीते दो दशकों के भीतर गांव-गांव सड़कें पहुंची हैं और उसी तादाद में वाहन भी बढ़े हैं। विडंबना यह भी रही कि इसी दौरान गांव-गांव षराब की वैध-अवैध बिक्री भी षुरू हो गई, जो दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बन रही है। सड़क हादसों में भारत को हर साल मानव संसाधन का सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ता है। अंतरराश्ट्रीय सड़क संगठन (आईआरएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में सड़क हादसों में होने वाली मौतों में भारत की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से ज्यादा हैं। इस जानकारी के अनुसार 12.5 लाख लोगों की दुनिया में प्रतिवर्श सड़क हादसों में मौतें होती हैं, इनमें सर्वाधिक भारत में होती है। जो परिवार हादसे में अपने परिजन को गंवाता है, उस पर पांच लाख रुपए का औसतन अतिरिक्त बोझ पड़ता है। सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाओं में षराब पीकर वाहन चलाना, नाबालिग बाइकर्स का सड़कों पर बेलगाम होना भी हैं, वहीं देश में बढ़ते सड़क हादसों के कारण राश्ट्रीय राजमार्गों में भी तलाशे जा रहे हैं। दरअसल देश में हरेक साल करीब डेढ़ लाख लोग मारे जाते हैं और चार से पांच लाख घायल होते हैं, उनमें ज्यादातर युवा होते हैं। दूसरी तरफ सरकार राजमार्गों पर ऐसे स्थल तलाश रही है, जहां अधिकतम दुर्घटनाएं होती हैं। इसके बाद इन स्थलों पर ऐसे सुधार किए जाएंगे, जिससे घटनाएं कम हों। राजमार्ग लंबे व तेज गति के सफर के लिए होते हैं। इसलिए अक्सर वाहनों की गति तेज रहती है। भारी मालवाहक वाहन राजमार्गों से ही गुजरते हैं। ऐसे में यदि वाहन चालकों को आसानी से षराब की उपलब्धता दिखाई दे तो उसके प्रति स्वाभाविक रूप से लालच पैदा हो जाता है। इसके सेवन के साथ ही खतरे की आशंका बढ़ जाती है। राजमार्गों पर हर पांच किलोमीटर की दूरी पर औसतन षराब की तीन दुकानें हैं। इस बाबत पूर्व प्रधान न्यायाधीश टीएस ठाकुर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने शराब लॉबी के दबाव में अंधाधुंध परमिट बांटने की प्रवृत्ति पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि, 'शराब के भयावह सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर खूब चर्चा की जाती है, लेकिन संवैधानिक निर्देश के बावजूद सरकारें शराब पर अंकुश लगाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखा पाती हैं। शराब कारोबारी भी धन के बूते ऐसी पहलों को व्यर्थ कर देते हैं और सरकारें राजस्व कमाई की दुहाई देकर शराब की बिक्री जारी रखती हैं।' पिछले डेढ़ दशक में देशभर की सड़कों पर क्षमता से अधिक वाहन आए हैं। अतएव उसी अनुपात में हादसे भी बढ़े हैं। इन हादसों में ज्यादातर मरने वाले लोगों में 40 फीसदी, 26 से 45 आयुवर्ग के होते हैं। यही वह महत्वपूर्ण समय होता है, जब इन पर परिवार के उत्तरदायित्व के निर्वहन का सबसे ज्यादा दबाव होता है। ऐसे में दुर्घटना में प्राण गवां चुके व्यक्ति के परिजनों पर सामाजिक, आर्थिक और आवासीय समस्याओं का संकट एक साथ टूट पड़ता है। इन हादसों में 19 से 25 साल के इतने युवा मारे जाते हैं, जितने लोग कैंसर, टीबी और मलेरिया से भी नहीं मरते। ये हादसे मानवजन्य विसंगतियों को भी बढ़ावा दे रहे हैं। आबादी में पीढ़ी व आयुवर्ग के अनुसार जो अंतर होना चाहिए, उसका संतुलन भी गड़बड़ा रहा है। यदि सड़क पर गति को नियंत्रित नहीं किया गया तो सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या इतनी बढ़ जाएगी कि षायद आबादी नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन की जरुरत ही नहीं रह जाएगी? यातायात सुचारु रूप से संचालित हो, इसके लिए जापान, अमेरिका और सिंगापुर के यातायात कानून से भी सीख लेने की बात कही जा रही है। खासतौर से यूरोपीय देशों में अंतरराश्ट्रीय स्तर पर एक आचार संहिता लागू है, जिसका ज्यादातर देश पालन करते हैं। इस संहिता के मुताबिक यदि किसी कार की गति 35 किमी प्रति घंटा है, तो दो कारों के बीच की दूरी 74 फीट होनी चाहिए। 40 मील प्रतिघंटा की रफ्तार होने पर यह अंतर 104 फीट और 45 फीट की गति पर यह अंतर 132 फीट होना चाहिए। संहिता में चालकों के नियम भी तय किए गए हैं। यदि चालक की मुट्ठी बंद करने की ताकत पौने सोलह किलोग्राम से कम निकलती है तो माना जाना चाहिए कि यह व्यक्ति वाहन चलाने लायक नहीं है। संहिता की षर्त के मुताबिक वाहन चलाने लायक उस व्यक्ति को माना जाएगा जो 20 मीटर आगे चल रहे वाहन का नंबर आसानी से पढ़ ले। हमारे यहां तो 80 साल के षक्ति और दृश्टि से कमजोर हो चुके बुजुर्ग भी सड़कों पर वाहन चलाते खूब देखे जाते हैं। फिर वाहनों के अनुपात में हमारी सड़कों पर जगह भी नहीं है। 74 फीट दूरी बनाएं रखने की बात तो छोड़िए, देश के महानगरों में 2 से 5 फीट की दूरी वाहनों के बीच बनाए रखना मुश्किल हो रहा है। जाहिर है, हम लायसेंस प्रणाली को श्रेश्ठ बनाने के लिए बात भले दुनिया के देशों का अनुकरण करने की करें, लेकिन नतीजे कारगर निकलें ऐसी उम्मीद कम ही है? लिहाजा सड़कों से वाहन कम किए बिना दुर्घटनाओं से छुटकारा मुश्किल है। दूसरी तरफ कार एवं बाइक लॉबी हमारे यहां इतनी मजबूत है कि वह कारों के उत्पादन में कमी लाने नहीं देगी, बल्कि उसकी तो कोशिश है कि कारें सड़कां पर निर्बाध चलें। इसके लिए पदयात्री, साइकिल, तांगा और साइकिल रिक्शा को ही सड़कों से हटा दिया जाए।

> देशभर में इस साल जनवरी से जून के बीच केवल राश्ट्रीय राजमार्गों पर हुई दुर्घटनाओं में 26,770 लोगों ने प्राण गंवा दिए हैं। नीतिन गडकरी ने संसद के मानसून सत्र में राज्यसभा में लिखित जानकारी सांसद संबित पात्रा के प्रश्न के उत्तर में दी थी। गडकरी ने बताया था कि सरकार 2022 से प्रत्येक वर्श राज्यों और केंद्र षासित प्रदेशों से मिले आंकड़ों के आधार पर भारत में 'सड़क दुर्घटनाएं' षीर्शक से रपट प्रकाशित करती है। देशभर में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों के प्रबंधन और विश्लेशण के लिए 'इलेक्ट्रोनिक डिटेल' एक्सिडेंट रिपोर्ट (ई-डार) पोर्टल विकसित किया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में 53,372 लोगों ने और 2024 में 52,609 लोगों के प्राण चले गए थे और 2025 के बीते छह माह में 26,770 लोगों की मौतें हुई हैं।

देश दुनिया से

प्राकृतिक आपदा या 'डीप स्टेट' का वेदर वार

ऐसे में एक ही स्थान पर बार-बार बादल फटने, निरंतर बारिश होने, सूखे स्थानों पर बाढ़ आने जैसी स्थितियां 'डीप स्टेट' के षड्यंत्रकारी प्रहार की संभावना को बल प्रदान करतीं है। इस हेतु देश को व्यापक तैयारी करने की आवश्यकता है तभी प्रावृतिक प्रकोप की आड़ में प्रहार करने वालों से निपटा जा सकेगा। विभिन्न स्थानों पर बाढ़ का प्रकोप चरमसीमा पर है। अनेक स्थानों पर जलपल्लय जैसी स्थितियां निंमित हो रहीं हैं। एक ही क्षेत्र में कईं बार बादल फटने जैसी घटनायें सामने आ रहीं हैं। मौसम वैज्ञानिक भी अचानक होने वाले इन वायुमण्डलीय परिवर्तनों पर आर्यचकित हैं। आम आवाम इसे प्रवृति विरुद्ध किये जाने वाले मानवीय वृत्यों की परिणति के रूप में देख रहा है। उसका मानना है कि पर्यावरणीय संतुलन की अनदेखी करते हुए स्वार्थ परूति हेतु चन्द लोगों ने मनमाने तरीके संगठित रूप से अपनाये, प्रावृतिक संपदा का खतरनाक दोहन किया और संजोया वर्चस्व की जंग में जीत का सपना। परमाणु विस्फोट, जंगीय घटनायें और उपग्रहों जैसे कारक इस सबके लिए उत्तरदायी माने जा रहे हैं। इस आमराय के अलावा 'डीप स्टेट' के षडयंत्रकारी वेदर वार की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। विगत वुछ दिनों में विश्व के अनेक हिस्सों में भीषण बाढ की स्थितियां सामने आईं है जिनमें भारी तबाही हुईं है। अतीत के पन्ने पलटें तो स्थिति भयावह दिखाईं पडती है। उदाहरण के लिए केवल अमेरिका के टेक्सास राज्य में गत माह आईं भीषण बाढ़ को ही ले लें तो वहां की तबाही, आरोपों-प्रत्यारोपों का गर्म होता बाजार और 'डीप स्टेट' का ज्वलंत होता मुद्दा आज विश्वव्यापी हो गया है। ग्वाडालूप नदी में अचानक पानी बढ़ने से केर काउंटी समेत कईं इलाकों में जलपल्लय जैसे हालात बन गए थे। केर काउंटी में रिकॉर्ड 11 इंच बारिश से अचानक बाढ़ आ गईं और मात्र 45 मिनट में ही पूरा शहर पानी में डूब गया था। इस मूसलाधार बारिश के कारण प्रति घंटे 2-3 इंच तक बारिश दर्ज हुईं जिससे टेक्सास हिल वंट्री और ग्वाडालूप नदी के किनारों को सीधा प्रभावित किया। ग्वाडालूप नदी का जलस्तर 45 मिनट में 26 फीट से ज़्यादा और सुबह तक 37.52 फीट की ऊंचाईं को छूने लगा, जो एक कीर्तिमान है। इस संबंध में प्रावृतिक आपदा के सामान्य सिद्धान्त के अलावा एक 'वंस्पिरेसी थ्योरी' भी सामने आईं है जिसमें दावा किया जा रहा है कि यह प्रावृतिक आपदा नहीं बल्कि 'वेदर वार' था, जो पूरी तरह से मानव निंमित था अर्थात 'वेदर' को 'वेपन' बनाकर प्रहार किया गया था। इस कारक को अनेक अमेरिकी अधिकारी भी समर्थन दे हैं। क्यू-एनोन समुदाय के सदस्यों के अनुसार यह 'क्लाउड सीडिग' है जिसके तहत सिल्वर आयोडाइड, ड्राईं आइस जैसे तत्वों की सहायता से इस तरह की स्थितियां निंमित की जाती हैं। 'वेटरन्स आन पेट्रोल' नामक संस्था के संस्थापक माइकल मेयर ने कहा कि टेक्सास पर वेदर वेपन से हमला हुआ है, जिसमें बच्चों की मौतें हुईं हैं, ये देशद्रोह है। महिला संगठन 'वोमेल फार अमेरिका फस्ट' की डायरेक्टर वैंडिस टेलर ने कहा कि पेक बाढ़, पेक तूफान, सब नकली है। पूर्व स्पेशल फोर्स के कमांडर पीट चेम्बर्स ने सवाल उठाते हुए इसी तरह के विचार व्यक्त किये है। एनएसए अधिकारी माइकल फ्लिन ने कहा कि क्या कोईं बता सकता है, ये किसने किया? रिपब्लिकन सांसद मार्जरी टेलर ग्रीन ने तो संसद में एक बिल लाने की घोषणा तक कर दी जिसमें किसी भी तरह के रसायनों को वायुमंडल में छोड़कर मौसम बदलने की कोशिश को अपराध माना जाएगा। टास्क फोर्स ने तो बिलगेट्स, पीटर थिल तथा क्लिंटन फाउंडेशन तक पर वेदर वार करने के आरोप लगाये हैं। उल्लेखनीय है कि बिलगेट्स ने अपने बचपन के दोस्त पॉल एलन के साथ मिलकर 'माइव्रोसॉफ्ट' की स्थापना की थी जबकि पीटर थिल को 'पे पाल' के सहसंस्थापकों के रूप में जाना जाता है। 'बिल क्लिंटन फाउंडेशन' तो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन द्वारा स्थापित की गईं थी। दूसरी ओर 'डीप स्टेट' पर लगाये जा रहे आरोपों का खण्डन करते हुए ॉस्टन के मौसम वैज्ञानिक मैट लांजा ने कहा कि 'क्लाउड सीडिग' से इतनी बड़ी बाढ़ संभव नहीं। पहले से मौजूद मौसमी परिस्थितियां ही इस तबाही के लिए जिम्मेदार थीं। 'रेनमेकर' नामक 'क्लाउड सीडिग' वंपनी के संस्थापक अगस्टस डोरिको ने कहा कि हम कोईं 'डीप स्टेट' प्लांट नहीं हैं और न ही बिल गेट्स या सीआईंए से जुड़े हैं, हम पारर्दशिता के पक्षधर हैं। रिपब्लिकन सीनेटर टेड व्रूज ने कहा कि ऐसी बातों का कोईं वैज्ञानिक आधार नहीं है। डीप स्टेट से जुडे लोग इस बात को प्रचारित करने में जुटे है कि इस बारिश का कारण उष्णकटिबंधीय तूफान बैरी के अवशेषों और मेसोस्केल कन्वेक्टिव वोर्टेक्स यानी एमसीवी के मिलना है। अमेरिका के इस उदाहरण के आधार पर भारत सहित अन्य देशों में आकार ले रहे वंषा के दावानल को वैज्ञानिक नजरिये, पर्दे के पीछे से चल रहे षड्यंत्रकारी प्रयोगों और अत्याधुनिक तकनीक के आधार पर समझना बेहद आवश्यक है। 'डीप स्टेट' की कारगुजारियों को जहां टास्क फोर्स सहित अनेक संगठन और वैज्ञानिक रेखांकित कर रहे हैं वहीं 'रेनमेकर' नामक 'क्लाउड सीडिग' वंपनी के संस्थापक अगस्टस डोरिको का यह कहना कि हम कोईं 'डीप स्टेट' प्लांट नहीं हैं और न ही बिल गेट्स या सीआईंए से जुड़े हैं, अपने आप में अनेक प्रश्नों के उत्तर प्रदान कर देता है। इस संबंध में वैदिक ग्रन्थ भी प्रमाण के रूप में उपलब्ध हैं जिनमें सतयुगकालीन देव-दैत्व युद्ध, त्रेताकालीन राम-रावण युद्ध तथा द्वापरकालीन महाभारत को रेखांकित किया गया है। इन युद्धों में अग्निबाणों को समाप्त करने हेतु जलबाण चलाये गये थे यानी वंषा करने वाले शस्त्र उस समय के परा विज्ञान के दिग्गजों के पास उपलब्ध थे। उस समय विमान, अमोघ शस्त्र, कवच आदि होने की बात कही गईं है जो वर्तमान में वायुयान, मिसाइल, डिफेंस सिस्टम के रूप में निरंतर विकसित हो रहे हैं। ऐसे में एक ही स्थान पर बार-बार बादल फटने, निरंतर बारिश होने, सूखे स्थानों पर बाढ आने जैसी स्थितियां 'डीप स्टेट' के षडयंत्रकारी प्रहार की संभावना को बल प्रदान करतीं है। इस हेतु देश को व्यापक तैयारी करने की आवश्यकता है तभी प्रावृतिक प्रकोप की आड़ में प्रहार करने वालों से निपटा जा सकेगा।

> मौसम वैज्ञानिक भी अचानक होने वाले इन वायुमण्डलीय परिवर्तनों पर आर्यचकित हैं। आम आवाम इसे प्रवृति विरुद्ध किये जाने वाले मानवीय वृत्यों की परिणति के रूप में देख रहा है। उसका मानना है कि पर्यावरणीय संतुलन की अनदेखी करते हुए स्वार्थ परूति हेतु चन्द लोगों ने मनमाने तरीके संगठित रूप से अपनाये, प्रावृतिक संपदा का खतरनाक दोहन किया और संजोया वर्चस्व की जंग में जीत का सपना। परमाणु विस्फोट, जंगीय घटनायें और उपग्रहों जैसे कारक इस सबके लिए उत्तरदायी माने जा रहे हैं।

आप का नजरिया

तुरंत मदद जरूरी

कई दशकों की सबसे बड़ी विनाशकारी बाढ़ की त्रासदी झेल रहे पंजाब में जन-धन की व्यापक क्षति हुई है। खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस-नहस किया, पशु धन की बर्बादी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। नागरिक इस संकट के वक्त में शासन से जिस सहानुभूति और निर्णायक मदद की कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, उसके बजाय नौकरशाही की सुस्ती और नाममात्र की घोषणाओं ने उन्हें निराश किया है। इस संकट की घड़ी में वे तंत्र की काहिली बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं है कि पंजाब पहले ही कृषि संकट से जूझ रहा था। लेकिन बाढ़ की तबाही ने उसके बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और गंभीर बना दिया है। किसानों को अब सामान्य स्थिति बहाल करने में सालों लग जाएंगे। इसी तरह हिमाचल लगातार दूसरे वर्ष भी अतिवृष्टि जनित व्यापक तबाही की मार झेल रहा है। आपदाग्रस्त हिमाचल में सड़कों का ताना-बाना बिखर गया है। बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि ने व्यापक जन-धन की हानि की है। राज्य अभी बीते वर्ष की आपदा के जख्मों से उबरा नहीं था कि इस साल अतिवृष्टि ने भयावह तबाही का मंजर पैदा कर दिया। तमाम इलाकों से भूस्खलन और तबाही की खबरें आ रही हैं। राज्य ढहे पुलों और फंसे पर्यटकों के संकट से जूझ रहा है। इससे इस संवेदनशील पहाड़ी राज्य की अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ गई है। इसी तरह हरियाणा के अनेक गांव मुख्य भू-भाग से कट गए हैं। सड़कें नष्ट हुई हैं और मवेशी बह गए हैं। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाओं और बाढ़ ने व्यापक जन-धन की हानि की है। बाढ़ ने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया है। जिसके चलते राज्य का नाजुक सामाजिक और आर्थिक ताना-बाना बिगड़ गया है। केंद्र सरकार आपदा राहत की अनुग्रह राशि के चेक देकर और राहत से जुड़े बयानों तक सीमित नहीं रह सकती। इन राज्यों में विनाश के स्तर को देखते हुए तत्काल और ठोस हस्तक्षेप करने की जरूरत है। वक्त की मांग है कि इन क्षेत्रों के लिये विशेष राहत पैकेज की घोषणा हो। आपदा राहत निधि का त्वरित वितरण किया जाए। इसके साथ ही जरूरी है कि पीड़ित परिवारों को तुरंत सीधा वित्तीय हस्तांतरण किया जाए। यदि समय रहते ऐसे कदम नहीं उठाए जाते तो जनाकांक्षाओं के साथ छल ही होगा। केंद्र सरकार को राज्य पर सिर्फ जिम्मेदारी थोपते हुए ॠण को केंद्रीयकृत करने की अपनी प्रवृत्ति को त्यागना होगा। बाढ़ से बेहाल हुए पंजाब को राहत देने के लिये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य के बकाया साठ हजार करोड़ रुपये की मांग की है। निस्संदेह, जब पंजाब बाढ़ के गंभीर संकट से जूझ रहा है तो केंद्र से तत्काल सहायता पाना उसका हक बनता है। इसके साथ ही यहां यह भी जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकार आपस में संवादहीनता की स्थिति को खत्म करें। दोनों सरकारें स्वीकार करें कि बाढ़ का संकट गंभीर है और लोगों को राहत पहुंचाना दोनों सरकारों की प्राथमिकता बने। इस संकट की घड़ी से उबरने के लिये राजनीतिक मतभेदों को तत्काल दूर करने की आवश्यकता है। निस्संदेह, केंद्र सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावितों के लिये तत्काल मदद के रास्ते में आने वाली हर बाधा को दूर करने की जरूरत है। बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास, शीघ्र जल निकासी और राज्य सरकार और गैर सरकारी संगठनों के मजबूत समन्वय के लिए तत्काल आर्थिक सहायता की जरूरत है। इस संकट की घड़ी का मुकाबला सभी पक्षों के तालमेल व ईमानदार प्रयासों से ही संभव हो सकेगा।

> खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस-नहस किया, पशु धन की बर्बादी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। नागरिक इस संकट के वक्त में शासन से जिस सहानुभूति और निर्णायक मदद की कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, उसके बजाय नौकरशाही की सुस्ती और नाममात्र की घोषणाओं ने उन्हें निराश किया है। इस संकट की घड़ी में वे तंत्र की काहिली बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं है कि पंजाब पहले ही कृषि संकट से जूझ रहा था। लेकिन बाढ़ की तबाही ने उसके बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और गंभीर बना दिया है।

कुछ अलग

ध्यान से समाधि की ओर तभी चलेंगे, जब द्वंद्वमुक्त होंगे

योग सूत्र में कहा गया है कि चित्तवृतियों अथवा मन पर नियंत्रण ही योग है। योग के आठ अंग हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। चिकित्सा-पद्धति के रूप में या फिर शरीर और मन के रूपांतरण के लिए योग के इन सभी आठों अंगों का अभ्यास करना अनिवार्य है। योग में शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के अभ्यास सम्मिलित होते हैं। सवाल है कि शारीरिक अभ्यास क्रम महत्वपूर्ण है या मानसिक अभ्यास क्रम? हमारा शरीर और व्यक्तित्व वास्तव में हमारी भाव प्रक्रिया से ही बनता है। जैसा हम लगातार चिंतन करते हैं, जो कुछ भी हम सोचते रहते हैं, हम वैसे ही हो जाते हैं। इसलिए हमारी विचार प्रक्रिया का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य या फिर रोग पर भी पड़ता है। यही विचार प्रक्रिया रोग के उपचार में भी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहां मन महत्वपूर्ण हो जाता है। जैसा या जो भी हम चाहते हैं वह मन-मस्तिष्क की एक खास अवस्था (अल्फा) में ही पूरा होता है। अब प्रश्न उठता है कि अगर सारा खेल मन का ही है तो फिर आसन और प्राणायाम की हमें जरूरत ही क्या है? वास्तव में भौतिक शरीर की जड़ता को खत्म करके उसे मन से जोड़ने और उसके बाद मन को अपेक्षित दशा अर्थात अल्फा अवस्था में ले जाने के लिए योगासन और प्राणायाम का अभ्यास अनिवार्य है। जब हम योग-साधना करते हैं तो कोई न कोई भाव तो हमारे मन में व्याप्त होता ही है। मन के कई स्तर हैं। चेतन या जाग्रत अवस्था में भी भाव तो होता है लेकिन वह वास्तविकता में नहीं बदलता, क्योंकि एकाग्रता और ध्यान के बिना यह असंभव है।

दृष्टि कोण

हिमालयी परिस्थितिकी के अनुकूल बनें विकास योजनाएं

बीते पांच अगस्त को हरसिल और गंगोत्री के बीच खीरगंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बादल फटने से अचानक आई तेज बाढ़ और भारी मलबे ने धराली में तबाही मचाई। इस आपदा ने दर्जनों मकान, होटल और दुकानें नष्ट कर दीं, कई लोग मृत और अनगिनत लोग लापता हो गए। हरसिल में भी बाढ़ के कारण ग्यारह जवान लापता हैं। सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी द्वारा बचाव कार्य जारी हैं। शीतकालीन पर्यटन से जुड़े इस क्षेत्र का मार्ग बाधित हो गया है। पारंपरिक नदी मार्गों में पत्थर, मिट्टी और मलबे के अवरोध से बाढ़ का प्रवाह दिशा बदल गया, जिससे त्रासदी और भी गंभीर हुई। उत्तरकाशी और गंगोत्री के बीच स्थित धराली क्षेत्र उत्तरकाशी के पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्र में आता है। हाल ही में यमुनोत्री मार्ग पर स्याना चट्टी में बादल फटने से गंभीर हादसा भी हुआ। ऐसे नाजुक और सामरिक क्षेत्रों में खनन, सड़क निर्माण, जलाशय और सुरंग निर्माण तथा औद्योगिकीकरण के कार्यों में सरकारों और जनता को आत्म-नियंत्रण बरतना चाहिए। पर्यावरण हितैषी तकनीकें अपनानी जरूरी हैं। उत्तरकाशी जिले में लगातार विभिन्न आपदाओं का सामना करना पड़ता रहा है जैसे सिलक्यारा सुरंग दुर्घटना व भयावह उत्तरकाशी भूकंप। मनेरी भाली परियोजना के पास झीलें बनती रहीं और भटवाड़ी के धंसने की घटनाएं भी नई नहीं। भटवाड़ी ब्लॉक में ही धराली आता है। गोमुख से लेकर उत्तरकाशी मुख्यालय और चिन्याली सौड़ तक का क्षेत्र बीते दो दशकों से लगातार आपदाओं से ग्रस्त है। यहां गंभीर भूस्खलन, बाढ़ें और तबाही बार-बार होती रही हैं। खासकर उत्तरकाशी में वरुणावर्त पहाड़ अपने भूस्खलनों से 2003 से लोगों को भयभीत कर रहा है। क्षेत्र के पहाड़ 1990 के तीव्र भूकंप से पहले से ही कमजोर हैं, जबकि 4 -4.5 तीव्रता के भूकंप नियमित आते रहते हैं। इस दौरान उत्तरकाशी और आसपास के पुल टूटते रहे हैं, जिससे कई गांव कई दिन तक अलग-थलग पड़ जाते हैं। वर्ष

2010 से इस पूरे क्षेत्र में लगातार बादल फटने और फ्लैश फ्लड की घटनाएं हो रही हैं। चट्टानें गिरने से जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है, गांव ध्वस्त हो रहे हैं और उन्हें पुनः बसाने की आवश्यकता सामान्य सी बात हो गई है। गंगोत्री और गोमुख का संकट व्यापक रूप से ज्ञात है, जबकि भटवाड़ी और अस्सी गंगा के क्षेत्र भी ऐसे ही संवेदनशील हैं, जहां पैदल चलना भी कठिन हो जाता है। निस्संदेह, यह क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से नाजुक है। 2017 में उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में पंद्रह गांवों की प्रतिनिधि महिलाएं इसी इकोसेंसिटिव क्षेत्र में काटे जाने के लिए चिन्हित पेड़ बचाने के लिए संकल्पबद्ध हुई थीं। इस क्षेत्र में 1990 में हुए भयावह विनाश के बाद कहा गया था कि अब सारे मकान, भवन आदि भूकंप-रोधी बनाए जाएंगे। सुरंगें नहीं बनाई जाएंगी। किन्तु आज भी आप सरकारी स्तर पर भूकंप-रोधी निर्माण या नदी तटों के समीप बसावटों को रोकने में गंभीरता शायद ही पाएंगे। महत्वाकांक्षी चारधाम परियोजना उत्तरकाशी इकोसेंसिटिव क्षेत्र से ही बनती है। प्रधानमंत्री ने साल 2016 में इसकी आधारशिला रखी। बिना पर्यावरण प्रभाव आकलन के इस सड़क पर काम शुरू किया गया था। तब एनजीटी में चुनौती दी गई थी। उच्चतम न्यायालय में भी मामला पहुंचा था। स्मरण रहे कि चारधाम राजमार्ग पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पॉवर कमेटी के चेयरमैन ने पर्यावरण मंत्रालय के सचिव को 13 अगस्त 2020 को एक पत्र लिखा था कि इस परियोजना में वन्यजीव व वानिकी के नियमों की बेहद गंभीर अवहेलना व उल्लंघन हुआ है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। आज आपका मन ख़ुश होगा और आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों पर पैसे ख़र्च करने का आनंद लेंगे। प्रेम हमेशा आत्मीय होता है और यही बात आप आज अनुभव करेंगे। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे– जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। इस राशि के जातक आज खाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा। अगर थोड़ी–सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन आपकी ज़िन्दगी के सबसे रोमानी दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आज जीवन के कई अहम मुद्दों पर आप घरवालों के साथ बैठकर बात कर सकते हैं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आज आपका धन कई चीजों पर खर्च हो सकता है, आपको आज अच्छा बजट प्लान करने की आवश्यकता है इससे आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। आपके मन में आज अपने किसी खास को लेकर निराशा रेहगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। वाहन चलाते हैं तो आज थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली–भांति अध्ययन कर लें। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आज के दिन का अच्छा प्रयोग आप उज्वल भविष्य की योजना बनाने के लिए कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ऊर्जा और उत्साह का अतिरेक आपको घेर लेगा और आप सामने आने वाले सभी मौक़ों का भरपूर फ़ायदा उठाएंगे। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज खाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। आपके जीवनसाथी की सुस्ती आपके कई कामों पर पानी फेर सकती है। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। व्यापार में मुनाफ़ा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर ख़ुशी ला सकता है। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। यात्रा के चलते रूमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। इस राशि के ग्रहदशा बताती है कि आज आप अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खाते–पीते वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आप पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तली–भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसा लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आप समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएंगे। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फंसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 सितंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 04:10 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 11:44 तक
योग : सौभाग्य सायं 03:22 तक
करण : बव सायं 04:22 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , वामन जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश, शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार की योजनाओं के केन्द्र में किसानों का सशक्तीकरण: भजनलाल

जयपुर, 03 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। हमारी योजनाएं और नीतियां किसानों का सर्वांगीण विकास करने के साथ–साथ विकसित राजस्थान–2047 की यात्रा में उनकी भागीदारी भी सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी बजटीय घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करें जिससे किसानों और पशुपालकों को धरातल पर उनका लाभ मिल सके।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में कृषि, कृषि विपणन, उद्यानिकी, पशुपालन एवं डेयरी तथा गोपालन विभाग की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि को रोजगारोन्मुखी व्यवसाय बनाने के दृष्टिगत दूरगामी निर्णय ले रही है। श्री शर्मा ने कृषि में उन्नत तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहन देने के साथ ही किसानों के लिए सुविधाओं एवं सेवाओं में द्रुतगति से विस्तार के लिए विशेष निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लघु एवं सीमांत किसानों को उचित दर पर कृषि उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में 1 हजार कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। इन सेंटर्स के संचालन के लिए एफपीओ को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, जीएसएस, केवीएसएस और पंचायत द्वारा भी संचालन की जिम्मेदारी पर भी विचार किया जाए। उन्होंने कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना से पूर्व अन्य राज्यों के मॉडल का परीक्षण करने और श्रेष्ठ मॉडल को लागू करने के लिए निर्देशित भी किया। साथ ही, इन सेंटर्स के व्यापक प्रचार–प्रसार के निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सकें। शर्मा ने कहा कि किसानों से खेत से ही फसल की सीधी खरीद और उसे तत्परता से विक्रय करने के लिए ई–मण्डी प्लेटफॉर्म का नवाचार किया जा रहा है। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और उनका आर्थिक रूप से सशक्तिकरण होगा। उन्होंने अधिकारियों को पंचायत स्तर पर ई–मण्डी प्लेटफॉर्म में फसल के भण्डारण के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचे के निर्माण के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने प्रदेश की कृषि उपज मण्डी समितियों के प्रभावी संचालन और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के क्रम में आवश्यक कदम उठाने के लिए भी निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने ग्लोबल राजस्थान एग्री टेक मीट (ग्राम)–2026 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन के संबंध में कृषि शासन सचिव को प्रभावी कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार मिलेट्स को प्रोत्साहन देने के लिए 'श्री अन्न प्रमोशन एजेन्सी' की स्थापना कर रही है। उन्होंने ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देने और बैलों से खेती करवाए जाने पर प्रोत्साहन राशि दिए जाने के संबंध में भी चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। शर्मा ने अधिकारियों को दूध संकलन के दौरान गुण–वत्ता का पूर्ण ध्यान रखने एवं मिलावटी दूध बनाने में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने आरसीडीएफ को उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही, पशु चिकित्सा के लिए संचालित मोबाइल वेटेनरी वैन की निरंतर मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए। श्री शर्मा ने पशुपालन विभाग को पशुओं के लिए दवाओं की नियत दरों पर ही उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने राजकीय संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि भूमि की अनुपलब्धता पर नए प्रोजेक्ट्स के लिए सरकारी अनुपयोगी इमारतों का उपयोग किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला कलक्टर की एनओसी के बाद ही भूमि का आवंटन किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने राजस्थान किसान आयोग के वर्ष 2025 के अंतरिम प्रतिवेदन का विमोचन किया। इस दौरान कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, , मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अंता विधानसभा उप चुनाव की तैयारियां शुरू

मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक आयोजित

जयपुर, 03 सितंबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी बारां की अध्यक्षता में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में आगामी उप चुनाव के दृष्टिगत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 193–अंता में अर्हता 1 जुलाई 2025 के संदर्भ में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता सूचियों के प्रारूप प्रकाशन के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी, बारां द्वारा अर्हता दिनांक 01.07.2025 के संदर्भ में विषेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी प्रदान की गई जिसके तहत दिनांक 03.09.2025 को मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन किया गया। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मीडिया की उपस्थिति में मतदाता सूची की प्रति की हार्ड कॉपी एवं सॉफ्ट कॉपी सीडी एवं पेनड्राइव में उपलब्ध करवाई जाकर प्राप्ति रसीद प्राप्त की गई। महाजन ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों को भी संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की तिथियों के तहत प्रारूप प्रकाशन के पश्चात 3 सितंबर से 17 सितंबर तक दावे आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि से अवगत कराया गया। सभी प्राप्त दावें आपत्तियों का निस्तारण 25 सितम्बर, 2025 तक किया जाना है। इसके बाद 01 अक्टूबर, 2025 को मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन किया जायेगा। जिला स्तर से दिनांक 07 तथा 14 सितम्बर, 2025 (रविवार) को विशेष अभियान तिथि निर्धारित की गई है जिसके अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र 193–अंता के सभी मतदान केन्द्रों पर बूथ लेवल अधिकारी उपस्थित रहेगें तथा दावे आपत्तियां प्राप्त करेगें। इस संदर्भ में मीडिया में व्यापक प्रचार–प्रसार करने एवं नियमित रूप से समाचार पत्रों में प्रेस नोट प्रकाशित करने हेतु आग्रह किया गया। मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के अन्तर्गत अंता विधानसभा क्षेत्र में 1,15,982 पुरूष, 1,10,241 महिला एवं 04 अन्य मतदाता पंजीकृत है। इस प्रकार प्रारूप प्रकाशन के समय विधानसभा क्षेत्र अन्ता में 2,26,227 मतदाता पंजीकृत है। मतदाता सूचियों के मतदाताओं के संबंध में तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम दिशा–निर्देशों की मीडिया व राजनैतिक दलों के उपस्थित प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया एवं आमजन से भी अपील की गयी कि जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाईट पर उपलब्ध प्रारूप सूची में अपना नाम जांच लेवे एवं संतुष्ट न होने की स्थिति में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अंता को दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करें।

सुरक्षित सड़क मार्ग अभियान : 2.51 लाख युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

जयपुर , 03 सितंबर (एजेंसियां)। सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान के सहयोग से चलाए जा रहे सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान के अंतर्गत अब तक विभिन्न सरकारी एवं निजी स्कूलों तथा कॉलेजों के लगभग 2 लाख 51 हजार से अधिक युवाओं को सड़क सुरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। बुधवार को महारानी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से 'सबसे बड़ा युवा नेतृत्वित सड़क सुरक्षा अभियान एवं सुरक्षित सड़क कॉरिडोर विकास' शीर्षक से स्थापित रिकॉर्ड की घोषणा की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान जीवन का हिस्सा बनना चाहिए, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। उन्होंने कहा कि हेलमेट लगाना, सीट बेल्ट पहनना, लाल बत्ती पर रुकना और वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात न करना जैसे सड़क सुरक्षा नियमों को अपनाना आवश्यक है। तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन आएगा। उन्होंने मुख्य अभियंता (गुण–वत्ता नियंत्रण) जसवंत खत्री, विभाग की टीम एवं अन्य सहयोगियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। 1500 करोड़ की लागत से सड़कों की मरम्मत

होगी– उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश समाप्त होते ही लगभग 1500 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों के स्थायी पुनर्निर्माण के कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नई सड़कें बनाने के साथ–साथ मौजूदा सड़कों को दुरुस्त रखना सरकार की प्राथमिकता है और इन कार्यों को शीघ्र पूरा कराया जाएगा। सड़क निर्माण में भी जागरूक रहें नागरिक– उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को सक्रिय नागरिक की तरह ध्यान रखना चाहिए कि उनके क्षेत्र में बनने वाली सड़कें निर्धारित मानकों के अनुरूप हों और उनमें प्रयुक्त सामग्री सही गुणवत्ता की हो। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीडब्ल्यूडी सेवा ऐप को आमजन की शिकायतों के लिए शीघ्र सार्वजनिक किया जाए। साथ ही अधिकारियों को सप्ताह में अनिवार्य रूप से दो दिन फील्ड में रहकर सड़कों की जांच करने के निर्देश भी दिए। मुख्य अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) जसवंत खत्री के निर्देशन में 9 अगस्त से 15 सितंबर तक चलाए जा रहे इस अभियान के तहत प्रदेश के राजकीय व निजी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियम, सावधानियां और निर्धारित मानकों के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस अभियान की कमान विभाग की 60 महिला अभियंताओं ने संभाल रखी है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता लाना, हेलमेट के उपयोग को बढ़ावा देना और सुरक्षित सड़क निर्माण के मानकों की जानकारी देना है।

बिजली का करंट लगने से 3 लोगों की मौत अनिल विज ने दिया मुआवजे का आदेश

चंडीगढ़, 03 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने हिसार में 11 केवी की बिजली लाइन के संपर्क में आने से तीन लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस मामले में एक कनिष्ठ अभियंता को निलंबित करने के साथ ही जान गंवाने वाले व्यक्तियों के परिजनों को उचित मुआवजा देने के आदेश भी जारी किए हैं।

अनिल विज ने बताया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हिसार के सेक्टर–1/4, डीएचबीवीएन के 33 केवी सब–स्टेशन के पास हुई, जहाँ 11 केवी एमजी क्लब फीडर का तार टूट गया था। इस हादसे में तीन निजी व्यक्तियों की मौत हो गई, जिनकी पहचान बंटी (26), राजकुमार (31) और अमित (15) के रूप में हुई है। मंत्री ने कहा कि इस मामले की जांच के लिए निदेशक संचालन और निदेशक परियोजना की एक समिति गठित की गई है। जांच पूरी होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी। विज ने कहा कि हिसार में कुछ सब–स्टेशन पानी में डूब गए हैं, जिससे बिजली आपूर्ति में बाधा आ सकती है। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे सभी सब–स्टेशनों का अध्ययन करने और अगली बारिश से पहले उनका फ्लोर लेवल ऊंचा करने के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा सहित उत्तर भारत में बाढ़ राहत कार्यों में गहनता से तेज़ी लाई जाए : सैलजा

चंडीगढ़, 03 सितंबर (एजेंसियां)। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भारतीय मौसम विभाग और राज्य स्तर की रिपोर्टों के अनुसार इस वर्ष हरियाणा में भारी वर्षा और नदियों के उफान के कारण गंभीर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है। यह वक्त राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि राहत और बचाव कार्यों को मिशन मोड पर चलाने का है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी हर संभव सहायता के लिए हमेशा प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा के 12 जिलों में लगभग 1,385 गांव बाढ़ की चपेट में आए हैं । इन प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 1,60,695 हेक्टेयर फसलभूमि जलमग्न हो चुकी है, जिससे व्यापक रूप से खेती प्रभावित हुई है । इस त्रासदी की वजह से अब तक कम से कम 26 लोगों की मृत्यु हुई है, और कई लोग जल–जनित बीमारियों जैसे त्वचा रोग, सांप के काटने और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित हुए हैं।

विशेष रूप से रोहतक जिले के महम क्षेत्र में दर्जनों गांवों में सैकड़ों एकड़ फसल डूब गई है– कुछ ग्रामीणों ने 1,000 एकड़ तक ज़मीन बाढ़ में डूब जाने की बात कही है। जींद जिला में जुलाई–अगस्त के दौरान वर्षा में पिछले तीन वर्षों में 37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई (2025 में 1,857 मिमी बनाम 2023 में 1,347 मिमी), जिससे गांवों में जलभराव और फसल नुकसान की परिस्थितियां गहराई हैं जैसे जुलाना में लगभग 12 गांव जलमग्न और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक नुकसान।

कुमारी सैलजा ने कहा कि यह वक्त राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि राहत और बचाव कार्यों को मिशन मोड पर चलाने का है।

हरियाणा में बिलों के लिए अब सिर्फ ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाएगी

चंडीगढ़, 03 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने राज्य के सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में तैनात खजाना एवं लेखा विभाग और स्थानीय लेखा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। अब बिल प्रक्रिया और अनुमोदन से संबंधित सभी कार्य केवल हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल (क्ए्थझ) के माध्यम से ही किए जाएंगे, और किसी भी तरह की भौतिक फाइल प्रक्रिया को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। यह निर्देश मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने जारी किया है, जिनके पास वित्त विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी है। पत्र में बताया गया है कि फाइलों का भौतिक रूप से आदान–प्रदान न केवल कार्यों में देरी का कारण बनता है, बल्कि यह आधुनिक तकनीक का उपयोग करके सुशासन स्थापित करने के लक्ष्य को भी बाधित करता है।

सरकार ने इस फैसले के पीछे पारदर्शिता और कार्यकुशलता को बढ़ावा देने का उद्देश्य बताया है। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने के लिए कहा गया है और किसी भी तरह की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। इस कदम से सरकारी कामकाज में गति आने और डिजिटल प्रक्रिया को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

भिवानी और महेंद्रगढ़ मेडिकल कॉलेजों में इसी सत्र से होंगे एडमिशन

चंडीगढ़, 03 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा को मेडिकल के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात मिली है। राज्य में दो नए मेडिकल कॉलेजों – भिवानी और कोरियावास (महेंद्रगढ़) में इसी शैक्षणिक सत्र से चइइड की 100–100 सीटों पर एडमिशन की अनुमति मिल गई है। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस उपलब्धि के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि उन्होंने 19 अगस्त, 2025 को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इन दोनों नए मेडिकल कॉलेजों – पंडित नेकीराम शर्मा गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज भिवानी और महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज कोरियावास (महेंद्रगढ़) में इसी सत्र से एडमिशन की अनुमति देने का अनुरोध किया था। उनके पत्र के मात्र 13 दिन के भीतर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से मंजूरी मिल गई है। आरती सिंह राव ने कहा कि इस फैसले से हरियाणा के उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सपना पूरा होगा, जो नीट परीक्षा में मेरिट में आए थे और अपने ही प्रदेश में चइइड की पढ़ाई करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि इन कॉलेजों के शुरू होने से न केवल विद्यार्थियों को फायदा होगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि राज्य के लोगों को सस्ती और सुलभ चिकित्सा सुविधा मिल सके।

सीआईएसएफ ने बनाई पहली महिला कमांडो यूनिट, हवाई अड्डों पर होगी तैनात

चंडीगढ़, 03 सितंबर (एजेंसियां)। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने पहली बार अपनी महिला कमांडो टीम का गठन किया है। इन महिला कमांडो को अब मुख्य ऑपरे–शनल ड्यूटी के लिए तैयार किया जा रहा है। सीआईएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि मध्य प्रदेश के बरवाहा स्थित क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (आरटीसी) में महिला कमांडो का प्रशिक्षण शुरू हो चुका है। यह 8 सप्ताह का कमांडो कोर्स महिला कर्मियों को उच्च सुरक्षा वाले प्रतिष्ठानों और हवाई अड्डों पर त्वरित प्रतिक्रिया दल और विशेष कार्य बल में शामिल होने के लिए प्रशिक्षित करेगा।

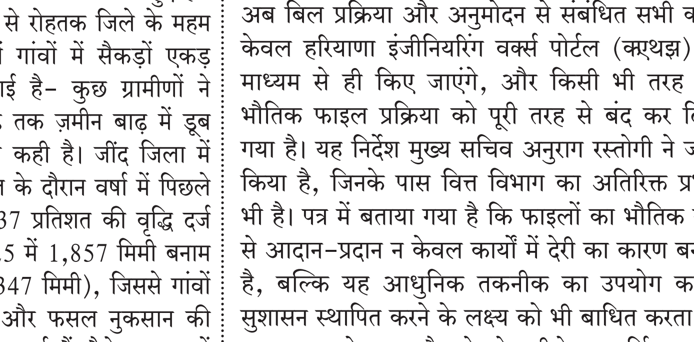

प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला कमांडो को शारीरिक फिटनेस, हथियारों का प्रशिक्षण, तनावपूर्ण परिस्थितियों में लाइव–फायर अभ्यास, बाधा दौड़, रैपलिंग, और जंगलों में जीवन रक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा, विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने और टीम वर्क की क्षमताओं का भी परीक्षण किया जाएगा। 30 महिलाओं का पहला बैच, जो वर्तमान में विभिन्न हवाई अड्डों पर तैनात हैं, 11 अगस्त से 4 अक्टूबर, 2025 तक प्रशिक्षण लेगा। इसके बाद, 6 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक दूसरा बैच प्रशिक्षण लेगा।

तकनीक और विकास में सहयोग दे रहा आईआईटी कानपुर

उद्योग-अकादमिक जुड़ाव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए सीएम योगी

कानपुर, 03 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को आईआईटी कानपुर के समन्वय से उद्योग-अकादमिक जुड़ाव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इंडस्ट्री और अकादमिक संस्थानों के सहयोग का मुद्दा केवल शोध और नवाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे-सीधे आम नागरिक के जीवन स्तर, वैश्विक चुनौतियों और सतत विकास से जुड़ा हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और सस्टेनेबिलिटी जैसे विषयों पर मंथन भारत को न केवल आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाएगा, बल्कि तकनीक और विकास का वैश्विक केंद्र स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम जिस विषय पर एकत्र हुए हैं, वह केवल इंडस्ट्री-एकेडमिया सहयोग का समन्वय ही नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के सामने खड़ी चुनौतियों से जुड़ा हुआ है। ये चुनौतियां सीधे-सीधे आम नागरिक के जीवन स्तर को प्रभावित करती हैं। इसीलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) जैसे तीन महत्त्वपूर्ण स्तंभों पर तकनीकी सत्र होंगे और चर्चा होगी। कभी 17वीं शताब्दी तक भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। वैश्विक जीडीपी में हमारा योगदान 25 प्रतिशत तक था। लेकिन 150-200 वर्षों में ऐसा क्या कुछ हुआ कि यह लगातार गिरता गया और 1947 तक आते-आते

भारत का योगदान केवल 2 प्रतिशत रह गया। सीएम योगी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में हमने भारत को बदलते हुए देखा है। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले दो वर्षों में तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। आगे चलकर हमें दूसरी अर्थव्यवस्था बनने का अवसर भी मिलेगा। यह यात्रा केवल आर्थिक विकास की नहीं है, बल्कि विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में है।

आईआईटी कानपुर का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आईआईटी कानपुर का गौरवशाली इतिहास है। पिछले छह दशकों में इस संस्थान ने देश को तकनीक की दिशा में बहुत कुछ दिया है। हाल ही में मैंने नोएडा में ड्रोन टेक्नोलॉजी केंद्र का दौरा किया। वहां आईआईटी कानपुर से जुड़े लोग भी मिले। मैंने देखा कि हमारे युवा नई सामरिक चुनौतियों का सामना करने के लिए कैसे तैयार हो रहे हैं।

आईआईटी कानपुर भी उसमें अपना योगदान दे रहा है। हमें हमेशा यह विश्वास रखना चाहिए कि हम कर सकते हैं। दुनिया का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय तक्षशिला भी भारत में था। वहीं से चरक और सुश्रुत जैसे आयुर्वेदाचार्य निकले। यही हमारी परंपरा है कि हर अक्षर, हर वनस्पति और हर मनुष्य में कुछ बनने की क्षमता होती है। बस एक जोड़ने वाले की आवश्यकता होती है। मुझे विश्वास है कि आईआईटी जैसे संस्थान वही जोड़ने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 1947 में उत्तर प्रदेश का योगदान राष्ट्रीय जीडीपी में 14 प्रतिशत तक था। लेकिन 2017 तक यह घटकर केवल 7-8 प्रतिशत रह गया। निराशा का माहौल था, उद्योग निवेश नहीं करना चाहते थे, युवा पलायन कर रहे थे। कभी समृद्ध रहा प्रदेश बीमारू कहलाने लगा। पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदली है।

आज प्रदेश, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। बेहतर सुरक्षा, निवेश, बुनियादी ढांचा और सुशासन के साथ यूपी ने नए मानक स्थापित किए हैं। हर क्षेत्र में परिवर्तन दिखाई दे रहा है। सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने नेतृत्व किया है। प्रदेश की विधान सभा देश की पहली विधान सभा है, जिसने लगातार 36 घंटे चर्चा कर यह तय किया कि कैसे सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स पूरे किए जा सकते हैं। आज शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जल प्रबंधन हर क्षेत्र में ठोस काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड का उदाहरण देते हुए कहा कि कभी यह इलाका सूखे, पलायन और डकैतों की समस्या से जूझता था। आज यहां हर घर नल से जल पहुंच रहा है, खेतों तक सिंचाई हो रही है और डिफेंस कॉरिडोर के दो महत्वपूर्ण नोड (चित्रकूट और झांसी) में निवेश आ रहा है। पहले जहां किसान सालाना 5000 कमाता था, आज वही किसान 50,000 तक कमा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण की दिशा में भी प्रदेश ने मिसाल कायम की है। पिछले आठ वर्षों में 240 करोड़ पौधरोपण कर एक नया रिकॉर्ड बनाया गया है। फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट भी मान चुका है कि उत्तर प्रदेश में वन क्षेत्र बढ़ा है। यही सतत विकास की ओर हमारे प्रयासों का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर सुरक्षा आज की सबसे बड़ी चुनौती है। 2017 में केवल दो साइबर थाने थे, वह भी सक्रिय नहीं थे। आज प्रदेश के 75 जिलों में साइबर थाने हैं, 1500 से अधिक थानों में साइबर डेस्क है और राज्य साइबर एवं फॉरेंसिक संस्थान की स्थापना भी हो चुकी है। लेकिन अभी और बहुत कुछ करना बाकी है। इसी दिशा में हम आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर कार्य करना चाहते हैं। मेरा मानना है कि भारत का पहला डीप-टेक भारत 2025 मॉडल तैयार करने में आईआईटी कानपुर इसका केंद्र बने। गौतमबुद्धनगर में हमने इसके लिए कुछ भूमि भी अलॉट की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग जगत से भी मेरा आग्रह है कि केवल लाभ कमाने की मानसिकता से आगे न बढ़ें। लाभ का एक बड़ा हिस्सा नवाचार और अनुसंधान में लगाएं। आईआईटी कानपुर इस दिशा में एक मॉडल स्टडी बन सकता है जो इंस्टीट्यूशन को इस बारे में अवगत करा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 2017 से पहले देखा कि हमारी अकादमिक संस्थाएं कहीं-कहीं टॉपू की तरह हो गई थीं।

माहौल न मिलने के कारण उनका आपसी संवाद और समन्वय न के बराबर था। यह पेंडुलम बनकर झूलते रहते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमने इन्हें जोड़ा है। कोविड के दौरान आईआईटी कानपुर का सहयोग हमारे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण रहा। आज डिफेंस कॉरिडोर और मेड-टेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में भी आईआईटी कानपुर की बड़ी भूमिका है। मुख्यमंत्री बोले कि मनुष्य की चेतना के तीन स्तर होते हैं-चेतन मन मॉडल स्टडी का माध्यम बन सकता है। अवचेतन मन इनोवेशन का माध्यम बन सकता है और गहन चेतन आरएंडडी का बहुत बड़ा थिंक टैंक बन सकता है। अगर हम इन्हें समन्वय से आगे बढ़ाएं तो भारत फिर से वही स्थान प्राप्त कर सकता है, जो कभी था। मुझे पूरा विश्वास है कि यहां से होने वाला यह मंथन एक ठोस निष्कर्ष तक पहुंचेगा और भारत तथा उत्तर प्रदेश को नई दिशा देगा। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान,आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर प्रो. मणींद्र अग्रवाल, चीफ टेक्नोलॉजी अफसर टीसीएस डॉ. हैरी क्रीन, डिप्टी डायरेक्टर आईआईटी कानपुर प्रो. ब्रजभूषण मौजूद रहे।

राष्ट्रीय डीपटेक सम्मेलन का शुभारंभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में भारत के पहले राष्ट्रीय डीपटेक सम्मेलन (डीपटेक भार 2025) का भव्य शुभारंभ आईआईटी कानपुर से हुआ। इस दौरान आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को डीप-टेक लैब की स्थापना के संबंध में प्रस्तुतिकरण के जरिए जानकारी दी। मालूम हो कि यह ऐतिहासिक आयोजन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक और बायोसाइंसेज जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों पर केंद्रित है। सम्मेलन का उद्देश्य भारत को डीपटेक शक्ति के रूप में स्थापित करना और उत्तर प्रदेश को देश का पहला डीपटेक-रेडी राज्य बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाना है। यह पहल प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में भी सहयोग करेगी। साथ ही डीपटेक इकोसिस्टम का लाभ अब केवल महानगरों तक सीमित न रहकर टियर-2 और टियर-3 शहरों तथा वहां के युवाओं और स्टार्टअप्स तक पहुंचेगा। इससे छोटे शहरों के नवाचार सीधे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर से जुड़ सकेंगे। सम्मेलन में डीपटेक पॉलिसी 2035, देश का पहला डीपटेक एक्सेलेरेटर और भारत का पहला एआई को-पायलट लॉन्च किया गया। इन पहलों से नवाचार को नई दिशा मिलेगी और भारत वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में अपनी मजबूत भूमिका दर्ज करेगा। यह सम्मेलन वैश्विक सहयोग और निवेश का भी बड़ा मंच बनेगा। इसमें डीआरडीओ, इसरो, एमईआईटीवाई, डीएसी सहित 200 से अधिक वेंचर कैपिटल फर्मों और उद्योग जगत के लीडर्स ने भाग लिया। उम्मीद है कि इन रणनीतिक बैठकों से न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में हाई-टेक निवेश और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

पारिवारिक विवाद समाप्त करने की यूपी सरकार की पहल

2.25 लाख पारिवारिक विवाद खत्म होंगे, बचेंगे 3800 करोड़

लखनऊ, 03 सितंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने पारिवारिक विवादों को खत्म करने का बहुत आसान हल निकाल लिया है। विभाग का मानना है कि इस फैसले से सम्पत्ति बंटवारे के करीब 2.25 लाख विवाद मिनटों में खत्म हो जाएंगे। पारिवारिक सम्पत्तियों के बंटवारे का अधिकतम शुल्क 5 हजार रुपए करने का फैसला न केवल अदालतों का बोझ कम करेगा बल्कि परिवारों में सौहार्द्र का माहौल भी बनाएगा। पहले यह शुल्क सम्पत्ति के बाजार मूल्य का 5 प्रतिशत तक होता था। विभाग का मानना है कि इस फैसले से सम्पत्ति बंटवारे के करीब 2.25 लाख विवाद मिनटों में खत्म हो जाएंगे। कानूनी सलाह आदि पर होने खर्च में 3800 करोड़ रुपए तक की बचत होगी और स्टांप राजस्व के रूप में 500 करोड़ तक की वृद्धि होगी। अभी इस मद में कोई राजस्व नहीं मिलता। प्रदेश में फिलहाल राजस्व अदालतों में लगभग 26,866 भूमि एवं सम्पत्ति संबंधी विवाद लंबित हैं, जिनमें से बड़ी संख्या पारिवारिक सम्पत्तियों के बंटवारे से जुड़ी है। इसके अलावा करीब दो लाख मामले अलग-अलग रूप में चल रहे हैं। विधि विशेषज्ञों का मानना है कि शुल्क घटने से कम-आय वर्ग के लोग भी अब सम्पत्ति विभाजन का पंजीकरण कराएंगे, जिससे लंबित मामलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। अनुमान है कि 70 फीसदी विवाद एक वर्ष में खत्म हो जाएंगे।

सम्पत्ति विवाद पुलिस थानों और तहसील स्तर पर झगड़ों का कारण बनते हैं। अपंजीकृत बंटवारे से झगड़े लंबा खिंचते थे। अब शुल्क घटने से लोग सीधे पंजीकृत विभाजन की ओर बढ़ेंगे, जिससे पुलिस और तहसील स्टाफ पर भार कम होगा। पहले महंगे शुल्क के कारण लोग बंटवारे से बचते थे, लेकिन अब केवल 5,000 की सीमा तय होने से बड़ी संख्या में लोग आगे आएंगे। रजिस्ट्री विभाग का मानना है कि अगर प्रदेश में हर साल औसतन 50,000 पारिवारिक सम्पत्ति बंटवारे पंजीकृत होते हैं, तो सरकार को इससे कम से कम 500 करोड़ तक की अतिरिक्त आय हो सकती है। पुराने लंबित मामलों के निस्तारण से भी हजारों पंजीकरण होंगे, जिससे शुरुआती वर्षों में राजस्व में और बढ़ोतरी संभव है।

विदेश से बड़े निवेश के प्रयास में जुटी योगी सरकार

200 से ज्यादा कंपनियों से हो रही है बातचीत

लखनऊ, 03 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने एक बड़े अभियान की शुरुआत की है। सरकार का फोकस विदेश से पूंजी लाना और राज्य को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए योगी सरकार अब तक करीब 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से बातचीत की जा चुकी है। राज्य सरकार इन देशों में भारत के दूतावासों और अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर प्रयास कर रही है। इसका नतीजा यह है कि निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है और उत्तर प्रदेश तेजी से एक ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है।

जिन देशों पर सबसे ज्यादा फोकस है, उनमें अमेरिका, जापान, चीन, फ्रांस, डेनमार्क की कंपनियां शामिल हैं। इनमें अमेरिका से 30 से ज्यादा, जर्मनी से 30 के करीब, जापान से 20, चीन से 14, स्विट्ज़रलैंड और फ्रांस से 7-7, डेनमार्क से 6 और स्पेन से 5 कंपनियां शामिल हैं। इन देशों की कंपनियां भी उत्तर प्रदेश में निवेश की इच्छुक हैं। उनकी इच्छा को धरातल पर उतारने के लिए यूपी सरकार विशेष टीम और कंट्री-स्पेसिफिक डेस्क बनाने पर भी विचार कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार इन लीड्स को हर हाल में कम्फर्म निवेश में बदलने के लिए प्रयासरत है और इसके लिए इन देशों में स्थित भारतीय दूतावासों की भी मदद ली जा रही है।

निवेश प्रोत्साहन की पहल के तहत उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से कई और भी इनीशिएटिव्स लिए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अब तक 574 प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी जा चुकी है। इनमें से 70 कंपनियां पहले से ही उत्तर प्रदेश में कार्यरत हैं। इसके अलावा 11 कंपनियों के पास नए प्रोजेक्ट्स हैं। 20 कंपनियों ने सीधे यूपी सरकार के साथ एमओयू किया है। वहीं, 473 कंपनियों के साथ सरकार लगातार एक्टिव फॉलो-अप कर रही है। विदेशी निवेशकों को बेहतर सुविधा देने के लिए यूपी सरकार ने एक अभिनव कदम उठाया है। 814 कंपनियों (फॉर्च्यून 500 और इंडिया नेक्स्ट 500 से जुड़ी) के लिए अकाउंट मैनेजर्स नियुक्त किए गए हैं। इन कंपनियों में शिपिंग, शिप बिल्डिंग, टेलीकॉम, रिटेल, पेट्रोकेमिकल्स, इंश्योरेंस और पब्लिक सेक्टर बैंक शामिल हैं। साथ ही गुजरात स्टेट पेट्रोनेट और टीएन न्यूजप्रिंट जैसी स्टेट पीएसयू कंपनियां भी इस मिशन में शामिल हैं। इस पहल के माध्यम से अब तक 50 नए एमओयू साइन किए जा चुके हैं, जबकि 16 नई लीड्स और 282 कंपनियों के साथ चर्चा अभी भी चल रही है।

उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर विदेशी कंपनियों की रुचि कई वजहों से है। इसमें सबसे बड़ी वजह स्ट्रॉन्ग पॉलिटिकल लीडरशिप है, जिसके तहत सीएम योगी की स्थिर और निर्णायक नीतियां महत्वपूर्ण रही हैं। इसके अलावा, बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट्स, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अलावा, सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य होने का लाभ भी मिलने की संभावना है। यही नहीं, सिंगल विंडो सिस्टम और निवेशक सुविधा केंद्र जैसे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार भी अहम भूमिका निभा रहा है।

हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से मांगा जवाब

जातीय रैलियां रोकने के क्या उपाय कर रही है सरकार?

लखनऊ, 03 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जातीय रैलियों पर रोक के मामले में केंद्र और राज्य सरकार से पूछा है कि दोनों सरकारें जातीय रैलियां रोकने को क्या उपाय कर रही हैं? कोर्ट ने दोनों को जवाब दाखिल करने का समय देकर अगली सुनवाई अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में नियत की है। पहले कोर्ट ने केंद्र सरकार को मामले में जवाब पेश करने का मौका दिया था। साथ ही कोर्ट ने याची को भी पिछले 10 साल में राजनीतिक दलों द्वारा आयोजित की गई जातीय रैलियों का ब्योरा नए हलफनामे पर दाखिल करने को कहा था।

न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने बुधवार को यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया। पहले, इस मामले

में कोर्ट ने पक्षकारों केंद्र व राज्य सरकार समेत केंद्रीय निर्वाचन आयोग एवं चार राजनीतिक दलों कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से जवाब मांगा था। याचिकाकर्ता ने यह याचिका वर्ष 2013 में दायर की थी। उसका कहना था कि उत्तर प्रदेश में जातियों पर आधारित राजनीतिक रैलियों की बाढ़ आ गई है। सियासी दल ब्राह्मण रैली, क्षत्रिय रैली, वैश्य सम्मेलन आदि नाम देकर अंधाधुंध जातीय रैलियां कर रहे हैं। जिन पर रोक लगाई जानी चाहिए।

दरअसल, 11 जुलाई 2013 को कोर्ट ने को एक अहम आदेश में पूरे उत्तर प्रदेश में जातियों के आधार पर की जा रही राजनीतिक दलों की रैलियों पर तत्काल रोक लगा दी थी। साथ ही इन पक्षकारों को नोटिस जारी की थी। याची का तर्क था कि इससे सामाजिक एकता और समरसता को जहां नुकसान हो रहा है वहीं, ऐसी जातीय रैलियां तथा सम्मेलन समाज में लोगों के बीच जहर घोलने का काम कर रहे हैं, जो संविधान की मंशा के खिलाफ है। गौरतलब है कि 2013 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बसपा ने प्रदेश के करीब 40 जिलों में ब्राह्मण भाईचारा सम्मेलन आयोजित किये थे। उसके अलावा सपा ने भी पहले लखनऊ में ऐसा ही सम्मेलन किया था। साथ ही उसने मुस्लिम सम्मेलन भी आयोजित किये थे।

प्रदेश में हर साल होती है 4500 करोड़ की बिजली चोरी

महंगी बिजली खरीदने में खर्च होते हैं तीन हजार करोड़

लखनऊ, 03 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बिजली राज्य उपभोक्ता परिषद के अनुसार यूपी में हर साल करीब 4500 करोड़ की बिजली चोरी हो जाती है। इस पर अंकुश लगाकर निजीकरण से बचा जा सकता है। पावर कॉरपोरेशन और विद्युत वितरण विभागों द्वारा हर साल महंगी बिजली खरीद पर तीन हजार करोड़ खर्च किया जा रहा है, जबकि साढ़े चार हजार करोड़ की बिजली चोरी हो रही है। इन दोनों पर अंकुश लगाकर करीब साढ़े सात हजार करोड़ बचाया जा सकता है।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि वर्ष 2025 26 में बिजली कंपनियां 1 लाख 64 हजार 592 मिलियन यूनिट बिजली

खरीदेंगी, जिसकी कुल लागत 86992 करोड़ होगी। इसमें निजी घराने से 35121 करोड़ की बिजली खरीदी जाती है और राज्य उत्पादन से 20670 करोड़ की खरीद होती है। प्रदेश सरकार द्वारा जो राजस्व सब्सिडी दी जाती है, वह वर्ष 2025-26 के लिए 17512 करोड़ है। कुल बिजली खरीद की औसत लागत 5.28 रुपये प्रति यूनिट आ रही। उत्तर प्रदेश में बिजली खरीद में पारदर्शी नीति अपनाकर सस्ती बिजली के उपाय पर बिजली कंपनियों को कम करने की जरूरत है। प्रदेश में वितरण हानियों को यदि 13 फीसदी मान लिया जाए तो उसमें लगभग 5 फीसदी बिजली चोरी है।

ऐसे में साल भर में लगभग 4500 करोड़ की बिजली चोरी होती है ऐसे में बिजली चोरी पर अंकुश लगाकर भी काफी हद तक हम अपने घाटे को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महंगी बिजली खरीद और बिजली चोरी पर प्रभावी नीति बनाकर उत्तर प्रदेश में निजीकरण को डाला जा सकता है। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा कि शत-प्रतिशत राजस्व की वसूली करके करोड़ों रुपए जुटाया जा सकता है।

चेन्नूर में भाजपा नेताओं की बैठक, जेडपीटीसी-एमपीटीसी चुनावों की तैयारियों पर जोर

चेन्नूर, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर शहर के साईराम फंक्शन हॉल में भाजपा नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य आगामी जिला पंचायत सदस्य (जेडपीटीसी) और मंडल पंचायत सदस्य (एमपीटीसी) चुनावों के लिए रणनीति तैयार करना था। यह बैठक चेन्नूर ग्रामीण, कोटापल्ली और वेमनपल्ली मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित की गई थी।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मंचेरियाल जिला अध्यक्ष नागुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने हाल ही में नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उन्हें चुनावी तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।वेंकटेश्वर गौड़ ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को जेडपीटीसी और एमपीटीसी चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, हम सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और अधिक से अधिक सीटों पर जीत हासिल करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा राज्य में एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभर चुकी है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में ग्रामीण विकास केंद्रीय सरकार की योजनाओं और निधियों से संभव हो रहा है, जबकि राज्य सरकार ने विकास के मोर्चे पर कोई ठोस काम नहीं किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाकर कांग्रेस सरकार की छह गारंटियों की विफलता और चुनाव से पहले किए गए वादों के क्रियान्वयन के बारे में जागरूकता फैलाएं।

उन्होंने सभी उम्मीदवारों पर जोर दिया कि वे वार्ड स्तर से लेकर जेडपीटीसी-एमपीटीसी स्तर तक भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करें और जनता के बीच सक्रिय रहें।

इस कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष कोडी रमेश, जिला सचिव रत्न लक्ष्मीनारायण रेड्डी, राज्य परिषद सदस्य बथुला सम्मय्या, मंडल अध्यक्ष बुर्रा राजशेखर गौड़, एटा मधुकर थुम्मा श्रीपाल, पूर्व सरपंच पुन्नो चंदू जादी, तिरुपति केवीएम श्रीनिवास, भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एथम शिवकृष्ण, जिला कार्यकारिणी सदस्य दुर्गम नरसिम्हुलु, मोरला शंकर, रत्न वेंकन्ना, वरिष्ठ नेता आलम बाबू, मंडल महासचिव, एमपीटीसी प्रभारी सहित कई नेताओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने चुनावी रणनीति, जनसंपर्क अभियान और पार्टी की विकास उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के तरीकों पर विस्तृत चर्चा की।

शेतकरी गणेश मंडल को पूर्ण हुए 50 वर्ष, महाप्रसाद का आयोजन

मदनूर, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्थानीय शेतकरी गणेश मंडल कमेटी के सदस्यों ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि स्थानीय राम मंदिर परिसर में स्थापित शेतकरी गणेश की स्थापना वर्ष 1975 में स्थानीय भक्तों के सहयोग से की गई थी। इस वर्ष 2025 में इस गणेश मूर्ति के स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष आयोजन किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस विशेष अवसर को सार्थक बनाने के लिए प्रतिदिन शाम को राम मंदिर परिसर में महाप्रसाद का आयोजन किया जा रहा है। गणेश विसर्जन से पहले प्रत्येक परिवार में महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। विशेष रूप से, 50 किलो का विशाल लड्डू भी तैयार किया गया है, जो महाप्रसाद के रूप में भक्तों के बीच वितरित किया जाएगा।

मंडल के प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रतिदिन सुबह और शाम को पुरोहित द्वारा गणेश मूर्ति की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। 'शेतकरी' शब्द का अर्थ 'किसान' होता है, और इस मूर्ति को किसान समुदाय के संरक्षक के रूप में पूजा जाता है। स्थानीय भक्तों का मानना है कि यह गणेश मूर्ति किसानों के रूप में प्रकट होती है और हर रोज भक्तों को दर्शन देती है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के अवसर पर स्थानीय समुदाय में उत्साह का माहौल है और गणेश चतुर्थी के दौरान भक्तों की भारी संख्या में उपस्थिति की उम्मीद है।

फसल बर्बाद होने पर किसानों की आंखों में आंसू

हजारों रुपए लगाए, लेकिन बारिश ने मिटा दिए सभी सपने

मदनूर, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई अत्यधिक वर्षा ने किसानों के सपनों को चकनाचूर कर दिया है। मूंग, उड़द और सोयाबीन की फसलें जलमग्न होने के कारण पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। खेतों में डूबी फसलों को देखकर किसानों की आंखों में आंसू दिखाई दे रहे हैं।

किसानों का कहना है कि उन्होंने इस सीजन के लिए हजारों रुपए की लागत से बीज, उर्वरक और सिंचाई की व्यवस्था की थी। लेकिन प्रकृति के आंधी में सब कुछ बह गया।

एक किसान ने आंसू भरी आंखों से कहा, हमने अपने परिवार के भविष्य को लेकर सोचकर फसल लगाई थी। लेकिन अब हम अपने बच्चों की पढ़ाई और घर के अन्य खर्च भी पूरे करने में असमर्थ हैं।

कई किसान अब अपने खेतों के आसपास पड़े बेकार सोयाबीन, मूंग और उड़द के पौधों को उठाकर सुखाने में जुटे हैं, ताकि कुछ बीज बचाया जा सके। उनकी उम्मीद है कि इन बचे-खुचे बीजों से अगले सीजन में कुछ न कुछ उगा पाएं।

किसानों ने तेलंगाना सरकार से अपील की है कि उनकी स्थिति का संज्ञान लेते हुए तत्काल राहत पैकेज की घोषणा की जाए। उन्होंने कहा कि बीमा योजना के तहत मुआवजा जल्द से जल्द दिया जाए और नए बीज, उर्वरक और आर्थिक सहायता प्रदान की जाए ताकि वे अगले रबी सीजन के लिए तैयार हो सकें।

स्थानीय स्तर पर किसान संगठनों ने भी जल्द से जल्द जांच कर राहत की मांग की है। किसानों का कहना है, हम मेहनत के बल पर जीवन जीते हैं, लेकिन जब प्रकृति विपरीत हो जाए, तो सरकार के अलावा हमारे पास कोई सहारा नहीं होता।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास और 2000 रुपए के जुर्माने की सजा

सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने खोला था मामला

मदनूर, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर के एक दिल दहला देने वाले हत्याकांड में न्यायालय ने न्याय किया है। माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश सी.एच.वी.आर. वारा प्रसाद ने आरोपी रापनवाड़ा सायलू उर्फ रियाशनवारी सायलू (45) को आजीवन कारावास और 2000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला उस हत्या के मामले में आया है, जिसमें 60 वर्षीय वृद्ध की निर्ममता से हत्या कर दी गई थी।स्थानीय पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) विजय कोंडा ने बुधवार शाम एक प्रेस ब्रीफिंग में मामले की जानकारी देते हुए बताया कि शिकायतकर्ता बरीगे अशोक (28), मोगा गांव, डेंगली मंडल ने 20 जुलाई 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके पिता लक्ष्मण गोंडा (60) सुबह कर्जमाफी के संबंध में मेनुर बैंक गए थे, लेकिन घर वापस नहीं लौटे। रात तक फोन बंद आने और घर न लौटने पर परिवार ने तलाश

शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।अगले दिन, 21 जुलाई की सुबह, शिकायतकर्ता को सलाबतपुर के बाहरी इलाके में छक-161 राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित फ्लाईओवर ब्रिज के सेवा मार्ग पर एक शव मिला, जिसकी पहचान उन्होंने अपने पिता के रूप में की। शव पर माथे और दाहिनी आंख के पास गहरे चोट के निशान थे, जिससे मौत संदिग्ध लगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।जांच के दौरान परिवार, ग्रामीणों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई। कोई सीधा सबूत न मिलने पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों का सहारा लिया। इसके आधार पर आरोपी रापनवाड़ा सायलू को अपराधी के रूप में पहचाना गया और गिरफ्तार किया गया।

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी पहले भी चोरी और आभूषणों के लिए एक हत्या में शामिल रहा है तथा बुरी आदतों का आदी है।

20 जुलाई को लगभग 8:00 बजे, वह पैसे की कमी में अपराध करने के इरादे से घूम रहा था। उसने लक्ष्मण गोंडा को बस का इंतजार करते देखा और उनसे पैसे लूटने का फैसला किया।लगभग 10:00 बजे उसने मृतक का पीछा कर उन्हें राजमार्ग के किनारे एक कम दीवार वाले क्षेत्र में खींच लिया। जब मृतक ने विरोध किया, तो आरोपी ने उन पर एक पत्थर और काले धार ब्लॉक से हमला किया, फिर उनका गला घोंटकर हत्या कर दी और लाश को वहीं छोड़कर फरार हो गया।मामले में गवाहों के बयान, सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्य और आरोपी के खिलाफ मजबूत तकनीकी सबूत जुटाए गए। इसके बाद आरोप पत्र दाखिल किया गया। न्यायालय ने सभी साक्ष्यों की जांच के बाद मामला सिद्ध पाया और फैसला सुनाया।जिला पुलिस अधीक्षक श्री एम. राजेश चंद्रा ने मामले में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने पीपी राजगोपाल गौड़, तत्कालीन बिचकुंडा सर्कल इंस्पेक्टर नरेश, वर्तमान सर्कल इंस्पेक्टर रवि कुमार, एसआई विजय कोंडा, कोर्ट लाइजन ऑफिसर एसआई राजैया, एएसआई रामेश्वर रेड्डी और सीडीओ श्रीकांत की सराहना की। पुलिस विभाग ने इस मामले में त्वरित और वैज्ञानिक जांच के माध्यम से न्याय की पुष्टि कर दी है।

कांग्रेस पर भरोसा नहीं, बीसी आरक्षण के लिए तमिलनाडु मॉडल अपनाना होगा : नरेदला श्रीनिवास

मंचेरियाल, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीसी समाज के राज्य सचिव और आदिलाबाद जिला संयुक्त अध्यक्ष नरेदला श्रीनिवास ने कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पिछड़ी जातियों को वास्तविक आरक्षण दिलाने के लिए तमिलनाडु के मॉडल की तर्ज पर कानूनी ढांचा बनाना होगा, अन्यथा अदालतें भविष्य में आरक्षण को चुनौती दे सकती हैं।श्रीनिवास ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के बाद लगभग आठ महीने तक जाति आधारित जनगणना नहीं कराई, बल्कि मनमाने ढंग से समितियां गठित कीं और अंततः जाति जनगणना रिपोर्ट भी सार्वजनिक नहीं की। उन्होंने प्रश्न उठाया, हम कैसे विश्वास कर सकते हैं कि 42

प्रतिशत आरक्षण वास्तव में लागू होगा, जब सरकार ने इसके लिए कोई पारदर्शी कार्यवाही नहीं अपनाई?

उन्होंने सुझाव दिया कि यदि राज्य सरकार अनुच्छेद 31उ के तहत कानून बनाकर उसे संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कर ले, तो आरक्षण को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त हो सकता है, जैसा कि तमिलनाडु में 69 प्रतिशत आरक्षण के मामले में हुआ। उनका कहना था कि इसी तरीके से आरक्षण को न्यायालयीन चुनौतियों से बचाया जा सकता है।

श्रीनिवास ने कहा, यदि कांग्रेस वास्तव में पिछड़े वर्गों के साथ न्याय करना चाहती है, तो उसे तमिलनाडु के मॉडल की तर्ज पर ठोस कानूनी कदम उठाने होंगे। अन्यथा यह सिर्फ घोषणाओं तक सीमित रहेगा।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों का नेतृत्व उच्च जाति के नेताओं के हाथ में है, जिसके कारण पिछड़ी जातियों के मुद्दे का उपयोग अक्सर राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है, न कि वास्तविक समाधान के लिए।

श्रीनिवास ने इतिहास का हवाला देते हुए याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामा राव और केसीआर के समय में भी आरक्षण बढ़ाने के प्रयास किए गए थे, लेकिन उच्च न्यायालयों ने उन्हें असंवैधानिक घोषित कर दिया था। उन्होंने कहा कि कई अन्य राज्यों के उदाहरण भी इस बात के सबूत हैं कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण केवल जियो-डेटा के आधार पर अदालतों द्वारा खारिज कर दिया जाता है।उन्होंने अंत में आह्वान किया कि बीसी समाज को अपने अधिकारों के लिए एकजुट होना होगा और सरकार पर दबाव बनाना होगा ताकि आरक्षण का लाभ वास्तविक रूप से पहुंच सके।

जिले को आकांक्षा से विकास की ओर ले जाना चाहिए : सीईओ

आसिफाबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार द्वारा संचालित नीति आयोग कार्यक्रम के अंतर्गत, नीति आयोग के सीईओ कोमुराम भीम ने कहा कि आसिफाबाद जिले को आकांक्षा से विकास की ओर ले जाना चाहिए। बुधवार को नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देश के आकांक्षी जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस अवसर पर नीति आयोग के सीईओ कोमुराम भीम ने कहा कि आसिफाबाद जिले को विकास की ओर ले जाना चाहिए और उसे अग्रिम पंक्ति में रखना चाहिए। उन्होंने जिला और ब्लॉक स्तर पर नीति आयोग द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में नीति आयोग कार्यक्रम के माध्यम से किए जा रहे कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले के तिरयानी प्रखंड में शिक्षा, चिकित्सा और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और अधिकारियों के समन्वय से नीति आयोग के कार्यक्रमों का प्रभावी ढंग से संचालन किया जा रहा है।इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

शिंदे ने 15 साल में लेंडी परियोजना के लिए विधानसभा में एक सवाल तक नहीं पूछा : दरासवार सायलू

15 साल में एक बूंद पानी नहीं, अब चुनाव हारने के बाद लेंडी याद आ रही है?

मदनूर, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस पार्टी के मंडल अध्यक्ष दरासवार सायलू ने जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक हणमंत शिंदे पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने अपने 15 वर्षों के विधायक कार्यकाल में लेंडी परियोजना के बारे में विधानसभा में एक भी सवाल नहीं उठाया, जबकि वर्तमान विधायक लक्ष्मी कांतराव ने महज 20 महीनों में इस परियोजना के लिए 64 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर करवाई है।स्थानीय कृषि बाजार समिति कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सायलू ने शिंदे के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आप अपने भाषणों में कहते हैं कि हमारी सरकार रहती तो लेंडी से पानी कैसे आता, यह हमें और केसीआर को पता है। लेकिन सवाल यह है कि आपने 15 साल तक विधायक रहते हुए किसानों के लिए एक बूंद पानी भी क्यों नहीं लाई?उन्होंने कहा कि लक्ष्मी कांतराव ने अपने कार्यकाल में जुक्कल विधानसभा क्षेत्र को एक शैक्षणिक केंद्र (एजुकेशन हब) बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। आपके समय में आप कार की खिड़की तक नहीं खोलते थे, लेकिन चुनाव हारने के बाद 20 महीने में अचानक लेंडी परियोजना याद आ गई? यह सिर्फ राजनीतिक दुर्भावना है, उन्होंने कहा।सायलू ने चेतावनी दी कि शिंदे को लक्ष्मी कांतराव के कार्यकाल में हो रहे विकास कार्यों में रोड़ा अड़ाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। आपके कार्यकाल में जुक्कल का कोई विकास नहीं हुआ। अब आप निराश हैं, लेकिन जनता आपके झूठे आरोपों में नहीं आएगी।इस अवसर पर कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी मौजूद थे, जिनमें सीनियर कांग्रेस नेता हनमनलू स्वामी, सहकारी सोसायटी अध्यक्ष श्रीनिवास पाटील, पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश वटनालवार, पूर्व आत्मा कमिटी अध्यक्ष गंगाधर कोंडावार, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष भीमराव, पूर्व मंडल विकास अध्यक्ष प्रदन्या कुमार, देविदास सायालु करलावार, तुमवार, गोपी बंडीवार और अन्य कांग्रेस नेता शामिल थे।कार्यक्रम में सभी नेताओं ने लक्ष्मी कांतराव के कार्यों के प्रति समर्थन व्यक्त किया और कहा कि जुक्कल क्षेत्र में विकास का नया दौर शुरू हो चुका है।

कल्याणकारी विकास के कार्यों को गति दी जाए : वेंकटेश

आसिफाबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने कहा कि जिले में चल रहे कल्याणकारी एवं विकास कार्यों में तेजी लाई जाए। बुधवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, कागज नगर की उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला ने जिले के मंडल परिषद विकास अधिकारियों, रोजगार गारंटी योजना ए.पी.ओ., सर्प ए.पी.एम. के साथ आवास अभियांत्रिकी अधिकारियों के साथ इंदिराम्मा आवासों के निर्माण, बैंक लिंकेज के माध्यम से लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराने, वन महोत्सव के अंतर्गत पौधारोपण और स्वच्छता कार्यों पर समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में चल रहे कल्याणकारी एवं विकास कार्यों को गति देने और पूरा करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। इंदिराम्मा ने कहा कि आवास निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए और शत-प्रतिशत आवास निर्माण कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि बेसमेंट के निर्माण में देरी करने वालों की पहचान करने और बैंक लिंकेज, मंडल समाख्या के माध्यम से जिन लोगों ने मकान का निर्माण शुरू नहीं किया है, उन्हें एक लाख रुपये का ऋण प्रदान करने के लिए कदम उठाए जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन मन योजना के तहत पीवीटीजी को 100 प्रतिशत मकान स्वीकृत किए जाएंगे और पात्र लाभार्थियों की सूची प्रदान की जानी चाहिए। कार्य मेला कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, ग्राम पंचायत कार्यालय भवन, आंगनवाड़ी केंद्र भवन, मवेशी शेड, मुर्गी शेड, बकरी शेड, स्याही कुओं का निर्माण किया जाना चाहिए।

महिलाओं को आर्थिक रूप से विकसित करने के लिए सहयोग दिया जाए : धोत्रे

10 लाख की लागत से मोबाइल मछली विक्रय वाहन का उद्घाटन

आसिफाबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा है कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार इंदिरा महिला शक्ति योजना के माध्यम से व्यापक सहयोग प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) को आत्मनिर्भर बनाने और छोटे-मझोले उद्यम शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बुधवार को आसिफाबाद के एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत आसिफाबाद मंडल के बरगुड़ा गांव की स्वयं सहायता समिति की सदस्य कुंदरापु रानी ने जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संगठन) दीपक तिवारी की उपस्थिति में 10 लाख रुपये की लागत के मोबाइल मछली विक्रय वाहन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ऋण सुविधाएं और वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वयं सहायता समितियों को इन सुविधाओं का सही उपयोग करके आर्थिक रूप से मजबूत होना चाहिए।

उन्होंने बरगुड़ा गांव की महिला समिति की सराहना की, जिसने 4 लाख रुपये की स्वयं की बचत और 6 लाख रुपये की सरकारी सहायता के सहयोग से यह व्यवसाय शुरू किया है। यह एक प्रेरणादायक उदाहरण है कि कैसे महिलाएं सामूहिक प्रयास और सरकारी सहयोग से आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं, उन्होंने कहा।

कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ता राव, जिला मत्स्य अधिकारी संबाशिव राव, जिला परियोजना प्रबंधक यशोदा, यादगिरी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों और स्थानीय महिला समूहों के सदस्यों ने भाग लिया।

कलेक्टर ने कहा कि आसिफाबाद जैसे ग्रामीण इलाकों में मत्स्य पालन एक संभावित आय सृजन का स्रोत है और मोबाइल विक्रय वाहनों के माध्यम से महिलाएं न केवल अपना व्यवसाय चला सकती हैं, बल्कि स्थानीय बाजार में मछली की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर सकती हैं।

पीएम मोदी ने जीएसटी काउंसिल की ओर से दो टैक्स स्लैब को मंजूरी दिए जाने का किया स्वागत

नई दिल्ली, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई है। पीएम मोदी ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए अर्थव्यवस्था के लिए इसे मजबूत कदम बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस निर्णय का स्वागत करते हुए लिखा, अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान मैंने जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार लाने के हमारे इरादे के बारे में बात की थी। केंद्र सरकार ने जीएसटी दरों को युक्ति संगत बनाने और प्रक्रियागत सुधारों के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया था, जिसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।

उन्होंने आगे कहा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जीएसटी काउंसिल ने सामूहिक रूप से केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कटौती और सुधारों पर प्रस्तुत प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त की है, जिसमें केंद्र और राज्य शामिल हैं। जिससे आम आदमी, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग, महिलाओं और युवाओं को लाभ होगा। व्यापक सुधार हमारे नागरिकों के जीवन में सुधार लाएंगे और सभी के लिए विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और व्यवसायों के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करेंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई, जिसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।

काउंसिल ने मौजूदा 12 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स स्लैब को समाप्त कर केवल दो स्लैब 5 फीसदी और 18 फीसदी को लागू रखने का निर्णय लिया है। इस कदम से कर ढांचे को सरल बनाने और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

वित्त मंत्री ने बैठक के बाद घोषणा की कि कई आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी दरों को कम किया गया है। इनमें हेयर ऑयल, टॉयलेट सोप, बार, शैंपू, टूथपेस्ट, टेबलवेयर, किचनवेयर, नूडल्स, पास्ता, खाद्य पदार्थ, साइकिल, कई दवाइयां, मेडिकल उपकरण और कृषि उपकरण शामिल हैं। इस कदम से दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी, जिससे मध्यम वर्ग, किसानों, महिलाओं और छोटे व्यापारियों को विशेष रूप से लाभ होगा।

वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी में ये सुधार आम आदमी को ध्यान में रखकर किए गए हैं। आम आदमी के दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर लगने वाले हर टैक्स की कड़ी समीक्षा की गई है और ज्यादातर मामलों में दरों में भारी कमी आई है। श्रम प्रधान उद्योगों को अच्छा समर्थन दिया गया है। किसानों और कृषि क्षेत्र के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र को भी लाभ होगा। अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालकों को प्रमुखता दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

अर्बन कंपनी का 1,900 करोड़ का आईपीओ 10 सितंबर से खुलेगा

नई दिल्ली। मोबाइल ऐप आधारित घरेलू एवं सौंदर्य सेवा मंच अर्बन कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 98 रुपए से 103 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का कुल मूल्यांकन 14,790 करोड़ रुपए के करीब आंका गया है। आईपीओ 10 से 12 सितंबर तक खुलेगा, जबकि एंकर निवेशक 9 सितंबर को बोली लगाएंगे। कंपनी नए शेयर जारी कर 472 करोड़ रुपए जुटाएगी, जबकि मौजूदा निवेशक 1,428 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। प्रमुख निवेशक एक्सेल इंडिया, बेसेमर इंडिया कैपिटल, एलिवेशन कैपिटल सहित अन्य शेयर बेचेंगे। आईपीओ से मिले पैसे का इस्तेमाल नई तकनीक, क्लाउड अवसंरचना, मार्केटिंग और कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा। गुरुग्राम स्थित अर्बन कंपनी घरेलू सेवाओं में डिजिटल बदलाव ला रही है और निवेशकों के लिए अच्छा अवसर प्रस्तुत कर रही है ।

टीबीओ टेक क्लासिक वेकेशंस का अधिग्रहण करेगी

मुंबई। यात्रा वितरण प्लेटफॉर्म टीबीओ टेक ने अमेरिका स्थित लक्जरी ट्रैवल कंपनी क्लासिक वेकेशंस का अधिग्रहण करने के लिए द नजफी कंपनीज के साथ समझौता किया है। यह कदम टीबीओ टेक के लिए उत्तरी अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। क्लासिक वेकेशंस की अधिग्रहण प्रक्रिया फीनिक्स स्थित निवेश कंपनी द नजफी कंपनीज के माध्यम से पूरी हुई है, जिन्होंने 2021 में एक्सपीडिया ग्रुप से क्लासिक वेकेशंस को खरीदा था। टीबीओ टेक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह अधिग्रहण कंपनी की विकास रणनीति को आगे बढ़ाता है। उन्होंने यह भी कहा कि टीबीओ क्लासिक वेकेशंस को अपनी प्रणाली के साथ एकीकृत करेगा और भविष्य में इसी तरह के रणनीतिक गठबंधनों के लिए तैयार रहेगा। अंकुश ने इस अधिग्रहण को टीबीओ की वैश्विक विस्तार योजना के हिस्से के रूप में देखा है। क्लासिक वेकेशंस की सीईओ ने बताया कि टीबीओ के साथ मिलकर वे क्लासिक वेकेशंस को लक्जरी यात्रा के क्षेत्र में एक प्रमुख साझेदार के रूप में मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से कंपनी की वैश्विक पहुंच और ग्राहकों तथा आपूर्तिकर्ताओं के साथ संबंध और भी मजबूत होंगे।

विक्रान इंजीनियरिंग का शेयर निर्गम मूल्य से करीब 3 फीसदी की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

मुंबई। विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 97 रुपये से लगभग तीन फीसदी की बढ़त के साथ बुधवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,561.06 करोड़ रुपये रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर विक्रान इंजीनियरिंग की शेयर की शुरुआत 99.70 रुपये पर हुई, जो निर्गम मूल्य से 2.78 फीसदी की बढ़त है। इसके बाद में यह 4.52 फीसदी चढ़कर 101.39 रुपये पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर यह दो फीसदी की बढ़त के साथ 99 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। विक्रान इंजीनियरिंग के 772 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को इस इश्यु को प्रस्तावित 92-97 रुपये प्राइस बैंड पर बोली के अंतिम दिन गत शुक्रवार तक 23.59 गुना अभिदान मिला था। ये आईपीओ 721 करोड़ रुपये के नए शेयर और प्रवर्तकों द्वारा 51 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन था। विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड के आईपीओ में नया इश्यू और बिक्री प्रस्ताव दोनों शामिल हैं। मुंबई स्थित यह कंपनी नए शेयर की बिक्री से प्राप्त 541 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण और शेष राशि का इस्तेमाल कंपनी के सामान्य कामकाज के लिए करेगी। विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड तेजी से बढ़ती भारतीय इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण कंपनियों में से एक है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत और यूरोपीय...

वेडफुल ने उन्हें बताया कि जर्मनी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के समर्थन में अपना पूरा जोर लगाएगा। जयशंकर ने कहा कि भारत और जर्मनी ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में भी सहयोग की संभावनाएं तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि जर्मनी के साथ भारत के संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं और हम इसके लिए आगे बढ़ रहे हैं।जर्मनी के विदेश मंत्री की यह यूरोप से बाहर पहली विदेश यात्रा है। कुछ समय पहले ही विदेश मंत्री जयशंकर ने बर्लिन की यात्रा की थी और उसके तुरंत बाद जर्मन विदेश मंत्री की भारत यात्रा हुई है। जयशंकर ने कहा कि भारत और जर्मनी की रणनीतिक साझेदारी के 25 साल पूरे हो चुके हैं, जबकि वैज्ञानिक साझेदारी के 50 साल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक समझौते की नींव 60 साल पहले ही रखी गई थी। जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने बेंगलुरु का भी दौरा किया। उन्होंने भारत और जर्मनी के बीच तकनीकी सहयोग की संभावनाओं का भी जिक्र किया। जर्मन विदेश मंत्री उद्योगपतियों के प्रतिनिधिमंडल और सांसदों के साथ भारत आए हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत और जर्मनी बहुत अच्छे सहयोग की अपनी मजबूत परंपरा को आगे बढ़ाएंगे और वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम करेंगे।

चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिदृश्यों के बीच भारत को अपनी विदेश नीति में कितने बदलाव करने पड़ रहे हैं? अमेरिका-चीन-रूस जैसी ताकतों के साथ सामंजस्य और सौहार्दपूर्ण रिश्ते रखने में देश को किन मुद्दों पर सोचना पड़ता है? मौजूदा दौर में ये रिश्ते कितने चुनौतीपूर्ण हैं और भारत कैसे संतुलन बना रहा है? इन सवालों पर आज विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा, अन्य यूरोपीय देशों से इतर भारत और जर्मनी के संबंध ठोस रूप से आगे बढ़ रहे हैं। जयशंकर ने कहा, भारत के दृष्टिकोण से देखें तो कई देशों के साथ हमारे सामरिक रिश्ते हैं। यूरोपीय यूनियन का सबसे बड़ा देश होने के नाते जर्मनी की अहमियत बढ़ जाती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर दोनों देशों के रिश्ते को रेखांकित करते हुए जयशंकर ने कहा कि मौजूदा वैश्विक राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए भारत और जर्मनी के संबंधों की अहमियत और बढ़ जाती है।

गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के संबंध मौजूदा दौर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक नीतियों और टैरिफ के कारण तल्ख हो गए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को खत्म करने में अपनी भूमिका का श्रेय लेने को लेकर ट्रंप की हठधर्मिता भी किसी से छिपी नहीं है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात वर्षों के बाद चीन दौरे पर गए जहां उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। रूस-भारत और चीन (आरआईसी) के इस गठजोड़ को अमेरिकी सियासत के बीच बड़े विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। इसी संदर्भ में डॉ जयशंकर से भारत की विदेश नीति और ताकतों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती का सवाल पूछा गया था।

जयशंकर ने कहा, यूरोपीय संघ के साथ हमारे रिश्तों को मजबूत बनाने और मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जर्मनी की भूमिका अहम है। भारत और जर्मनी के बीच बहुस्तरीय सहयोग का इतिहास रहा है। मुझे उम्मीद है कि आज की बातचीत से हमारे संबंध बेहतर होंगे। प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने जर्मन विदेश मंत्री के भारत आगमन की सराहना की। उन्होंने कहा, हम 25 वर्षों की रणनीतिक साझेदारी, 50 वर्षों के वैज्ञानिक सहयोग, लगभग 60 वर्षों के सांस्कृतिक समझौतों और एक शताब्दी से भी अधिक के व्यावसायिक संबंधों का जश्न मना रहे हैं। मुझे खुशी है कि इस यात्रा के दौरान आपको बेंगलुरु जाने और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमारे सहयोग की अपार संभावनाओं को देखने का अवसर मिला।

जयशंकर ने कहा कि यूरोपीय संघ के साथ हमारे रिश्तों को मजबूत बनाने और मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जर्मनी की भूमिका अहम है। भारत और जर्मनी के बीच बहुस्तरीय सहयोग का इतिहास रहा है। मुझे उम्मीद है कि आज की बातचीत से हमारे संबंध बेहतर होंगे। बैठक में जर्मनी के विदेश मंत्री वेडफुल ने कहा, मेरे लिए, बंगलूरू की यात्रा वाकई दिलचस्प रही। हम आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से साथ मिलकर क्या कर रहे हैं। यह देखकर मुझे हैरानी हुई कि कितने छात्र जर्मन सीख रहे हैं और इससे पता चलता है कि हमारे देशों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। जर्मनी मुक्त व्यापार समझौते पर जल्द से जल्द बातचीत करने के पूरे समर्थन में है। हम एक मुक्त व्यापार राष्ट्र हैं। यूरोपीय संघ भारत के साथ समझौते पर काम कर रहा है, यह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। मुझे पूरी उम्मीद है कि हम इसमें सफल होंगे। वेडफुल ने भरोसा दिलाया कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को पूरा करने में भी वे पूरा सहयोग करेंगे।

अपनी यात्रा से पहले जर्मन विदेश मंत्री ने भारत-प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक मंच पर एक प्रमुख भागीदार के रूप में भारत की भूमिका के बारे में बात की। वेडफुल ने जर्मनी और भारत के बीच घनिष्ठ राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा सहयोग, नवाचार, प्रौद्योगिकी और कुशल कार्यबल भर्ती जैसे क्षेत्रों को द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख स्तंभ बताया। वेडफुल ने कहा कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख साझेदार है। हमारे राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से घनिष्ठ संबंध हैं। हमारी रणनीतिक साझेदारी के विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश और सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की आवाज रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र से परे भी सुनी जाती है। इसीलिए मैं बेंगलुरु और नई दिल्ली की यात्रा कर रहा हूं।

जर्मन विदेश मंत्री ने जर्मनी और भारत जैसे लोकतंत्रों के बीच स्वाभाविक गठबंधन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमारी सदी की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाता है। हम बतौर लोकतंत्र इसमें स्वाभाविक साझेदार हैं। विशाल भू-राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए हमें मिलकर नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखना चाहिए।

एस-400 घातक...

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक, 2020 से 2024 के बीच भारत के कुल हथियार आयात में 36 प्रतिशत हिस्सा रूस का था, जबकि फ्रांस से 33 प्रतिशत और इजराइल से 13 प्रतिशत हथियार भारत ने खरीदे।

अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ का बोझ लादे जाने के जवाब में रूस ने भारत को तेल पर छूट देने की घोषणा की है। रूसी कच्चे तेल की कीमत भारत के लिए और घटा दी गई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, यूराल्स ग्रेड तेल की कीमत अब सितंबर-अक्टूबर की डिलीवरी के लिए 3-4 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर मिल रही है। यह छूट तब दी गई है, जब अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल खरीदने को लेकर टैरिफ दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया है।

2022 से भारत, रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदने वाला एक बड़ा ग्राहक बन गया है। अमेरिका ने इसे लेकर कई बार नाराजगी जताई और टैरिफ का बोझ लादा। व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि भारत सस्ता रूसी तेल खरीद कर उसे रिफाइन करता है और विदेशों में बेचता है, जिससे पुतिन की युद्ध मशीन को फायदा हो रहा है। भारत ने इस आलोचना का जवाब देते हुए कहा है कि ऐसी खरीद पर कोई अंतरराष्ट्रीय पाबंदी नहीं है, यहां तक कि अमेरिकी रिफाइनरी भी अप्रत्यक्ष रूप से रूसी तेल का फायदा उठाते हैं।

उल्लेखनीय है कि अगस्त में थोड़े समय के लिए खरीदारी रुकी थी, लेकिन अब भारत के रिफाइनरी फिर से रूस से तेल खरीदना शुरू कर चुके हैं, क्योंकि यह अमेरिका के तेल के मुकाबले काफी सस्ता है, जो 3 डॉलर (लगभग 264.52 भारतीय रुपए) प्रीमियम पर कारोबार कर रहा है। भारत को मिल रहे तेल का सस्ता किया जाना इस बात की सनद है कि भारत और रूस के बीच रिश्ते मजबूत हैं। इसी का नतीजा है कि भारत को रूस से मिलने वाले कच्चे तेल पर अब और ज्यादा छूट मिलने जा रही है। इसके साथ ही, भारत और रूस के बीच एक बार फिर एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर बातचीत तेज हो गई है।

भारत रूस से पहले से ही रियायती दरों पर कच्चा तेल खरीद रहा है लेकिन अब यह छूट और बढ़ रही है। रूस का यूराल क्रूड ऑयल अब ब्रेंट क्रूड ऑयल के मुकाबले 3 से 4 डॉलर प्रति बैरल सस्ता मिलने वाला है। यह छूट सितंबर के अंत और अक्टूबर के महीने में मिलने की संभावना है। पिछले सप्ताह यह छूट 2.50 डॉलर प्रति बैरल थी, जबकि जुलाई में यह केवल 1 डॉलर प्रति बैरल थी। इस छूट से भारत को बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। क्योंकि भारत हर महीने लाखों बैरल कच्चा तेल आयात करता है, और प्रति बैरल कुछ डॉलर की बचत भी कुल मिलाकर हजारों करोड़ रुपए की बचत बन सकती है। अगर रूस भारत को और सस्ती दरों पर तेल देगा, तो भारत पर अमेरिका के टैरिफ से जो आर्थिक दबाव पड़ा है, वह कुछ हद तक कम हो सकता है। सितंबर में भारत ने अगस्त के मुकाबले रूस से 10-20 प्रतिशत ज्यादा तेल खरीदा। रिपोर्ट के मुताबिक, यह बढ़ोतरी करीब 1.5 से 3 लाख बैरल की रही। अगर रूस और छूट देता है, तो खरीद और बढ़ सकती है।

जहां तक एस-400 डिफेंस सिस्टम की नई खेप लाने का प्रसंग है, इसे लेकर बातचीत अब निर्णायक स्तर पर पहुंच चुकी है। साल 2018 में दोनों देशों के बीच करीब 5.5 अरब डॉलर की डील हुई थी, जिसमें भारत को 5 एस-400 सिस्टम मिलने थे। इनमें से 3 सिस्टम भारत को पहले ही मिल चुके हैं। बाकी दो सिस्टम भारत को 2026 और 2027 में मिलने की उम्मीद है। रूसी सैन्य सहयोग एजेंसी (फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री टेक्निकल कोऑपरेशन) के प्रमुख दिमित्री सुगायेव के अनुसार, दोनों देश इस सिस्टम को लेकर आगे सहयोग बढ़ाने की योजना बना रहे हैं और नई डील की संभावना पर बातचीत चल रही है। ऑपरेशन सिंदूर में एस-400 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी। यह सिस्टम दुश्मन के विमानों और मिसाइलों को दूर से ही पहचान कर उन्हें मार गिराने में सक्षम है। इसके चलते पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों को भारत के खिलाफ कोई दुस्साहस करने की हिम्मत नहीं हुई। यही कारण है कि भारत अब और एस-400 सिस्टम खरीदने पर विचार कर रहा है।

निलंबन के एक दिन ...

पहनकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ पिछड़ा वर्ग आरक्षण और अन्य पहलों के लिए काम किया। मुझे समझ नहीं आ रहा कि ये गतिविधियां पार्टी विरोधी गतिविधियां कैसे हैं। कुछ पार्टी सदस्यों ने टिप्पणियां कीं, और मैंने उनका जवाब दिया। मैंने हरीश राव और संतोष के बारे में बात की और कहा कि जब उनके घरों में सोना होता है तो सुनहरा तेलंगाना नहीं होता। मैंने पहले अपने भाई केटीआर से मेरे खिलाफ साजिश रचने वाले लोगों के बारे में बात की थी और उनसे कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। मुझे खुशी है कि मेरे निलंबन के बाद बीआरएस की महिला विधायक एकजुट हुईं, जिसकी मैंने हमेशा कल्पना की थी। कविता ने अपने भाई केटीआर को दोनों से बचकर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वे उनके शुभचिंतक नहीं हैं। साथ ही उन्होंने अपने पिता बीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव से अनुरोध किया कि वे अपने आसपास क्या हो रहा है, इस पर नजर रखें। के. कविता ने कहा, मैं अपने पिता से अनुरोध कर रही हूं कि वे अपने आसपास के पार्टी नेताओं की जांच करें। मैंने स्पष्ट रूप से अपनी बात रखी और उनसे अपने शब्दों पर विचार करने का अनुरोध किया।

प्रदेश के सीएम रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी और हरीश राव ने कथित तौर पर हमारे परिवार को नष्ट करने की योजना बनाई थी। रेवंत रेड्डी को इसका जवाब देना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने केवल मेरे परिवार के सदस्यों, केटीआर और केसीआर के खिलाफ मामला दर्ज किया, लेकिन हरीश राव के खिलाफ नहीं। कालेश्वरम परियोजना में अनियमितता के आरोपों पर उन्होंने कहा कि जब कालेश्वरम परियोजना शुरू हुई उस समय हरीश राव सिंचाई मंत्री थे, और रेवंत रेड्डी ने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा। हरीश राव और संतोष राव कथित तौर पर हमारे परिवार और पार्टी को नष्ट करने की योजना बना रहे हैं। हरीश राव पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वे हमारे शुभचिंतक नहीं हैं, बल्कि एक बबल शूटर हैं। उन्होंने विधानसभा चुनावों में केसीआर और केटीआर के खिलाफ काम करने के लिए पैसे दिए थे।

हिंदू, सिख, बौद्ध,...

अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जाएगी। हाल ही में लागू अप्रवासीय एवं विदेशी (नागरिक) अधिनियम, 2025 के तहत जारी किया गया यह महत्वपूर्ण आदेश बड़ी संख्या में लोगों राहत प्रदान करेगा। विशेषकर पाकिस्तान से आए उन हिंदुओं को जो 2014 के बाद भारत आए और अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे।

गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के अल्पसंख्यक समुदाय - हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई जो धार्मिक उत्पीड़न या इसके डर से भारत में शरण लेने के लिए मजबूर हुए और 31 दिसंबर 2024 या उससे पहले वैध दस्तावेजों के बिना भारत में प्रवेश किया, उन्हें वैध पासपोर्ट और वीजा रखने के नियम से छूट दी जाएगी।

पहले पवन खेड़ा...

पवन खेड़ा का नाम दिल्ली की दो विधानसभा सीटों जंगपुरा और काका नगर नई दिल्ली की वोटर लिस्ट में पाया गया। दोनों जगहों पर उनके नाम से अलग-अलग एपिक नंबर एक्टिव हैं। इस आधार पर चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस भेजा। आयोग ने कहा है कि एक व्यक्ति दो जगहों पर वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हो सकता। इसलिए पवन खेड़ा से 8 सितंबर 2025 तक जवाब मांगा गया है।

पवन खेड़ा का कहना है कि उन्होंने 2016 में एक जगह से नाम हटाने के लिए आवेदन किया था। लेकिन चुनाव आयोग ने उसे समय पर हटाया नहीं। उन्होंने जांच की मांग की और कहा कि अगर उन्होंने दो बार वोट डाला है तो सीसीटीवी फुटेज पेश किया जाए। भाजपा ने इस मुद्दे को कांग्रेस के दोहरे रवैये से जोड़ा है। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस पार्टी खुद वोट चोरी के आरोप लगाती है, लेकिन उसके अपने नेता ऐसे कृत्यों में शामिल हैं। भाजपा ने राहुल गांधी से सवाल किया है कि वे अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ लगे इन आरोपों पर क्यों चुप हैं।

दिल्ली के हिंदू...

पारित होने के तुरंत बाद घटित घटनाओं में, खालिद और इमाम ने लोगों को भड़काने की पहल की थी। हाईकोर्ट ने कहा, पहली नजर में यह साफ होता है कि जैसे ही दिसंबर 2019 की शुरुआत में नागरिकता संशोधन विधेयक पारित हुई, ये लोग (अपीलकर्ता) सक्रिय हो गए। इन्होंने तुरंत वॉट्सऐप ग्रुप बनाया और मुस्लिम बहुल इलाकों में पर्चे बांटें, जिसमें लोगों से कानून का विरोध करने और तुरंत चक्काजाम जैसी कार्रवाई में भाग लेने की अपील थी। इन पर्चों में लोगों से पूरी व्यवस्था, जिसमें इमरजेंसी सेवाएं भी शामिल हैं, उन्हें भी ठप कर देने को कहा गया। हाईकोर्ट के मुताबिक, शरजील-उमर जैसे लोगों का मकसद सिर्फ राजनीतिक विरोध नहीं था, बल्कि लोगों को खासकर मुस्लिम समुदाय को ये विश्वास दिलाना था कि सीएए और एनआरसी उनके खिलाफ हैं, ताकि जानबूझकर गड़बड़ी फैलाई जा सके।

हाईकोर्ट ने खालिद और शरजील इमाम के भड़काऊ भाषणों की टाइमिंग पर भी ध्यान दिया। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि इन लोगों ने तब भड़काऊ भाषण दिए, जब एक खास माहौल बना हुआ था। ऐसे में परिस्थितियों के साथ इन चीजों को जोड़ें, तो ये मामला सिर्फ राजनीतिक अभिव्यक्ति से अधिक आगे बढ़ जाता है। ऐसे में यह मामला राजनीतिक बदले की कार्रवाई से कहीं अधिक गंभीर है। फिर, शरजील और उमर जैसे लोगों को यूएपीए जैसे गंभीर मामले भी हैं, ऐसे में इनके भाषणों को सिर्फ राजनीतिक मानना बड़ी भूल साबित हो सकती है। सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया कि इमाम और खालिद इस पूरी साजिश के मुख्य षड़यंत्रकारी थे, जो अपने सहयोगियों के साथ तन-मन-धन से इस काम में लगे हुए थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 04 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का नारी शक्ति पर्व 10 को

डॉ. सीमा जैन मुख्य संयोजक, नरेंद्र गोयल आमंत्रण समिति के अध्यक्ष नियुक्त

ऋतु अग्रवाल सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष नियुक्त, चार उपाध्यक्ष भी चुने गए

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती के उपलक्ष्य में आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर बुधवार को राघव रत्ना टावर्स स्थित समाज कार्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। इस बैठक में नारी शक्ति पर्व और जयंती समारोह की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई।इस वर्ष श्री अग्रसेन नारी शक्ति उत्सव का आयोजन 10 सितंबर 2025 को क्लासिक गार्डन, सिकंदराबाद में प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक किया जाएगा। यह कार्यक्रम महिलाओं के सशक्तिकरण और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।बैठक में समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने संयुक्त मंत्री डॉ. सीमा जैन को अग्रसेन जयंती का मुख्य संयोजक के रूप में नियुक्त किया। साथ ही, नरेंद्र कुमार गोयल को आमंत्रण समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। डॉ. जैन ने कार्यक्रम की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए सभी शाखाओं की महिला पदाधिकारिणियों से आह्वान किया कि वे इस उत्सव में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाएं।

इसके अलावा, ऋतु अग्रवाल को सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डिंपल अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, आरती अग्रवाल और अनु केडिया को समिति की उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया।महाराजा अग्रसेन जयंती का मुख्य समारोह 22 सितंबर 2025 को शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन-3 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें समाज के हजारों सदस्य भाग लेंगे। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने इस वर्ष के आयोजनों को और भव्य बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन पूरा कर लिया है।

समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने कहा कि यह उत्सव न केवल सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक एकता का भी संदेश देता है।

गणेश विसर्जन की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे पुलिस आयुक्त सी.वी. अनंद का राकेश जायसवाल ने किया स्वागत

सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान, आयुक्त ने अधिकारियों को दिए निर्देश

गणेश विसर्जन न केवल धार्मिक अनुष्ठान, बल्कि सामाजिक एकता का प्रतीक

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणपति बप्पा मोरिया! आषाढ़ी एकादशी के शुभ अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच उत्साह का माहौल है। इस बीच, हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. अनंद ने बुधवार को मोआजमजाही मार्केट का दौरा किया, जहां उन्होंने 6 सितंबर 2025 को होने वाले विशाल गणेश विसर्जन महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शामिल होने की उम्मीद है।

इस अवसर पर जामबाग डिविजन के कॉरपोरेटर राकेश जैस्वाल ने पुलिस आयुक्त सी.वी. अनंद का स्वागत और सम्मान किया। उनके साथ श्रीराम व्यास भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। आयुक्त ने मोआजमजाही मार्केट के आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन सेवाओं और स्वच्छता व्यवस्था का विस्तृत निरीक्षण किया।पुलिस आयुक्त ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि विसर्जन मार्गों पर पर्याप्त सीसीटीवी कवरेज, ड्रोन निगरानी, एंबुलेंस, फर्स्ट एड बूथ और लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

कॉरपोरेटर राकेश जायसवाल ने कहा कि गणेश चतुर्थी केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव और सामुदायिक भागीदारी का प्रतीक है। हैदराबाद में यह उत्सव वर्षों से एकता और सद्भाव का प्रतीक रहा है। इस बार जब केंद्रीय गृह मंत्री शामिल होंगे, तो यह और भी भव्य होगा।

गणेश चतुर्थी हिंदू धर्म में सबसे पवित्र त्योहारों में से एक है। इसे विघ्नविनाशक भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि गणेश जी बुद्धि, ज्ञान, सफलता और नए कार्यों के आरंभ में आशीर्वाद देते हैं।

हैदराबाद में यह उत्सव विशेष रूप से भव्यता से मनाया जाता है। मोआजमजाही मार्केट के पास एक विशेष स्वागत पंडाल लगाया जाता है। इस बार और भी विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं ताकि उत्सव न केवल सुरक्षित, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल भी रहे।

श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण 14 सितंबर से

तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित, यजमान बनने का आह्वान

भागवत पारायण परमात्मा से जुड़ने का सुंदर माध्यम : महंत अच्युत रामानुजाचार्य

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद-सिकंदराबाद लोहाणा महाजन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन और हैदराबाद सुंदरकांड मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 14 से 20 सितंबर 2025 तक आयोजित होने वाले श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक बड़ीचावड़ी स्थित श्री जलाराम बापा मंदिर में आयोजित की गई।

यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक की अध्यक्षता लव फॉर काऊ फाउंडेशन के अध्यक्ष जसमत पटेल ने की। इस अवसर पर श्री जगन्नाथ स्वामी मठ, सितारामबाग के महंत श्री अच्युत रामानुजाचार्य, लोहाणा महाजन के चेयरमैन राजेश रामाणी, अध्यक्ष मुकेश बदीयाणी, नीतीन नथवाणी, नटवरलाल गणत्रा, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार, हैदराबाद-सिकंदराबाद गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरुण महेता, हैदराबाद सुंदरकांड मंडल की

धीरजबेन पोपट, मीनाबेन ठक्कर, संगीता रायठट्ठा, इंदुबेन गणत्रा, सुजाताबेन तन्ना, हिनाबेन हिंदोचा, ईलाबेन राजाणी, ज्योतिष एवं वास्तुविद घनश्यामभाई भट्ट, भरतभाई भट्ट, दिलीपभाई कानाबार सहित कई समाजसेवी, धार्मिक नेता और संगठनात्मक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अवसर पर महंत श्री अच्युत रामानुजाचार्य ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा पारायण परमात्मा से जुड़ने का सर्वोत्तम एवं आध्यात्मिक रूप से समृद्ध माध्यम है। उन्होंने सभी भक्तों से इस पावन अवसर का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस बार हमारे परम सौभाग्य से देवी स्वीकृति रामानुजा दासी अपनी पवित्र वाणी में श्रीमद् भागवत कथा सुनाएंगी, जो भक्तों के लिए विशेष आशीर्वाद का स्रोत साबित होगी।

राजेश रामाणी ने सभी उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए आयोजन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह भागवत पारायण अश्विन मास के पितृ पक्ष के पावन अवसर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका संकल्प सर्वजन हिताय तथा सर्वदेह, धन, विद्या, आयु, आरोग्य, सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य एवं पितृ मोक्ष प्रदान के लिए किया गया है।

उन्होंने बताया कि 14 सितंबर (रविवार) से 20 सितंबर (शनिवार) 2025 तक बड़ीचावड़ी स्थित श्री जलाराम बापा मंदिर में यह पारायण आयोजित किया जाएगा। इसमें पोथी यजमान, प्रतिदिन यजमान, सहयजमान और मुख्य यजमान के रूप में सहयोग करने वाले लोग पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर भाग ले सकते हैं।जसमत पटेल ने बताया कि आयोजन के विशेष सहयोगी बनने की अपील के कुछ ही क्षणों में श्री गुजराती सेवा मंडल, सिकंदराबाद के अध्यक्ष घनश्यामभाई पटेल, हैदराबाद सुंदरकांड मंडल और समाजसेवी श्री प्रतापभाई जाडेजा परिवार (हॉटल टूरिस्ट प्लाजा ग्रुप) ने विशेष सहयोग दाता बनने की घोषणा कर दी है। अब तक कई यजमानों के नाम प्राप्त हो चुके हैं।मुकेश बदीयाणी ने बताया कि पारायण के प्रथम दिन 14 सितंबर को मध्याह्न भोजन प्रसाद का आयोजन रखा गया है, जबकि अंतिम दिन 20 सितंबर को रात्रि में महाप्रसाद एवं हवन के माध्यम से कार्यक्रम का भव्य समापन किया जाएगा।भक्तों से अपील की गई है कि वे इस पावन अवसर से जुड़ने के लिए अपने नाम जल्द से जल्द पंजीकृत कराएं और आध्यात्मिक लाभ के साथ-साथ समाज के कल्याण में योगदान दें।

ईसीआईएल ने सीएसआर के तहत नेत्र विद्यालय डिग्री कॉलेज को दिया 33 सीटर बस

शिक्षा सबका अधिकार, चिन्ना जीयर स्वामीजी ने कहा - ईसीआईएल का समर्थन प्रेरणादायक

शमशाबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत 3 सितंबर 2025 को नेत्र विद्यालय डिग्री कॉलेज फॉर द ब्लाइंड को एक 33 सीटर कॉलेज बस का औपचारिक दान किया। यह कॉलेज जीयर इंटीग्रेटेड वैदिक यूनिवर्सिटी की एक इकाई है और मुचिंतल, शमशाबाद, तेलंगाना में स्थित है।

बस का औपचारिक हस्तांतरण ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अनुराग कुमार ने किया, जो इस अवसर पर श्री चिन्ना जीयर स्वामीजी की पावन उपस्थिति में उपस्थित थे। बस को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. अनेश कुमार शर्मा, अतिरिक्त सचिव एवं निदेशक (तकनीकी), और श्री प्रोतीक कुमार चक्रवर्ती, निदेशक (वित्त) सहित ईसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री अनुराग कुमार ने कहा कि ईसीआईएल की सीएसआर गतिविधियां समावेशी और स्थायी विकास के लिए समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि यह बस दृष्टिहीन छात्रों के लिए गतिशीलता की समस्या को काफी हद तक कम करेगी, जिससे वे प्रशिक्षण संस्थानों, कोचिंग सेंटर, औद्योगिक भ्रमण और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में आसानी से भाग ले सकेंगे।

उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य इन छात्रों को उनके सामान्य साथियों के बराबर अवसर प्रदान करना है, ताकि वे सीख सकें, बढ़ सकें, उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें।

इस अवसर पर श्री चिन्ना जीयर स्वामीजी ने ईसीआईएल के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नेत्र विद्यालय डिग्री कॉलेज का उद्देश्य सभी दृष्टिहीन छात्रों, चाहे वे किसी भी सामाजिक पृष्ठभूमि से हों, को समान शैक्षणिक अवसर प्रदान करना है। उन्होंने ईसीआईएल से आगे भी इस तरह के सहयोग की आशा व्यक्त की ताकि एक अधिक समावेशी और सुलभ शैक्षणिक वातावरण का निर्माण किया जा सके।

कार्यक्रम मेंसुधांशु कुमार, कार्यकारी निदेशक (वित्त), सी. मुरलीधर, कार्यकारी निदेशक (प्रशासन, कर्मचारी सेवा एवं मानव संसाधन), एम.एस.आर.एस. प्रसाद, कंपनी सचिव, डॉ. पी. वेणु बाबू, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं सीएसआर प्रभारी, श्री रामकृष्णा ए. वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर), सुनील कुमार जे. उप प्रबंधक (एचआर), श्रीमती सीरीषा डी. कोषाध्यक्ष, ईसीआईएल अधिकारी संघ और गंगाधरन एस, संयुक्त सचिव, ईसीआईएल मजदूर संघ सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हुआ।

मार्ग दर्शनी सोसाइटी में गणपति पूजा का भव्य आयोजन, भक्तिमय वातावरण में हुई आरती

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद के रसूलपुरा स्थित मार्ग दर्शनी वेलफेयर सोसाइटी में ललितबेन राजकुमारजी मुथा बाफना और पूनम रितेश तातेड़ द्वारा आयोजित गणपति पूजा का कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की भारी संख्या में उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

जैन रत्न रमेश पी. तातेड़ एवं मुकेशजी कटारिया द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर प्रसादी का लाभ श्रीमती पुष्पाबेन रमेशजी तातेड़ परिवार द्वारा दिया गया। पूजा-अर्चना एवं आरती के बाद सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया, जिससे कार्यक्रम का आध्यात्मिक वातावरण और भी गहन हो गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एडिशनल डीसीपी (ट्रैफिक), नॉर्थन जोन, वेणु गोपाल रेड्डी उपस्थित रहे। इसके अलावा सोसाइटी के अध्यक्ष मुकेश कटारिया, कोषाध्यक्ष मनोज जैन, सलाहकार रामसिंह

चौहान तथा कमेटी सदस्य राजकुमार अग्रवाल, देशरतन गोयल, लक्ष्मीनिवास मूंदड़ा, सत्यनारायण मूंदड़ा और प्रमोद अग्रवाल भी इस आयोजन में शामिल हुए।

पूजा विधि के बाद आयोजित आरती में भक्तों ने एकजुट होकर भगवान गणेश की स्तुति की। गणपति बप्पा मोरिया! के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। आयोजकों ने सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया तथा भगवान गणेश से समाज में शांति, समृद्धि और सद्भाव की कामना की।

यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव को भी बढ़ावा दिया।

नाबार्ड में सहकारिता को मजबूत बनाने के लिए क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित

52,500 से अधिक पैक्स ने पूरी की डिजिटल दिनचर्या

डिजिटलीकरण से पैक्स बनेंगे स्वावलंबी, ई-मार्केटिंग तक पहुंचेगी पहुंच

सहकारिता ग्रामीण समृद्धि की नींव, आईएएस अधिकारी ने बताया लक्ष्य

हैदराबाद, 03 सितंबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), तेलंगाना क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार तथा तेलंगाना सहकारिता विभाग के सहयोग से 03 सितंबर 2025 को डॉ. मर्री चन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान, हैदराबाद में सहकारिता एक बेहतर दुनिया बनाती है विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के सहकारी संस्थानों को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय, राज्य सहकारिता विभाग, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, राज्य सहकारी बैंक, एनडीडीबी, एनएफडीबी, तेलंगाना डेयरी विकास निगम (टीजीडीडीसीएफ) सहित विभिन्न संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता नाबार्ड के अध्यक्ष शजी के.वी. ने अपने मुख्य भाषण में बताया कि प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) के कंप्यूटरीकरण परियोजना में राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति हासिल हुई है। उन्होंने बताया कि- 52,500 से अधिक पैक्स ने दिनचर्या संबंधी कार्य पूरे कर लिए हैं। 9,000 से अधिक पैक्स डायनामिक डे-एंड ऑपरेशन कर रहे हैं। 33,000 से अधिक लेखा परीक्षण शझ-उड सॉफ्टवेयर के ऑडिट मॉड्यूल के माध्यम से पूरे हुए हैं। 7,500 से अधिक पैक्स को 'ई-पैक्स ओनली' के रूप में घोषित किया जा चुका है।

उन्होंने राज्य सहकारी बैंकों को 'सहकारी सारथि' प्लेटफॉर्म पर जुड़ने के लिए प्रेरित किया ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में बिना रुकावट की सेवाएं प्रदान की जा सकें।

श्री शजी ने कहा कि कंप्यूटरीकरण के माध्यम से डिजिटल बैकबोन विकसित करने से पैक्स न केवल अपने व्यापार मॉडल विस्तारित कर सकेंगे, बल्कि ई-मार्केटिंग, डिजिटल लेनदेन और ग्रामीण समुदायों को डिजिटल सेवाएं भी प्रदान कर सकेंगे। इसके लिए बिजनेस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग (बीपीआर), कोर बैंकिंग सिस्टम और उच्च स्तरीय सहकारी संस्थानों के साथ एकीकरण आवश्यक है।उन्होंने बताया कि 29,000 पैक्स में अनाज भंडारण सुविधाओं के निर्माण के तहत ग्रेन स्टोरेज प्लान भी चल रहा है, जो किसानों के उत्पाद की सुरक्षा करेगा और ग्रामीण आय में वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ जैन (आईएएस) ने उद्घाटन भाषण में कहा कि सहकारी संस्थाएं ग्रामीण समृद्धि, खाद्य सुरक्षा और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने पैक्स में तकनीकी अपनाने पर जोर दिया ताकि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच अंतर कम हो सके।

उन्होंने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक को प्रेरणादायक भ्रमण, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के लिए प्रशिक्षण, जिला स्तर पर नवीन व्यापार योजनाएं तैयार करने और स्टार्टअप्स के साथ समन्वय करने का सुझाव दिया।

कार्यशाला में नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक गोवर्धन सिंह रावत, तेलंगाना क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक बी. उदय भास्कर, मुंबई मुख्यालय के मुख्य महाप्रबंधक संजय गुप्ता और डॉ. सुमन कुमार भी उपस्थित थे।

पूरे दिन चले कार्यक्रम में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख समितियों (एमपीएसीएस) के गठन, मौजूदा पैक्स/एमपीएसीएस के कार्यों को बढ़ावा देना, सहकारी क्षेत्र में अनाज भंडारण सुविधाओं के निर्माण को तेज करना और पैक्स के कंप्यूटरीकरण को बढ़ावा देने पर गहन चर्चा हुई।

उदय भास्कर, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड तेलंगाना ने कहा कि बहु-एजेंसी पहलों का एकीकरण, सहकारी बैंकिंग कड़ियों को मजबूत करना, सहकारी संस्थाओं के बीच व्यापार गतिविधियों को बढ़ावा देना और लक्षित प्रशिक्षण व तकनीक अपनाकर संस्थागत क्षमता निर्माण ही वर्तमान समय की आवश्यकता है।

गोवर्धन सिंह रावत, उप प्रबंध निदेशक, नाबार्ड ने कहा कि इस कार्यशाला ने कार्ययोजना तैयार करने, राज्य स्तरीय सफलताओं को साझा करने और सामान्य चुनौतियों के समाधान खोजने के माध्यम से लचीले और आत्मनिर्भर सहकारी संस्थानों की ओर एक सुसंगत प्रयास की नींव रखी है।इस सहयोगपूर्ण कार्यशाला के माध्यम से नाबार्ड ने आधारभूत संस्थानों को सशक्त बनाने, ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने और सहकारी शासन सुधारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है, जो स्थायी विकास को गति देंगे।कार्यक्रम के दौरान सिद्धार्थ जैन का स्वागत बी. उदय भास्कर, सीजीएम, नाबार्ड ने फूलों द्वारा किया।

कार्यक्रम में शामिल गणमान्य व्यक्तियों में-पंकज श्रीवास्तव, निदेशक, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय,

संजय कुमार गुप्ता, सीजीएम, सीएसडीडी, नाबार्ड, मुंबई; सिद्धार्थ जैन, संयुक्त सचिव, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय; जी.एस. रावत, सीजीएम, नाबार्ड तेलंगाना; डॉ. सुमन कुमार, सीजीएम, जीएसडी, नाबार्ड, मुंबई एवं अन्य उपस्थित थे।

सनातनी वॉरियर्स द्वारा आयोजित गणेश मंडपम में बजरंग सेना राज्य अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव का सम्मान

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज गोलीगुड़ा स्थित सनातनी वॉरियर्स द्वारा आयोजित गणेश मंडपम में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें तेलंगाना राज्य बजरंग सेना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव को उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम संजय बस्ती, गोलीगुड़ा में आयोजित किया गया था।इस भव्य कार्यक्रम में श्रीकांत, गिरिराज, बालकृष्ण सहित संगठन के कई प्रमुख नेता और स्थानीय समुदाय के सैकड़ों सदस्य उपस्थित थे। मंडप में भक्ति का वातावरण छाया रहा। भजन-कीर्तन, आरती और वैदिक मंत्रों के बीच आयोजित इस समारोह ने गणेश चतुर्थी के उत्सव को और अधिक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक ऊंचाई प्रदान की।सम्मान समारोह के दौरान आयोजकों ने कहा कि श्री लक्ष्मण राव ने तेलंगाना में सनातन धर्म, हनुमान भक्ति और युवाओं में सांस्कृतिक चेतना जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में बजरंग सेना ने न केवल सामाजिक सुरक्षा के कार्य किए, बल्कि युवाओं को सनातन मूल्यों से जोड़ने में भी बड़ी भूमिका निभाई है।श्री लक्ष्मण राव ने सम्मान प्राप्त करते हुए कहा, यह सम्मान मैं बजरंग सेना के हर कार्यकर्ता को समर्पित करता हूं। हमारा उद्देश्य केवल धर्म नहीं, बल्कि समाज में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक सुरक्षा की स्थापना करना है।

श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति ने शिक्षा के लिए 1.40 लाख का आर्थिक सहयोग दिया

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति ने शिक्षा के क्षेत्र में पाँच जरूरतमंद परिवारों को कुल 1.40 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह सहयोग समाज के शिक्षा-प्रेमी दानदाताओं की मदद से संभव हुआ।

समिति द्वारा दिए गए सहयोग का विवरण इस प्रकार है: बिलाड़ा में एक परिवार को 21,000 रुपये। बुसी गाँव की एक महिला को 51,000। रुपये। आगेवा गाँव के एक परिवार को 35,000 रुपये, नाडोल के एक परिवार को 11,000 रुपये और बाली से बिलाड़ा में अध्ययनरत एक परिवार को 21,000 रुपये शामिल हैं।समिति के पूर्व अध्यक्ष सुजाराम गेहलोत ने बताया कि यह राशि जरूरतमंद छात्रों को अपनी शिक्षा जारी रखने में मदद करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि 2017 में अपनी स्थापना के बाद से अब तक समिति ने शिक्षा और मानवीय सेवा के लिए 90 लाख से अधिक की राशि का सहयोग दिया है, जिसमें कोरोना काल में दान की गई दो एम्बुलेंस भी शामिल हैं।

गेहलोत ने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समाज का कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित न रहे। इसी लक्ष्य के साथ, यह भामाशाहों (दानदाताओं) के सहयोग से जरूरतमंद विद्यार्थियों को लगातार आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। 2017 से 2025 तक, समिति ने लगभग 300 परिवारों को लाभान्वित किया है। कोरोना महामारी के दौरान, समिति ने मानवीय सेवा के लिए दो एम्बुलेंस भी दान कीं, जो वर्तमान में सोजत रोड और जैतारण में सेवाएँ दे रही हैं।

समिति के वर्तमान पदाधिकारियों में अध्यक्ष भेराराम हाम्बड, महासचिव जगदीश सोलंकी, कोषाध्यक्ष करमाराम परिहार और सचिव भगवान राठौड़ शामिल हैं। इसके संरक्षक रामलाल सैणचा (गांधीधाम), बाबुलाल (हैदराबाद) और इंदरलाल सोलंकी (बेंगलुरु) हैं, जबकि संस्थापक गुदाराम काग और भीमाराम सोलंकी (पुणे) हैं।

अग्रवाल समाज सनथनगर में अग्रसेन महाराज की पूजा एवं गणेश पूजा का आयोजन

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज सनथनगर शाखा द्वारा बुधवार को शुभ और भक्तिमय वातावरण में महाराजा अग्रसेन जी की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही समाज के सदस्यों ने गणेश पूजा एवं अन्नदान का आयोजन कर सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा दिया।

पूजा स्थल पर समाज के सैकड़ों सदस्यों ने उपस्थिति दर्ज की। महाराजा अग्रसेन के जीवन और उनके द्वारा प्रतिपादित समाजिक न्याय, सहभागिता और व्यापारिक नैतिकता के संदेश पर जोर दिया गया।

आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को दर्शाता है, बल्कि समाज में एकता और पारंपरिक मूल्यों को बचाए रखने का प्रयास भी है।

इस अवसर पर सपना गुप्ता, नरेश और दयानंद ने विशिष्ट अतिथि काव्य किशन रेड्डी का स्वागत फूलमाला और शाल ओढ़ाकर किया। उनके आगमन से कार्यक्रम की गरिमा में और वृद्धि हुई।कार्यक्रम में बोलते हुए आयोजकों ने कहा कि महाराजा अग्रसेन आज भी हमारे लिए एक प्रेरणा हैं। उनके द्वारा स्थापित सहकारिता और सामाजिक समता के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं।

समापन पर सभी ने मिलकर जय अग्रसेन के जयकारे लगाए। आयोजकों ने सभी समाजजनों से आगामी आयोजनों में अधिक संख्या में भाग लेने और समाज के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक उत्थान में योगदान देने का आह्वान किया।

भागवताचार्य डॉ. श्री श्याम सुंदर पाराशर का गणेश मंदिर में भव्य स्वागत

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणेश मंदिर, चादरघाट में बुधवार को विश्वविख्यात भागवताचार्य डॉ. श्री श्याम सुंदर पाराशर जी का भव्य स्वागत किया गया। उनके स्वागत का शुभारंभ आचार्य सत्यप्रकाश तिवारी, नीरज तिवारी और वेदप्रकाश तिवारी ने फल, साल और पुष्पहार अर्पित कर किया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण छाया रहा।इस शुभ अवसर पर विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, रमेश मोदानी, मुरली धर गुप्ता, विपुल अग्रवाल, आदित्य नारायण मिश्रा, पुष्पेंद्र शुक्ला, सुनील शुक्ला, मनोज शुक्ला, मानेंद्र शुक्ला, रूपेश पांडे, महेंद्र तिवारी सहित कई समाजसेवी, धार्मिक नेता और स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।उपस्थित लोगों ने डॉ. पाराशर जी के आध्यात्मिक योगदान, शास्त्रज्ञान और भागवत कथा के प्रचार-प्रसार के लिए उनके कार्यों की सराहना की। आयोजकों ने कहा कि उनकी उपस्थिति न केवल मंदिर के लिए आशीर्वाद साबित होगी, बल्कि समाज में आध्यात्मिक चेतना को भी बढ़ावा मिलेगा।डॉ. श्री श्याम सुंदर पाराशर जी भारत और विदेशों में अपनी गहन शास्त्र व्याख्या, भागवत कथा और वैदिक ज्ञान के लिए विश्वविख्यात हैं। उनके आगमन से वाराणसी के आध्यात्मिक वातावरण में और भी गहराई आ गई।समारोह के अंत में आयोजकों ने सभी उपस्थित अतिथियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया तथा भगवान गणेश से समाज में शांति, समृद्धि और ज्ञान की कामना की।

गीत चाँदनी द्वारा राष्ट्रीय एकता और भक्ति कवि गोष्ठी का सफल आयोजन

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर के कवियों की 44 वर्ष पुरानी प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'गीत चाँदनी' ने अपने कार्यालय कवि भवन में एक सफल राष्ट्रीय एकता व भक्ति कवि गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के उपाध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र माधुर्य ने की, जबकि संचालन गोविंद अक्षय ने किया, जो संस्था के कार्यदर्शी और गोलकोंडा दर्पण के संपादक भी हैं।गोष्ठी का शुभारंभ गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। पूजा की मुख्य संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव और श्रीमती कामिनी सिंह ने सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर वरिष्ठ कवि एस. के. जैन लौंगपुरिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कवि गोष्ठी की शुरुआत डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव द्वारा गाई गई गणेश वंदना और संतोष कुमार मिश्र माधुर्य की सरस्वती वंदना से हुई।इस गोष्ठी में सत्यनारायण काकड़ा, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, एस. के. जैन लौंगपुरिया, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, गोविंद अक्षय, आरती कुमारी, खलीश हैदराबादी, संत कुमार मंडल जागृति, राजकुमार यादव और पूनम जोधपुरी जैसे कवियों ने अपनी कविताओं का पाठ किया।कार्यक्रम के दौरान, वक्ताओं ने श्री गणेश चतुर्थी और राष्ट्रीय कवि सम्मेलनों की सार्थकता पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि महान समाज सुधारक बाल गंगाधर तिलक ने महाराष्ट्र से गणेशोत्सव को राष्ट्रीय एकता और जनजागृति का माध्यम बनाया था, जो आज पूरे देश में फैल चुका है और एकता का एक जीवंत उदाहरण बन गया है।डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने भगवान गणेश को विघ्नहर्ता बताया और कहा कि गणेश चतुर्थी का यह पर्व भक्ति भावना का प्रतीक है। उन्होंने 'गीत चाँदनी' की निस्वार्थ गतिविधियों की सराहना की।विशेष अतिथि एस. के. जैन लौंगपुरिया ने राष्ट्रीय चेतना जगाने के लिए गणेशोत्सव के महत्व पर जोर दिया और भगवान गणेश को बुद्धि का दाता बताया।अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र माधुर्य ने कहा कि गणेशोत्सव ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के नेतृत्व में ब्रिटिश काल के दौरान भारतीय एकता को मजबूत किया था। उन्होंने कहा कि गणपति सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता हैं और उनकी भक्ति से सभी कार्य सफल होते हैं।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कामिनी सिंह, यथार्थ सिंह और प्रभात सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने सभी कवियों और श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अशोक दोशी और गोविंद अक्षय की ओर से गणेश जी की स्थापना और प्रसाद की सुंदर व्यवस्था की गई थी।

बेगमबाजार में भगवान परशुराम मंदिर निर्माण का शुभारंभ

गणेश पूजा के साथ लिया गया संकल्प

तेलंगाना में पहला भगवान परशुराम मंदिर भक्तों ने बताया ऐतिहासिक कदम

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के बेगमबाजार क्षेत्र में बुधवार को भगवान परशुराम मंदिर के निर्माण का शुभारंभ गणेश पूजा एवं विधिवत आह्वान के साथ किया गया।

मंदिर परिसर में आयोजित एक शुभ मुहूर्त में भगवान गणेश जी की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद समाज के प्रतिनिधियों ने मंदिर निर्माण का औपचारिक संकल्प लिया।इस ऐतिहासिक अवसर पर यह निर्णय लिया गया कि गणेश विसर्जन समाप्त होने के बाद मंदिर के पूर्ण पैमाने पर निर्माण कार्य की शुरुआत की जाएगी। आयोजकों ने कहा कि यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र होगा, बल्कि तेलंगाना में भगवान परशुराम जी के प्राचीन मंदिर के भव्य पुनर्निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उन्होंने मंदिर निर्माण में आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक सहयोग का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों में वेद प्रकाश जोशी, पंडित पुरुषोत्तम लाला, रामदेव नागला, पवन मिश्रा, विशाल शर्मा, लड्डू ओझा, संदीप जयलवाल, नितेश अग्रवाल, एंडोवमेंट अधिकारी सुरेंद्र, श्रीनिवास, भगवान ओझा, वैभव शर्मा, विजय ओझा, नितेश व्यास, कमल शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु शामिल हुए।

उपस्थित भक्तों ने इस आयोजन को तेलंगाना में भगवान परशुराम जी के प्रथम प्राचीन मंदिर के भव्य पुनर्निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम छठे अवतार हैं भगवान विष्णु के और ब्राह्मण-क्षत्रिय समरसता के प्रतीक माने जाते हैं। इस मंदिर के माध्यम से उनकी आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।आयोजकों ने सभी समाजजनों से अपील की कि वे इस पुण्य कार्य में सहयोग और योगदान दें ताकि यह मंदिर एक भव्य, दिव्य और समाज के लिए गौरव का प्रतीक बन सके।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, LALITHA Spouse of No.14660648N Hav EKKALURI K RAVI CHANDRA, Resident of Vill:Akkalareddypalli, PO:Porumamilla, Teh:Badvel, Dist:YSR Kadapa, Andhra Pradesh-516193 have changed my name from LALITHA to EKKALURI LALITHA vide affidavit dt:03-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, EKKULURI LAKSHMI NARASAMMA Mother of No.14660648N Hav EKKALURI K RAVI CHANDRA, Resident of Vill:Akkalareddypalli, PO::Porumamilla, Teh:Badvel, Dist:YSR Kadapa, Andhra Pradesh-516193 have changed my name and DOB from E LAXMI NARASAMMA, DOB:01-07-1965 to EKKULURI LAKSHMI NARASAMMA, DOB:01-01-1966 vide affidavit dt:03-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, EKKULURI PRASAD RAO Father of No.14660648N Hav EKKALURI K RAVI CHANDRA, Resident of Vill:Akkalareddypalli, PO::Porumamilla, Teh:Badvel, Dist:YSR Kadapa, Andhra Pradesh-516193 have changed my name and DOB from E PRASAD RAO, DOB:01-07-1957 to EKKULURI PRASAD RAO, DOB:12-03-1952 vide affidavit dt:03-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, B DURGA BHAVANI Spouse of Service No. 6925652L Ex.Hav B S V MALLIKARJUNA RAO, R/o.17-2-14, Hanuman Street Parlov Peta Kakinada (Urban) East Godavari, Andhra Pradesh-533000 have changed my name from B DURGA BHAVANI to BODA DURGA BHAVANI vide affidavit dt:03-09-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, NITYA SINGH is legally wedded spouse of No 4288099K. Rank Nk/Chef, Name- NAGENDRA KUMAR SINGH, presently posted with 20 Bihar C/o. 56 APO, resident of village Galibaha, Post Madhaipur Khande Ray, The Paraspur, Dist-Gonda, State-UP. Pin-271504, do hereby that my name has been wrongly entered/recorded as "NITIYA SINGH" in my husband service documents by mistake, my correct name is "NITYA SINGH", for All future records purposes vide Affidavit No.AB432296 Date.28 Agu.2025

सिग्नेचर अपार्टमेंट में श्रद्धापूर्वक हुआ गणेश विसर्जन

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिमायतनगर स्थित सिग्नेचर अपार्टमेंट परिसर में इस वर्ष भी भक्तिभाव के साथ गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया गया। विगत कई वर्षों की तरह, इस बार भी मिट्टी से बनी भगवान गणेश की एक आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई थी।

प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए अशोक बंसल ने बताया कि राजेंद्र पींचा के संयोजकत्व में उनके सहयोगी शालीन जैन, किशन कड़ेल, पवन कटारिया और नवनीत तोषनीवाल ने सात दिनों तक पंडाल का सुंदर आयोजन किया।मंगलवार, 2 सितंबर को भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन बिल्डिंग के स्विमिंग पूल में श्रद्धापूर्वक किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त मौजूद थे।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में श्रीनिवास राव, सुरेंद्र जैन, दिलीप जैन, अशोक बंसल, हितेश लोढ़ा, राजेंद्र पींचा, पवन कटारिया, भंवरलाल कटारिया, किशन राव, वेंकैया, मनसुख जैन, पुनीत बंसल, किशन कड़ेल, नवनीत तोषनीवाल, रमेश जैन, ललित जैन, शब्बीर, वेणु सोनी, गोप सुखवानी, प्रीतम डागा, अलंकार जाधव, राहुल जैन, यश जैन, अंकित बंसल, गजेंद्र पारख, आशीष बियानी, केतुल मेहता, शर्मा जी, लीला कटारिया, रजनी बंसल, अनु पींचा, प्रियंका कटारिया, सरला दूगड़, कविता तोषनीवाल, जेसिका मेहता, संगीता जैन, शालिनी बियानी, रेखा पारख, निकिता बंसल, श्रीमती कड़ेल, मृदुला, नीतू जैन, भावना शाह, फरहीन, वनिता जैन, मनीषा सोनी, श्रीमती डागा, श्रीमती गीता सुखवानी, प्रेरणा जैन, सुरभी जैन और नेहा जैन शामिल थे।

वीर रुद्र परिषद् द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हर साल की तरह इस वर्ष भी वीर रुद्र परिषद् ने चूड़ी बाजार में श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा के साथ मंडप की स्थापना की । इस आयोजन का उद्देश्य भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर भक्तों में श्रद्धा का संचार करना है।

इस भव्य समारोह में भगवान श्री गणेश की अत्यंत सुंदर और आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई, जो श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित कर रही है। इस आयोजन में परिषद के सदस्यों ने अपना निस्वार्थ सेवा और मेहनत से इसे सफल बनाने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई है। इसमें शिवलेश, दीपक, अर्जुन, विशाल, मुकेश, अभिषेक, अनुदीप, संभाजी, संचित, पवन और आकाश जैसे कार्यकर्ता शामिल रहे।

परिषद ने सभी भक्तों से आग्रह किया है कि वे इस पंडाल में आकर भगवान गणेश के दर्शन करें, उनका आशीर्वाद प्राप्त करें और अपने जीवन को मंगलमय बनाएं। यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए एक शुभ अवसर है और सभी से इसमें भाग लेने की अपील की गई है।

भगवान गणेश की पूजा, श्रद्धा और भक्ति का संचार, समाज में सकारात्मकता और मंगलकारी ऊर्जा का प्रसार।

राधे राधे ग्रुप ने हैदराबाद में किया नित्य अन्नप्रसाद का वितरण

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप ने बुधवार हैदराबाद में दो स्थानों पर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया। यह सेवा बेगमबाजार स्थित गौशाला के पास और नामपल्ली के पब्लिक गार्डन (पिलर-1265) में सुबह 7:31 बजे शुरू हुई।

यह आयोजन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के शुभ अवसर पर किया गया। इस अन्नप्रसाद वितरण में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, ई-जगन्नाथ चंपपेट, रोहित अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, सुरेश डालमिया, रवि अग्रवाल, विनोद तोशनीवाल, रितेश गुप्ता, अनिल भाई, गोविंद राम जी, पन्नालाल जी, नमन अग्रवाल, मनोज शर्मा, नीलम विजयवर्गी, मीना अग्रवाल, लता गोयल, आशीष, किशन पाल और अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना और समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाना था।

घंसी बाज़ार, झूले में स्थित गोयल निवास में अग्रवाल परिवार द्वारा भगवान गणेश की एक सुंदर प्रतिमा स्थापित की गई है। इस अवसर पर परिवार के कई सदस्य और अन्य भक्त उपस्थित रहे।गणेश जी की स्थापना के इस पावन कार्य में यश अग्रवाल, सरोज, लीला, राखी, प्रियंका, संतोषी, सलोनी समेत अन्य लोग भी मौजूद थे। सभी ने मिलकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और इस आयोजन को सफल बनाया।

नामपल्ली स्थित श्री देवी बाग मंदिर में भगवान गणेश की प्रतिमा की पारंपरिक रूप से पूजा-अर्चना की गई।इस धार्मिक आयोजन में श्री सुधीर जोशी महाराज, संदीप महाराज, किशोर चिटगोपेकर और सतीश कुलकर्णी सहित कई भक्त उपस्थित थे, जिन्होंने गणेश जी का आशीर्वाद लिया और इस पावन पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाया।

हिमालय ध्यानयोग के लाइफ मैनेजमेंट कार्यक्रम का प्रचार सामग्री विमोचन

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के बडीचावडी स्थित डीएमआर हाइट्स के हिमालय ध्यानयोग केंद्र में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहाँ आगामी 'लाइफ मैनेजमेंट' विषय पर होने वाले कार्यक्रम की प्रचार सामग्री का विमोचन किया गया।

हैदराबाद केंद्र के प्रमुख आचार्य चिराग शाह ने बताया कि यह कार्यक्रम रविवार, 7 सितंबर 2025 को शाम 4:30 बजे बशीरबाग, किंगकोठी रोड स्थित भारतीय विद्या भवन में होगा। इस आयोजन में पूज्य गुरु माँ 'लाइफ मैनेजमेंट थ्रू हिमालयन मेडिटेशन' विषय पर अपना संबोधन देंगी।

प्रचार सामग्री का विमोचन लव फॉर काऊ फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, श्री गुजराती प्रगति समाज के कार्यकारी सदस्य दिनेश गोसर, हिमालयन ध्यानयोग मुंबई की हर्षा धरमशी और हैदराबाद केंद्र के संपदा गजरे, सुवर्णा परलीकर, अनीता पटेल, नरेंद्र सावला, दिनेश पटेल, कीर्ति पटेल, अखिलेश दो-नजेकर, राजेश शाह, विपुल देढिया और चंद्रकांत मोता ने मिलकर किया।

इस अवसर पर मुंबई से आईं हर्षा धरमशी ने कहा कि आज के समय में हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या का सामना कर रहा है। ऐसे में हिमालयन ध्यानयोग ध्यान के माध्यम से लाखों लोगों को लाभ पहुंचा रहा है। उन्होंने बताया कि हिमालयन ध्यानयोग के प्रणेता सदगुरुश्री शिवकृपानंद स्वामीजी ने हिमालय में आत्मज्ञान प्राप्त किया और पिछले 25 वर्षों से समाज में इस ज्ञान का प्रसार कर रहे हैं। उन्होंने सबसे पहले अपनी धर्मपत्नी, पूज्य गुरु माँ, को यह ज्ञान प्रदान किया था।

आचार्य चिराग शाह ने कहा कि इस कार्यक्रम में तकनीक के युग में आने वाली अनेक समस्याओं का समाधान मिलेगा। हर उम्र के लोग इसमें भाग ले सकते हैं। पूज्य गुरु माँ अपनी मधुर वाणी में समझाएँगी कि हिमालयन ध्यानयोग हमारी दैनिक दिनचर्या में किस प्रकार उपयोगी है। उन्होंने सभी से इस 'लाइफ चेंजिंग' कार्यक्रम का लाभ उठाने का आग्रह किया।

दिनेश पटेल ने बताया कि हिमालयन ध्यानयोग द्वारा पूरे विश्व में नि:शुल्क ध्यान शिविरों का आयोजन होता है और अभ्यास के लिए कई ध्यान केंद्र भी नि:शुल्क चलाए जा रहे हैं।

रामपल्ली एक्स रोड पर गणेश उत्सव का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 3 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामपल्ली एक्स रोड, ईस्ट गांधी नगर, नागाराम रोड नंबर 8 पर इस वर्ष भी गणेश उत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ किया गया। यह आयोजन आनंदनम के तत्वावधान में हुआ, जिसमें श्री बालाजी स्टील्स और श्रीमती का विशेष योगदान रहा।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन और संचालन श्री पी वेंकटेश्वर राव और सुभाषिनी द्वारा किया गया। भक्तों ने गणेश जी की मूर्ति के दर्शन किए, पूजा-अर्चना की और इस शुभ अवसर का आनंद लिया। आयोजन में सभी श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान गणेश से मंगलमय जीवन और समृद्धि की कामना की।

यह उत्सव समाज में भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का एक शानदार माध्यम रहा। आयोजकों और प्रायोजकों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया, जिन्होंने इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुल्तान बाजार में गणेश चतुर्थी के अवसर पर अधिवक्ता प्रदीप पार्थनी और प्रतिभा पार्थनी ने एंटो भाई और बाबली भाई के साथ गणेश जी की प्रतिमा के दर्शन किए। सभी ने मिलकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और इस पावन पर्व पर अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

जोगु साईचरित ने अंडर-14 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन से जीता दिल

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शाबाद मंडल के जोगु साईचरित (कक्षा 9) ने अंडर-14 क्रिकेट में अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। मोइनाबाद के चिलकुर स्थित राहुल क्रिकेट ग्राउंड में नोबल बनाम हैदराबाद अकादमी के बीच हुए टी-20 मैच में उन्होंने अपनी टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नोबल टीम की तरफ से खेलते हुए, जोगु साईचरित ने 7.5 ओवर की गेंदबाजी में मात्र 11 रन देकर 6 विकेट हासिल किए। उनकी यह शानदार गेंदबाजी टीम की जीत का प्रमुख कारण बनी।

यह पहला मौका नहीं है जब साईचरित ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। पिछले साल जनवरी में दुबई में हुए अंडर-16 टूर्नामेंट में भी उन्होंने पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश जैसी टीमों के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

वर्तमान में टाइम्स इंटरनेशनल स्कूल, बंदलागुड़ा जागीर में 9वीं कक्षा में पढ़ रहे जोगु साईचरित लेग स्पिन गेंदबाजी और बाएं हाथ की बल्लेबाजी में माहिर हैं। उनके कोच प्रवीत ने इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी।

केबीआर पार्क में भक्तों ने की इच्छापूर्ति गणेश पूजा

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में बुधवार को भक्तों ने बड़े उत्साह के साथ इच्छापूर्ति गणेश जी की पूजा-आरती का आयोजन किया। इस अवसर पर भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और पूजा में भाग लेकर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की।इस धार्मिक आयोजन में कई भक्तों ने हिस्सा लिया, जिनमें राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, माया अग्रवाल, कृषिका अग्रवाल, नवनीता अग्रवाल, विजया रेड्डी, संध्या रानी अग्रवाल, ललिता अग्रवाल और माया अग्रवाल प्रमुख थीं।

पूजा के मुख्य यजमानों में भोज रेड्डी, विनोद पारो, डॉ. राधा कृष्ण, अशोक रूंगटा, सुरेंद्र साईराम, सतीश सिसौदिया, राजू मोदी, साईं संदीप, श्री राम, सुनील गुप्ता, आनंद नरेडी, नीता मोर, वेंकट, मंसाराम, नरेंद्र अग्रवाल, सुरेंद्र मोर और सोहिल पिट्टी शामिल थे।

काचीगुडा में पारेख निवास पर स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा के दर्शन के लिए परिवार के सदस्य एकत्र हुए। इस अवसर पर तारादेवी पारेख, धीरज, नरेश, कोमल, शुभ और मोक्ष ने मिलकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और अपनी श्रद्धा अर्पित की।

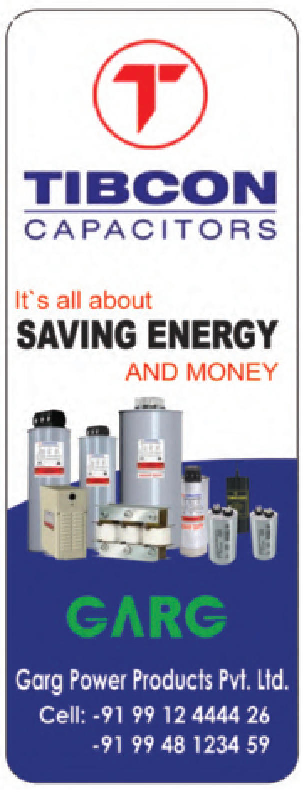

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28°
न्यूनतम : 23°

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,09,760/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,27,680/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,567.71
+409.83 +0.51% ↑
एनएसई :24,715.05
135.45 (0.55%) ↑

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, SC No.JC -290355-N. Rank: NB/SUB(RST) Name:SRINU KANCHARLA R/o.H.No.8-107/D. Chagantivaripalem, VTC Muppalla, District:Guntur, State:A.P. and have changed my father name & DOB from VENKATESWARLU DOB: 01-07-1953 to KANCHARLA VENKATESWARLU & DOB: 01-01-1950 in my service records.

CHANGE OF NAME & DOB
I, SC No.JC-290355-N. Rank: NB/SUB (RST) Name:SRINU KANCHARLA R/o.H.No.8-107/D, Chagantivaripalem, VTC MUPPALLA, District:GUNTUR, State:A.P. and have Changed My Mother name & DOB from PARVATI & DOB: 01-07-1958 to KANCHARLA PARVATAMMA & DOB: 01-01-1956 in my service records.

मोदी सरकार का जीएसजी पर बड़ा कदम : 12-28% स्लैब खत्म

अब सिर्फ 5% और 18%

नई दिल्ली, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार ने जीएसटी (माल एवं सेवा कर) की दरों में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। आज हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में 12% और 28% के टैक्स स्लैब को खत्म कर दिया गया है, और अब केवल दो मुख्य दरें लागू होंगी - 5% और 18%। इस फैसले का उद्देश्य आम जनता को राहत पहुंचाना और दैनिक जीवन की वस्तुओं को सस्ता बनाना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह कदम आम आदमी के लिए राहत देने और कर प्रणाली को सरल बनाने के लिए उठाया गया है।

सभी वस्तुओं पर जीएसटी दरें कम: 5% की दर से: हेयर ऑयल, टॉयलेट सोप, साबुन की टिकिया, शैंपू, टूथब्रश, टूथपेस्ट, साइकिल, घरेलू सामान, अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर दूध, छेना, पनीर, भारतीय रोटियां, नमकीन, पास्ता, चॉकलेट, कॉफी, संरक्षित मांस, मक्खन, घी आदि।शून्य दर: सभी प्रकार की रोटियां, जैसी रोटी या पराठा।18% की दर: टीवी, एयर कंडीशनर, छोटी कारें, मोटरसाइकिलें (350 सीसी से कम), ऑटो पार्ट्स, बसें, ट्रक, एम्बुलेंस, मानव निर्मित वस्त्र, रासायनिक उर्वरक, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण आदि।

विशेष छूट और राहत: 33 जीवन रक्षक दवाओं का जीएसटी शून्य किया गया।

कैंसर, दुर्लभ रोगों की दवाओं पर जीएसटी 5% से घटाकर शून्य।

कृषि मशीनें, जैव-कीटनाशक, प्राकृतिक मेन्थॉल, हस्तशिल्प, संगमरमर, ट्रैवर्टीन, ग्रेनाइट, चमड़ा उत्पाद आदि पर भी दरें घटाई गई हैं।

ऊर्जा से जुड़ी वस्तुएं जैसे सौर पैनल, सौर जल हीटर आदि पर जीएसटी 12% से 5% कर दी गई है।

अतिरिक्त कर दरें: 40% की विशेष दर: केवल तंबाकू उत्पाद जैसे पान मसाला, गुटखा, सिगरेट, बीड़ी आदि पर लागू होगी।कुल मिलाकर, सरकार का यह कदम कर प्रणाली को सरल बनाने और आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास है। सीतारमण ने कहा कि अधिकांश वस्तुएं अब 18% से नीचे आ गई हैं, जिससे आम उपयोग की वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। यह बदलाव उद्योग, कृषि, स्वास्थ्य और उपभोक्ता क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालेगा, और सरकार की विज़न को साकार करेगा कि कर प्रणाली अधिक पारदर्शी और प्रभावी हो।

गाँवों से दुनिया तक: तेलंगाना के युवाओं को वैश्विक नौकरियों के लिए कुशल बनाने की योजना : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक बार फिर शिक्षा के महत्व पर जोर दिया है, जिसे उन्होंने गरीबों के बेहतर भविष्य का एकमात्र साधन बताया। उन्होंने कहा कि सरकार वंचितों को शिक्षित करने और उन्हें समाज का एक उत्पादक हिस्सा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, और इस कार्य के लिए आवश्यक धनराशि आवंटित करने को तैयार है।बुधवार को अश्वराओपेटा विधानसभा क्षेत्र के बेंदलापाडु गाँव में 'इंदिरम्मा इंदलु' के गृह प्रवेश समारोह के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के पास अब गरीबों में बाँटने के लिए जमीन नहीं बची है, इसलिए शिक्षा ही उनकी गरीबी दूर करने का एकमात्र रास्ता है।

उन्होंने तेलंगाना के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में एकीकृत आवासीय विद्यालय स्थापित करने की योजना का उल्लेख किया और छात्रावास के छात्रों के लिए भोजन और प्रसाधन भत्ते में वृद्धि की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ, सरकार का लक्ष्य युवाओं को सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों में नौकरी के लिए तैयार करना है। इसी उद्देश्य से, सभी आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में बदला जा रहा है। उन्होंने कहा, हमें गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने और शासन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उनमें से इंजीनियर, डॉक्टर, आईएएस और आईपीएस अधिकारी चाहिए।

रेवंत रेड्डी ने बताया कि इंदिरम्मा इंदलु आवास योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है और पहले चरण में 4.5 लाख गरीब परिवारों के लिए घर का सपना साकार किया जाएगा। उन्होंने इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए मंत्री पोंगुलेटी की प्रशंसा की।अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने गाँवों में गरीबी देखी है और इसीलिए गरीबी उन्मूलन को अपनी जिम्मेदारी मानते हैं।इस कार्यक्रम में सांसद पोरिका बलराम और रायपति राव, संयुक्त खम्मम जिले के विधायक, स्थानीय जन प्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित थे।

तेलंगाना 500 मेगावाट सोलर प्लांट लगाने के लिए आवेदन, उपमुख्यमंत्री को सौंपा प्रस्ताव

राज्य को मिलेगी स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा बल

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमेरिका और जर्मनी से आए निवेशकों ने तेलंगाना में 500 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र (सोलर प्लांट) लगाने के लिए औपचारिक आवेदन प्रस्तुत किया है। यह आवेदन तेलंगाना उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का को आधिकारिक तौर पर सौंपा गया।

इस अवसर पर अमेरिका से आए कैलाश भाई तथा जर्मनी से आए अजय कश्यप ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव जी. नागभूषणम और अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा के अध्यक्ष मुन्ना लाल के साथ संयुक्त रूप से उपमुख्यमंत्री को आवेदन पत्र सौंपा।

प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से आश्वासन दिया गया है कि इस सोलर प्लांट द्वारा उत्पादित समस्त बिजली तेलंगाना राज्य को दी जाएगी, जिससे राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी और हरित ऊर्जा के लक्ष्य को भी बढ़ावा मिलेगा।

आवेदकों ने कहा कि तेलंगाना सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियां, पारदर्शिता और स्थिर प्रशासनिक वातावरण ने उन्हें यहां निवेश के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इस परियोजना को शीघ्रातिशीघ्र मंजूरी देगी ताकि निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जा सके।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का ने आवेदन प्राप्त करते हुए निवेशकों का स्वागत किया और कहा कि तेलंगाना सरकार स्वच्छ, स्थायी और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रस्तावों की समीक्षा शीघ्रता से की जाएगी ताकि राज्य में ऊर्जा सुरक्षा और हरित विकास को बढ़ावा मिल सके।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव जी. नागभूषणम ने कहा कि यह प्रस्ताव राज्य के आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

अग्रवाल समाज अग्रसेन मार्ग शाखा अध्यक्ष मुन्ना लाल ने कहा कि समाज के वैश्विक सदस्य तेलंगाना के विकास में योगदान देने के लिए तत्पर हैं।

मासिक श्याम निशान यात्रा का आयोजन

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मासिक श्याम निशान समिति द्वारा एकादशी के पावन अवसर पर एक भव्य निशान यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा मलकपेट स्थित हनुमान मंदिर से शुरू होकर काचीगुडा के श्री श्याम मंदिर तक निकाली गई।इस दौरान बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी भजन-कीर्तन करते हुए चले, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। यात्रा में भाग लेने के लिए भाग्यनगर (हैदराबाद) के विभिन्न हिस्सों से भक्त शामिल हुए और इसे सफल बनाया। भक्तों की श्रद्धा और उत्साह ने इस धार्मिक आयोजन को और भी विशेष बना दिया।

केसीआर के खिलाफ सीबीआई जांच तेलंगाना के लोगों का अपमान : केटीआर

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार द्वारा कालेश्वरम मामले में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ सीबीआई जांच कराने के कदम की निंदा करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने इसे तेलंगाना के लोगों का अपमान बताया।

केटीआर ने कहा, ऐसे दूरदर्शी नेता पर निशाना साधना शर्मनाक है, जिन्होंने मल्लन्ना सागर और कोंडापोचम्मा सागर जैसी परियोजनाओं के माध्यम से हैदराबाद के लिए अगले 50 वर्षों तक पेयजल सुनिश्चित किया।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने एक समय सीबीआई को मोदी की जेब की संस्था बताकर खारिज कर दिया था, जबकि रेवंत रेड्डी अब उसकी तारीफ़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह दोहरा मापदंड कांग्रेस पार्टी की दयनीय स्थिति को दर्शाता है।

केटीआर एर्रावल्ली स्थित केसीआर के घर पर मनुगुरु, पिनापाका निर्वाचन क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रभाकर राव और उनके समर्थकों का बीआरएस में स्वागत करते हुए बोल रहे थे।

उन्होंने दावा किया कि भारतीय राजनीति में किसी भी नेता ने दस वर्षों में केसीआर जितनी प्रगति नहीं की है, जिनकी सिंचाई परियोजनाओं ने तेलंगाना को हरा-भरा बना दिया है, जबकि विरोधी ईर्ष्या से लाल हो गए हैं।

बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और भाजपा, दोनों ही केसीआर पर बेबुनियाद मुकदमे लगाकर उन्हें बदनाम करने की साजिश रच रही हैं क्योंकि उन्हें जनता का उनके प्रति स्नेह बर्दाश्त नहीं है। केटीआर ने कहा, रेवंत रेड्डी के शासन में, तेलंगाना सिर्फ़ 21 महीनों में अराजकता की चपेट में आ गया है। किसान सिर्फ़ यूरिया खरीदने के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े हैं, अपने जूते छोड़कर। यही कांग्रेस के कुशासन की सच्चाई है।

उन्होंने याद दिलाया कि 2014 में तेलंगाना कृषि उत्पादन में 14वें स्थान पर था, लेकिन केसीआर के नेतृत्व में और कालेश्वरम, सीताराम और पलामुरु-रंगारेड्डी जैसी बड़ी परियोजनाओं के ज़रिए, राज्य एक प्रमुख खाद्य उत्पादक बन गया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, कालेश्वरम दुनिया की सबसे बड़ी लिफ्ट सिंचाई परियोजना है, जो मेदिगड्डा से कोंडापोचम्मा सागर तक प्रतिदिन 2 टीएमसी पानी पहुँचाती है। यह लाखों एकड़ ज़मीन को सिंचाई और अनगिनत गाँवों को पीने का पानी प्रदान करती है।

केटीआर ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर एनटीआर, चंद्रबाबू, वाईएसआर और केसीआर जैसे पूर्ववर्ती राजनेताओं के विपरीत गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियों से पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया।

उन्होंने याद दिलाया कि केसीआर ने कोविड संकट के दौरान भी कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना सुनिश्चित किया, जब राजस्व शून्य हो गया था, जबकि कांग्रेस नेता बहाने बनाने में व्यस्त हैं।

उन्होंने कहा कि केसीआर की सरकार सिंगरेनी कोयला श्रमिकों के साथ दृढ़ता से खड़ी है और उनकी अधिकांश मांगों को लागू कर रही है। उन्होंने इस बात पर आत्मचिंतन करने का आह्वान किया कि इतने समर्थन के बावजूद बीआरएस ने उन निर्वाचन क्षेत्रों में खराब प्रदर्शन क्यों किया।

मित्र यूथ एसोसिएशन में गणेश उत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। छत्रिनाका स्थित मित्र यूथ एसोसिएशन में 58वें वार्षिक गणेश नवरात्र उत्सव का आयोजन किया गया। मंगलवार की शाम को आयोजित इस कार्यक्रम में पारंपरिक रूप से गणपति पूजा, अर्चना, आरती और दीपोत्सव किया गया।

इस धार्मिक आयोजन में एसोसिएशन के सदस्य बी. जयलक्ष्मी, एस. शैलजा, अनंत लक्ष्मी, लहरी, प्रणति और महासचिव एस.पी. क्रांति कुमार ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उनके साथ अन्य सदस्यों जैसे बी. रविंदर, बी. वेंकटेश और बड़ी संख्या में स्थानीय भक्तों ने भी इस उत्सव में शामिल होकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

कविता के निलंबन के बाद सीताक्का का केसीआर पर तीखा तंज

परिवार से संभल नहीं रहे, राज्य कैसे संभालेंगे?

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस एमएलसी कल्वाकुंटला कविता के निलंबन को 'पारिवारिक ड्रामा' करार देते हुए, तेलंगाना के मंत्री सीथक्का ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके परिवार पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर का परिवार ही भ्रष्टाचार और आंतरिक झगड़ों का केंद्र है, विशेष रूप से कालेश्वरम परियोजना के संदर्भ में।

सीताक्का ने कहा कि कविता ने स्वयं स्वीकार किया है कि हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में उनका हाथ था और यह सब परिवार के भीतर अवैध धन के वितरण को लेकर चल रहे संघर्ष का परिणाम है। पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने पूछा, क्या केसीआर, जो खुद को तेलंगाना का जनक कहते हैं, इतनी कमजोर स्थिति में हैं कि अपने परिवार के विवाद भी नहीं सुलझा सकते? तो वे राज्य का नेतृत्व कैसे कर सकते हैं?मंत्री ने यह भी याद दिलाया कि पूर्व सांसद संतोष राव ने बेनामी पोचमपल्ली श्रीनिवास रेड्डी के माध्यम से करोड़ों रुपये जमा किए, जिनका इस्तेमाल मुलुगु में चुनाव जीतने के लिए किया गया। इन आरोपों के बावजूद, टीआरएस ने चुप्पी साध रखी है। सीताक्का ने कहा, अगर केटीआर इसके पीछे नहीं थे, तो कविता का निलंबन क्यों किया गया?

उन्होंने कहा कि यह सब राजनीतिक स्टंट है।

साथ ही, उन्होंने केसीआर और केटीआर पर पार्टी और तेलंगाना कार्यकर्ताओं की बजाय अपने हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हुए कहा कि कई कार्यकर्ताओं के बलिदान के बावजूद, कविता को एमएलसी पद मिला, और अब परिवार उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित कर रहा है।

सीताक्का ने हरीश राव को भी निशाने पर लिया और कालेश्वरम परियोजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा कि यदि वे अपनी निर्दोषता साबित करना चाहते हैं, तो सीबीआई जांच क्यों नहीं कराते?

एसीबी ने रिश्वत मांगने के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार, 3 सितंबर को रिश्वत मांगने के आरोप में दो सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। निज़ामाबाद जिले में, राजस्व निरीक्षक कामा श्रीनिवास राव को 7,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। उन्होंने शुरुआत में 10,000 रुपये की मांग की थी, लेकिन बाद में घटाकर 7,000 रुपये ले लिए। यह रिश्वत वीएलटी फाइल के संसाधन और नंबर आवंटन के लिए मांगी गई थी। उन्हें हैदराबाद की अदालत में पेश किया गया है। एक अन्य मामले में काममामिडी गांव में कार्यरत पंचायत सचिव अक्कला वेंकट स्वामी को 20,000 रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया गया। स्वामी ने एक योजना के तहत घर निर्माण के चरणवार प्रगति अपलोड करने और बेसमेंट की तस्वीरें लेने के लिए रिश्वत की मांग की थी, ताकि एक लाख रुपये का आंशिक भुगतान स्वीकृत किया जा सके। उन्हें करीमनगर स्थित एसीबी अदालत में पेश किया गया।

तेलंगाना एसीबी ने वर्ष के पहले आठ महीनों में कुल 179 भ्रष्टाचार से संबंधित मामले दर्ज किए हैं। इनमें 33.12 लाख रुपये जब्त किए गए हैं और 44.33 करोड़ रुपये की संपत्ति विभिन्न विभागों से बरामद की गई है। जनवरी से अगस्त तक, इन मामलों में 108 ट्रैप मामले, 11 अनुपातहीन संपत्ति के मामले, 18 आपराधिक कदाचार के मामले, 18 नियमित पूछताछ, 21 औचक निरीक्षण और 3 गोपनीय पूछताछ शामिल हैं।

कपड़ा व्यापारी संघ द्वारा गणेश प्रतिमा की स्थापना, पीस कमेटी के सदस्यों का सम्मान

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पटेल मार्केट, रिकबगंज स्थित कपड़ा व्यापारी संघ द्वारा इस वर्ष गणेश चतुर्थी के अवसर पर गणेश जी की एक सुंदर प्रतिमा स्थापित की गई है। इस दौरान संघ ने शांति समिति के सदस्यों और पुलिस अधिकारियों का स्वागत व सम्मान किया।इस कार्यक्रम में कपड़ा व्यापारी संघ के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने शांति और सौहार्द बनाए रखने में पुलिस और पीस कमेटी के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

तेलंगाना में यूरिया की कमी को लेकर किसानों ने अधिकारियों से गुहार लगाई

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के वानापर्थी जिले में, यूरिया की गंभीर कमी से परेशान किसानों ने बुधवार, 3 सितंबर को अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में महिलाएं अधिकारियों के पैर छूते हुए दिखाई दे रही हैं, और एक महिला कहती हैं, मैं आपके पैर छूने को तैयार हूँ, महोदय। कृपया हमें यूरिया उपलब्ध कराएँ। एक अन्य वीडियो में किसान अधिकारियों से विनती करते नजर आ रहे हैं। यूरिया की कमी के कारण किसानों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। वे लंबी कतारों में खड़े होकर प्राथमिक कृषि ऋण समितियों से यूरिया की आपूर्ति का इंतजार कर रहे हैं। 29 अगस्त को सिद्दीपेट जिले के गजवेल में किसानों ने सीएम मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए धरना दिया।मेडक में, किसानों ने केंद्र की प्रतीक्षा में कतार में जूते और पत्थर रख दिए।30 अगस्त को, बीआरएस नेताओं ने हैदराबाद के गनपार्क में प्रदर्शन किया, जिसमें विधायक टी हरीश राव और केटी रामा राव ने भाग लिया।

तेलंगाना सरकार का 6 सितंबर को सार्वजनिक अवकाश: गणेश उत्सव के मद्देनजर बदलाव

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने 6 सितंबर (शनिवार) को हैदराबाद, सिकंदराबाद, रंगा रेड्डी और मेडचल-मलकजगिरी जिलों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। यह निर्णय गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूसों के दौरान यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार ने यह भी फैसला किया है कि 11 अक्टूबर (शनिवार), जो सामान्यतः सप्ताहांत की छुट्टी होती है, इन जिलों में कार्य दिवस के रूप में माना जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.